■ उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

सच का साथी..

बी पी एस न्यूज

www.bpsnews.in

(वर्ष-8 अंक -17)

पृष्ठ 8 मूल्य 2/रुपया

सोमवार 29 मई ,2023

▶ यूपी सीएम ने किया नये एयरपोर्ट ट्रमिनल का उद्घाटन

▶ प्रमिला पाण्डेय ने दूसरी बार महापौर पद की शपथ ली

▶ कुणाल की एक गलती से लखनऊ को हुआ बड़ा नुकसान

न्यूज संक्षिप्त

तेज आंधी में महाकाल लोक की कई मूर्तियां गिरी

उज्जैन। रविवार को दोपहर में अचानक मौसम बिगड़ गया और तेज आंधी के साथ पूरे महाकोल लोक में अफरा-तफरी मच गई। इस दौरान कई प्रतिमाएं गिर गई और क्षतिग्रस्त हो गई। कई श्रद्धालु बाल-बाल बच गए। खबर मिलते ही जिला प्रशासन की टीम महाकाल लोक परिसर में पहुंच गई है। घटना शाम चार बजे की है। उज्जैन शहर में रविवार शाम को तेज आंधी के साथ हुई तेज बारिश में महाकाल लोक की कई मूर्ति क्षतिग्रस्त हो गई। इस दौरान वहां पहुंचे कई श्रद्धालु बाल बाल बच गए। महाकाल लोक में लगी सप्तऋषियों की प्रतिमा आंधी सह नहीं पाई और गिर गई। किसी मूर्ति का हाथ टूट गया, तो किसी का धड़ अलग हो गया। जिस समय तेज आंधी आई वहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद ते। इनमें अफरा-तफरी मच गई। इससे पहले रविवार को सुबह ही सांदीपनि आश्रम के सामने भी तेज आंधी में पुराना पेड़ गिर गया था, जिसमें मोटरसाइकिल, एक आटो और कार क्षतिग्रस्त हो गए हैं।

'नाटो प्लस' में भारत को शामिल करने की सिफारिश

पीएम नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा से पहले कांग्रेस की एक शक्तिशाली समिति ने 'नाटो प्लस% में भारत को शामिल करने की सिफारिश की है। नाटो प्लस (अभी नाटो प्लस 5) एक सुरक्षा व्यवस्था है, जो नाटो और 5 गठबंधन राष्ट्रों ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, जापान, इस्राइल और दक्षिण कोरिया को वैश्विक रक्षा सहयोग बढ़ाने के लिए साथ लाती है। भारत को इसमें शामिल करने से इन देशों के बीच खुफिया जानकारी साझा हो पाएगी और भारत की बिना किसी समय अंतराल के आधुनिक सैन्य प्रौद्योगिकी तक पहुंच बन सकेगी।

महाराज दलीप सिंह की बेटी के आवास पर 'नीली पट्टिका सज़्मान

सिख साम्राज्य के अंतिम शासक महाराजा दलीप सिंह की बेटी राजकुमारी सोफिया दलीप सिंह के लंदन स्थित आवास पर शुक्रवार को सज्मान के तौर पर 'नीली पट्टिका लगाई गई। 'इंग्लिश हेरिटेज चैरिटी द्वारा संचालित 'नीली पट्टिका योजना ऐतिहासिक हस्तियों से जुड़ी विशेष इमारतों के महत्व का सज्मान प्रदर्शित करती है। राजकुमारी सोफिया इस आवास में चार दशकों से अधिक समय तक रहीं। 'सोफिया - प्रिंसेस, सफ़रागेट, रेवोल्यूशनरी जीवनी की लेखिका अनीता आनंद ने कहा कि अंतिम सिख शासक की बेटी और महारानी विक्टोरिया की धर्म पुत्री होने की वजह से सोफिया चाहतीं तो बेहद आरामदायक जीवन बिता सकती थीं, लेकिन उन्होंने महिलाओं के मताधिकार के लिए संघर्ष का एक कठिन रास्ता चुना था।

कनाडा 150 पंजाबी छात्रों पर निर्वासन की तलवार!

कनाडा में पढ़ाई करने गए 150 भारतीय छात्रों पर निवासन की तलवार लटक रही है। एजुकेशनल इंस्टीट्यूट में इन छात्रों के एडमिशन ऑफर लेटर को अधिकारियों ने फर्जी पाया है। इसके बाद कनाडा की बॉर्डर सिज्योरिटी एजेंसी (सीबीएसए) ने सभी छात्रों को डिपोर्ट किए जाने का पत्र भेजा था। 29 मई यानि आज उन्हें कनाडा से निर्वासित किया जा सकता है। छात्रों के निर्वासन को रोकने को लेकर कनाडा की न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी (एनडीपी) छात्रों की मदद को आगे आई है।

आत्मनिर्भर भारत के सूर्योदय का साक्षी बनेगा नया भवन: मोदी

नई दिल्ली। नए संसद भवन से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने पहले संबोधन में कहा कि यह नया भवन हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के सपने को साकार करने का साधन बनेगा। यह नया भवन आत्मनिर्भर भारत के सूर्योदय का साक्षी बनेगा। यह नया भवन विकसित भारत के संकल्पों की सिद्धी होते हुए देखेगा।

लोकतंत्र हमारा संस्कार, विचार और परंपरा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज नए संसद भवन को देखकर हर भारतीय गौरव से भरा हुआ है। इसमें वास्तू, विरासत, कला, कौशल, संस्कृति और सविंधान भी है। संसद के प्रांगण में राष्ट्रीय वृक्ष बरगद भी है। उन्होंने कहा कि भारत न सिर्फ लोकतंत्र का सबसे बड़ा देश है। बल्कि मदर ऑफ डेमोक्रेसी भी है। यह वैश्विक लोकतंत्र की नींव भी है। लोकतंत्र हमारा संस्कार, विचार और परंपरा है।

यह नया भवन हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के सपने को साकार करने का साधन बनेगा। यह नया भवन आत्मनिर्भर भारत के सूर्योदय का साक्षी बनेगा। यह नया भवन विकसित भारत के संकल्पों की सिद्धी होते हुए देखेगा- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

नए रास्तों पर चलकर ही गढ़े जाते हैं नए कीर्तिमान

नए संसद भवन से प्रधानमंत्री मोदी ने अपने पहले संबोधन में कहा है कि नए रास्तों पर चलकर ही नए कीर्तिमान गढ़े जाते है। नया भारत नए लक्ष्य तय कर रहा है। नया जोश है, नया उमंग है, नया सफर है। नई सोच है, दिशा नई है, दृष्टि नई है। संकल्प नया है, विश्वास नया है।

नए भवन को बताया भव्य और दिव्य - पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नए संसद भवन का लोकार्पण करने के बाद ट्वीट कर नए भवन को भव्य और दिव्य बताया। पीएम मोदी ने लिखा, आज का दिन हम सभी देशवासियों के लिए अविस्मरणीय है। उन्होंने अपने ट्वीट में आगे कहा कि संसद का नया भवन हम सभी को गर्व और उम्मीदों से भर देने वाला है। मुझे पूरा विश्वास है कि यह दिव्य और भव्य इमारत जन-जन के सशक्तिकरण के साथ ही, राष्ट्र की समृद्धि और सामर्थ्य को नई गति और शक्ति प्रदान करेगी।आज का दिन हम सभी देशवासियों के लिए अविस्मरणीय है। संसद का नया भवन हम सभी को गर्व और उम्मीदों से भर देने वाला है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि यह दिव्य और भव्य इमारत जन-जन के सशक्तिकरण के साथ ही, राष्ट्र की समृद्धि और सामर्थ्य को नई गति और शक्ति प्रदान करेगी।ओम बिरला बोले, लोकतांत्रिक इतिहास का महत्वपूर्ण पल

लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने नए संसद भवन के पीएम मोदी के हाथों लोकार्पण को देश के लोकतांत्रिक इतिहास का महत्वपूर्ण पल बताया है। लोकसभा स्पीकर ने सोशल मीडिया पर लिखा, लोकतंत्र का यह नया मंदिर एकता, अखंडता, समता, न्याय और बंधुत्व की भावना को सशक्त करते हुए हम सभी के लिए देश को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की प्रेरणा बनेगा।

नए संसद भवन के उद्घाटन को लेकर पीएम मोदी पर बरसे विपक्षी दल, राहुल गांधी ने कहा - राज्याभिषेक पूरा हुआ

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को नए संसद भवन का उद्घाटन किया। सत्ता हस्तांतरण का प्रतीक सेंगोल संसद भवन में लोकसभा चेयर के पास स्थापित किया है। कांग्रेस सहित करीब 20 विपक्षी पार्टियां इस उद्घाटन समारोह में शामिल नहीं हुईं। इस अवसर पर विपक्षी दलों के नेताओं ने पीएम मोदी पर जमकर निशाना साधा। राहुल गांधी ने तो कहा कि राज्याभिषेक पूरा हुआ।

नए संसद भवन के उद्घाटन को लेकर पीएम मोदी पर बरसे विपक्षी दल

आज देश के इतिहास में एक पन्ना नए संसद भवन के नाम दर्ज हो गया। पीएम नरेंद्र मोदी ने इसका उद्घाटन किया। पीएम मोदी ने इस अवसर पर कहा, यह सिर्फ एक इमारत नहीं है। यह 140 करोड़ भारतीयों की आकांक्षाओं और सपनों का प्रतिबिंब है। यह दुनिया को भारत के दृढ़ संकल्प का संदेश देने वाले हमारे लोकतंत्र का मंदिर है। पर इस अवसर पर पीएम मोदी को विरोधी व विपक्षी दलों के तानें झेलने पड़े। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने ट्वीट करते हुए भाजपा और पीएम पर हमला किया है। राहुल गांधी ने ट्वीट ने किया कि राज्याभिषेक पूरा हुआ- %अहंकारी राजा% सड़कों पर कुचल रहा जनता की आवाज़! संसद लोगों की आवाज़ है! प्रधानमंत्री संसद भवन के उद्घाटन को राज्याभिषेक समझ रहे हैं। कांग्रेस नेता पी चिदंबरम, राजस्थान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी राहुल गांधी के सुर में सुर मिलाया।

पीएम का उद्घाटन करना दुर्भाग्यपूर्ण - अशोक गहलोत

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी पीएम मोदी को निशाने पर रखा। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री द्वारा उद्घाटन (नया संसद भवन) किया जाना दुर्भाग्यपूर्ण मानता हूं। ऐसी संस्थाओं में संवैधानिक मुखिया की भूमिका होती है। हमने राजस्थान विधानसभा के उद्घाटन में राष्ट्रपति को बुलाया था... राजस्थान में कर्नाटक जैसी स्थिति बनने वाली है। हम 156 सीटों की उम्मीद कर रहे हैं।

भाजपा ने राष्ट्रपति और संविधान का अपमान किया - स्वामी प्रसाद मौर्य

बसपा, फिर भाजपा और अब सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य भी पीएम मोदी पर तंज कसने में पीछे नहीं रहे। स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहाकि नए संसद भवन का उद्घाटन राष्ट्रपति के द्वारा होना चाहिए था क्योंकि राष्ट्रपति संविधान प्रमुख हैं। भाजपा ने ऐसा न करके न सिर्फ राष्ट्रपति का अपमान किया है बल्कि संविधान का भी अपमान किया है। भाजपा ने साबित कर दिया कि वे दलित विरोधी और पिछड़ा विरोधी मानसिकता की है।

मुझे खुशी है कि मैं वहां नहीं गया - शरद पवार

नए संसद भवन के उद्घाटन पर हृष्टक्रप्रमुख शरद पवार ने कहा, मैंने सुबह का आयोजन देखा। मुझे खुशी है कि मैं वहां नहीं गया। वहां जो कुछ हुआ उसे देखकर मैं चिंतित हूं। क्या हम देश को पीछे ले जा रहे हैं? क्या यह आयोजन सीमित लोगों के लिए ही था?।

बिना विपक्ष के नए संसद भवन का उद्घाटन अधूरा - सुप्रिया सुले

हृष्टक्रनेता और सांसद सुप्रिया सुले ने कहा, बिना विपक्ष की उपस्थिति के नए संसद भवन का उद्घाटन संपन्न नहीं हो सकता, इसका मतलब है कि देश में लोकतंत्र नहीं है। ये एक अधूरा कार्यक्रम है।3 दिन पहले हमें व्हाट्सएप पर निमंत्रण भेजा गया। वे फोन पर विपक्ष के नेताओं से संपर्क कर सकते थे... पुराने संसद भवन से हमारी यादें जुड़ी हुई हैं। हम सभी पुराने संसद भवन से प्यार करते हैं, वह भारत की आज़ादी का वास्तविक इतिहास है। लेकिन अब हमें नए संसद भवन में जाना होगा।

बस अपने हाथों में ले रखा है सेंगोल - पी चिदंबरम

कांग्रेस नेता और पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने रविवार को ट्वीट करते हुए कहा कि मणिपुर में हिंसा भड़के तीन सप्ताह से अधिक समय बीत गया। हिंसा में 75 लोगों की मौत हो गई। लेकिन माननीय पीएम ने हिंसा के बारे में अब तक एक शब्द नहीं बोला है। इसके अलावा न तो उन्होंने शांति बनाने की अपील की न ही सद्भाव की अपील की है। बस अपने हाथों में सेंगोल ले रखा है।

केवल इमारतों से नहीं, जनता की आवाज़ से चलता है: खरगे

नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा संसद के नए भवन का उद्घाटन किये जाने के बाद रविवार को कहा कि उन्हें (प्रधानमंत्री को) यह याद रहना चाहिए कि लोकतंत्र केवल इमारतों से नहीं, जनता की आवाज से चलता है। उन्होंने ट्वीट किया, ''नई संसद के उद्घाटन का हक़ राष्ट्रपति जी से छीना, सड़कों पर महिला खिलाड़ियों को तानाशाही बल से पीटा! भाजपा-आरएसएस के सत्ताधीशों के 3 झूठ अब देश के सामने बेपर्दा हैं।''खरगे ने कहा, ''लोकतंत्र, राष्ट्रवाद, बेटी बचाओ, याद रहे मोदी जी, लोकतंत्र केवल इमारतों से नहीं, जनता की आवाज़ से चलता है।'

नये संसद भवन के उद्घाटन पर देशवासियों को बधाई दी

उत्तर प्रदेश के मुख?यमंत्री योगी आदि?यनाथ ने रविवार को नये संसद भवन के उद्घाटन पर देशवासियों को हार्दिक बधाई दी। मुख?यमंत्री योगी ने रविवार को एक ट्वीट में कहा ''ऐतिहासिक क्षण।'नये भारत' की आशाओं, अपेक्षाओं और अभिलाषाओं की पूर्ति का प्रतीक, वैभवशाली, गौरवशाली व प्रेरणादायी नये संसद भवन को आज आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन?द्र मोदी जी ने राष्ट्र को समर्पित किया है। सभी देशवासियों को हार्दिक बधाई।

'आत्ममुग्ध तानाशाह प्रधानमंत्री' ने नए संसद भवन का उद्घाटन किया: कांग्रेस

कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा संसद के नए भवन का उद्घाटन किए जाने के बाद रविवार को उन पर निशाना साधते हुए कहा कि एक ऐसे ''आत्ममुग्ध तानाशाह प्रधानमंत्री'' ने यह उद्घाटन किया है, जिन्हें संसदीय परंपराओं से नफरत है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह भी आरोप लगाया कि राष्ट्रपति पद पर आसीन होने वाली पहली आदिवासी द्रौपदी मुर्मू को उनके संवैधानिक कर्तव्य का निर्वहन नहीं करने दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार सुबह नए संसद भवन का उद्घाटन किया। मोदी ने नए संसद भवन के उद्घाटन के मौके पर ईश्वर का आशीर्वाद लेने के लिए कर्नाटक के श्रृंगेरी मठ के पुजारियों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच 'गणपति होमम्' अनुष्ठान किया।

सेंगोल की हुई संसद भवन में स्थापना

प्रयागराज।इस समय पूरे देश में नए संसद भवन और उसके उद्घाटन समारोह चर्चा का विषय बना हुआ है। इस नए संसद भवन में राजदंड यानी सेंगोल की भी स्थापना की गई है, जिसका इतिहास आज का नहीं बल्कि 5000 वर्ष पुराना है। सात दशकों तक इलाहाबाद संग्रहालय की शोभा बढ़ाने वाले ऐतिहासिक सेंगोल (राजदंड) को नये संसद भवन में स्थापित किया गया है।

पीएम मोदी ने सेंगोल को किया साष्टांग प्रणाम, अधीनम संतों की मौजूदगी में दिया सम्मान

प्रधानमंत्री मोदी ने पारंपरिक परिधान में द्वार संख्या-एक से संसद भवन परिसर में प्रवेश किया। सेंगोल को संसद भवन में स्थापना करने के लिए लेकए आया गया तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऐसा कदम उठाया जिससे सत्ता और संस्कृति का संगम होता हुआ नए संसद भवन में दिखा।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज नए संसद भवन का उद्घाटन कर दिया है। वैदिक विधि विधान के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस नए संसद भवन का उद्घाटन किया और देश को इसे समर्पित किया। इस खास मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तमिलनाडु के अधीनम संतों द्वारा सौंपा गया सेंगोल भी नए संसद भवन में स्थापित किया। ऐतिहासिक राजदंड 'सेंगोल' को लोकसभा अध्यक्ष के आसन के समीप स्थापित किया है। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने पारंपरिक परिधान में द्वार संख्या-एक से संसद भवन परिसर में प्रवेश किया। वहीं जब सेंगोल को संसद भवन में स्थापना करने के लिए लेकए आया गया तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऐसा कदम उठाया जिससे सत्ता और संस्कृति का संगम होता हुआ नए संसद भवन में दिखा। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सेंगोल को साष्टांग प्रणाम किया और हाथ में पवित्र राजदंड लेकर वहां उपस्थित तमिलनाडु के विभिन्न अधीनमों के पुजारियों का आशीर्वाद लिया।

लालू की आरजेडी ने नई संसद को बताया ताबूत! ट्वीट पर मचा बवाल

नए संसद भवन के उद्घाटन के बाद भी सियासी बयानबाजी थमने का नाम नहीं ले रही है. इस बीच, लालू यादव की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल ने नए संसद भवन की तुलना ताबूत से की है. दूसरी तरफ नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू ने भी नई संसद के उद्घाटन पर निशाना साधा है. जेडीयू ने इसे तानाशाही बताया है. बता दें कि करीब 20 विपक्षी दलों ने नए संसद भवन के उद्घाटन समारोह का बहिष्कार किया है. कांग्रेस, टीएमसी, आम आदमी पार्टी, आरजेडी, सपा और जेडीयू सहित तमाम दलों ने नई संसद के उद्घाटन समारोह में हिस्सा नहीं लिया है. नए संसद भवन के उद्घाटन के बाद आरजेडी के आधिकारिक ट्विटर हैंडल से नई संसद और ताबूत की फोटो एक साथ ट्वीट की गई और उसके कैप्शन में लिखा गया, 'ये क्या है?'. गौरतलब है कि नए संसद भवन के उद्घाटन को लेकर पूरे देश में जश्न है तो वहीं नई संसद को लेकर कई विपक्षी पार्टियां केंद्र सरकार को कटघरे में खड़ा कर रही हैं. कांग्रेस समेत विपक्ष की 20 पार्टियों ने आज होने वाले उद्घाटन समारोह के किनारा कर लिया है. पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने बीजेपी पर हमला बोला और कहा कि इतिहास बदलने वाली बीजेपी सरकार एक दिन खुद ही बदल जाएगी. वहीं, दूसरी ओर फिल्म अभिनेता शाहरुख खान ने ट्वीट कर नए संसद भवन की सुंदरता की तारीफ की. जिस पर पीएम मोदी ने जवाब देते हुए लिखा कि नया संसद भवन लोकतांत्रिक शक्ति और प्रगति का प्रतीक है जो परंपरा को आधुनिकता के साथ जोड़ता है. इसके अलावा अभिनेता कमल हासन ने सभी दलों से मतभेद भुलाकर नए संसद भवन के उद्घाटन को राष्ट्रीय एकता का अवसर बनाने की अपील की है.

नये संसद भवन के सामने महिला खापें करना चाहती हैं महापंचायत, दिल्ली की सीमाएं सील

सोनीपत। खापों की नये संसद भवन के सामने महापंचायत करने की धमकी के बाद हरियाणा पुलिस ने कमर कस ली है। पुलिस किसी भी कीमत पर प्रदर्शनकारियों को दिल्ली जाने से रोकने में जुटी हुई है। भारतीय कुश्ती संघ अध्यक्ष बृजभूषण सिंह की गिरफ्तारी की मांग को लेकर दिल्ली के जंतर-मंतर पर पहलवानों का धरना 23 अप्रैल से जारी है। इसी बीच नए संसद भवन के सामने आज पहलवानों के समर्थन में सभी खापों की महिला महापंचायत होगी।इस बीच दिल्ली की सीमाओं को सील करने का काम भी शुरू कर दिया गया। शनिवार देर रात बहादुरगढ़ सीमा पर टिकरी बॉर्डर पर बड़े-बड़े सीमेंट के पत्थर लाए गए। यहां दिल्ली हाईवे को संकरा करके 15 फीट कर दिया गया। सुबह इसे पूरी तरह बंद भी किया जा सकता है ताकि किसान आंदोलन की तर्ज पर पहलवानों के समर्थन में किसानों को दिल्ली पहुंचने से रोका जा सके।

हरियाणा पुलिस ने दिल्ली रोहतक नेशनल हाईवे पर स्थित रोहद टोल प्लाजा पर भारी संख्या में पुलिस कर्मियों की तैनाती कर दी है। बॉर्डर पर हर वाहन को चेक किया जा रहा है।

महिला खिलाड़ियों की आवाज में प्रियंका गांधी ने मिलाई आवाज, बोलीं - भाजपा सरकार का बढ़ गया है अहंकार

नई दिल्ली। प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ 23 अप्रैल से जंतर-मंतर पर पहलवान धरना दे रहे हैं। आज धरना दे रहे पहलवानों पर दिल्ली पुलिस ने सख्त रवैया अपनाया।दिल्ली पुलिस ने जंतर-मंतर से पहलवानों का तंबू हटा दिया है। और जंतर-मंतर से नए संसद भवन की ओर मार्च कर रहे पहलवानों को हिरासत में ले लिया।दिल्ली पुलिस की निर्दयता के खिलाफ कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने आवाज उठाई। और भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहाकि, खिलाड़ियों की छाती पर लगे मेडल हमारे देश की शान होते हैं। उन मेडलों से, खिलाड़ियों की मेहनत से देश का मान बढ़ता है। भाजपा सरकार का अहंकार इतना बढ़ गया है कि सरकार हमारी महिला खिलाड़ियों की आवाजों को निर्ममता के साथ बूटों तले रौंद रही है। ये एकदम गलत है। पूरा देश सरकार के अहंकार और इस अन्याय को देख रहा है।

दिल्ली महिला आयोग की प्रमुख स्वाति मालीवाल ने भी पहलवानों के साथ हुई सख्ती का विरोध करते हुए अपने ट्वीट में लिखा कि इन लड़कियों ने विदेशी सरजमीं पर तिरंगा ऊंचा किया था। आज इन बेटियों को ऐसे घसीटा जा रहा है और तिरंगा ऐसे सड़क पर अपमानित हो रहा है।

दिल्ली मेयर का दिल्ली पुलिस को इनकार

दिल्ली की मेयर शैली ओबेरॉय ने रविवार को नवनिर्मित संसद भवन के बाहर महिला पंचायत के लिए पहलवानों के आह्वान के मद्देनजर दिल्ली के खंजावाला में प्राथमिक विद्यालय को अस्थायी जेल में बदलने की पुलिस की मांग को खारिज कर दिया। ओबेरॉय ने पत्र में कहा, मुझे संज्ञान में लाया गया है कि दिल्ली पुलिस द्वारा एमसीडी के उपायुक्त (उत्तर) को 27 मई को एक पत्र भेजा गया है, इसमें एम.सी. प्राइमरी गर्ल्स स्कूल, खंजावाला चौक, पुराने भवन में 28 मई को एक अस्थायी जेल बनाने के लिए कहा गया है। लेकिन निर्देश दिया गया है कि ऐसी कोई अनुमति नहीं दी जाएगी।

पहलवानों को हिरासत में लेना बेहद निंदनीय - सीएम केजरीवाल

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को पहलवानों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई की निंदा की। केजरीवाल ने ट्वीट कर कहा, देश का मान बढ़ाने वाले हमारे खिलाड़ियों के साथ ऐसा व्यवहार बेहद निंदनीय है।

संपादकीय

दूध का दंश

हाल के महीनों में कई बार दूध की कीमतों में वृद्धि जहां आम आदमी का बजट बढ़ाने वाली साबित हुई है, वहीं देश के खाद्य पदार्थों के भाव में वृद्धि से सरकार के महंगाई कम करने के प्रयास भी बाधित हुए हैं। यह विडंबना ही है कि दुनिया का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक देश भारत अपने नागरिकों की दूध की मांग पूरी करने में मुश्किल महसूस कर रहा है। कोरोना काल में दूध आपूर्ति बाधित होने से उत्पादकों को नुकसान उठाना पड़ा। वहीं सरकारी आंकड़ों के अनुसार लंपी के चलते दो लाख से अधिक गौधन की क्षति हुई। स्वतंत्र पर्यवेक्षक इसकी संख्या कहीं ज्यादा बताते हैं। बहरहाल, इन आपदाओं से हुई क्षति की वजह से दूध उत्पादन में गिरावट आना स्वाभाविक था। जिसके चलते दूध उत्पादों के आयात के कयास लगाये जा रहे हैं। हालांकि, यदि बाहर से सस्ता दूध आता है तो कीमत युद्ध से देश के दुग्ध उत्पादकों का संरक्षण करना भी एक चुनौती होगा। उल्लेखनीय है कि दुनिया का चौबीस फीसदी दूध उत्पादन भारत में होता है। बीते साल 22 करोड़ टन से अधिक दूध उत्पादन के आंकड़े हैं। लेकिन उसी अनुपात में दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले देश में दूध की मांग में भी तेजी से वृद्धि हो रही है। यह वृद्धि आठ से दस फीसदी बतायी जा रही है। कोरोना काल व बाद में लंपी के चलते दूध उत्पादन में जो गिरावट आई है, उससे इस साल कुल उत्पादन में गिरावट या स्थिर रहने के आसार हैं। तभी डेयरी उत्पाद मसलन मक्खन व घी के आयात की बात कही जा रही है। वहीं इस परिस्थितिजन्य संकट के अलावा राजनीतिक लक्ष्यों की पूर्ति के लिये दूध के मुद्दे पर भी अब खूब सियासत होने लगी है। कर्नाटक चुनाव से पहले दो दुग्ध उत्पादक ब्रांड्स को लेकर जमकर राजनीति हुई। अब यह मुद्दा तमिलनाडु में जा पहुंचा है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने केंद्रीय गृहमंत्री को पत्र लिखकर मांग की है कि आविन के मिल्क शेड क्षेत्र में अमूल की दूध खरीद पर रोक लगायी जाये। उल्लेखनीय है कर्नाटक चुनाव में अमूल की एंट्री को लेकर जमकर राजनीति हुई थी। कांग्रेस व जेडीएस ने यहां तक आरोप लगाया था कि गुजरात से आने वाला अमूल लोकल ब्रांड नंदिनी को खत्म करने की साजिश कर रहा है। यहां तक कि एक होटल संगठन ने बाकायदा अमूल उत्पादों के बहिष्कार की घोषणा की। गुजरात कोऑपरेटिव मिल्क फेडरेशन अपने ब्रांड अमूल के व्यवस्थित कारोबार के लिये जाना जाता है। जिसके चलते सहकारी दुग्ध उत्पादकों के जीवन में खासा सकारात्मक बदलाव भी आया है। वहीं ब्रांड चुनने की उपभोक्ता को आजादी है और इसके लिये बेहतर प्रबंधन भी एक शर्त है। एक पहलू यह भी है कि देश में पशुओं के चारे के दाम में खासी तेजी आई है और दुग्ध उत्पादकों का मुनाफा कम हुआ है। जिसके चलते हरियाणा समेत कई राज्यों में पशुपालक इस व्यवसाय से अपना हाथ खींच रहे हैं। यही वजह है कि मांग व आपूर्ति में असंतुलन से इसकी कीमतों में उछाल आ रहा है। कोरोना व लंपी के बाद जहां उत्पादन गिरा, वहीं मांग तेजी से बढ़ी है। हालांकि, विदेशों से दूध का आयात लाभकारी नहीं हो सकता है क्योंकि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमतें मजबूत बनी हुई हैं।

श्रमयोगियों के पसीने से महकता लोकतंत्र

देश को एक नई संसद की शानदार इमारत मिलने जा रही है। सैकड़ों अनाम मजदूरों के दिन-रात के श्रम से खड़ी हुई है यह। इसका निर्माण कार्य तब भी जारी रहा था जब कोरोना की दूसरी लहर से त्राहि-त्राहि मची हुई थी। इसे तामील करने में आधुनिक मशीनों का भी खासा योगदान रहा। जबकि जिस संसद भवन (पहले काउंसिल हाउस) का 1927 में उद?घाटन किया गया था उसे खड़ा करने में मजदूरों का सिर्फ श्रम लगा था। उन्होंने धौलपुर से लाये गये भारी पत्थरों को हाथों से उठा-उठाकर संसद को बनाया था। बहरहाल, नई संसद को बनाने में मुख्य रूप से पश्चिम बंगाल, झारखंड, उड़ीसा और कुछ बिहारी मजदूरों ने पसीना बहाया।ये सब ठेकेदार के मुलाजिम थे और संसद भवन का काम पूरा होने के बाद प्रगति मैदान और मिंटो रोड में चल रहे दूसरे केन्द्र सरकार के निर्माण कामों से जुड़ गए हैं। इनमें से कुछ बिजली और कुछ पलम्बर का काम भी सही से जानते हैं। इन्हें यहां 8 घंटों की शिफ्टों में काम करना पड़ा था। हर महीने 15 हजार रुपये पगार और दोनों वक्त का भोजन। इसके अलावा मेडिकल सुविधा भी।

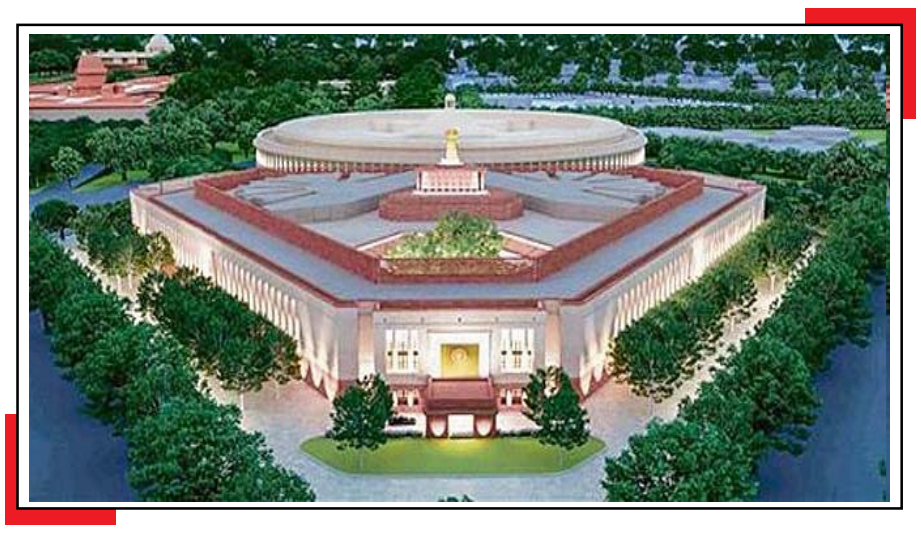

देश को एक नई संसद की शानदार इमारत मिलने जा रही है। सैकड़ों अनाम मजदूरों के दिन-रात के श्रम से खड़ी हुई है यह। इसका निर्माण कार्य तब भी जारी रहा था जब कोरोना की दूसरी लहर से त्राहि-त्राहि मची हुई थी। इसे तामील करने में आधुनिक मशीनों का भी खासा योगदान रहा। जबकि जिस संसद भवन (पहले काउंसिल हाउस) का 1927 में उद?घाटन किया गया था उसे खड़ा करने में मजदूरों का सिर्फ श्रम लगा था। उन्होंने धौलपुर से लाये गये भारी पत्थरों को हाथों से उठा-उठाकर संसद को बनाया था। बहरहाल, नई संसद को बनाने में मुख्य रूप से पश्चिम बंगाल, झारखंड, उड़ीसा और कुछ बिहारी मजदूरों ने पसीना बहाया।ये सब ठेकेदार के मुलाजिम थे और संसद भवन का काम पूरा होने के बाद प्रगति मैदान और मिंटो रोड में चल रहे दूसरे केन्द्र सरकार के निर्माण कामों से जुड़ गए हैं। इनमें से कुछ बिजली और कुछ पलम्बर का काम भी सही से जानते हैं। इन्हें यहां 8 घंटों की शिफ्टों में काम करना पड़ा था। हर महीने 15 हजार रुपये पगार और दोनों वक्त का भोजन। इसके अलावा मेडिकल सुविधा भी। ओवर टाइम भी मिलता रहा।राजधानी में सेंट्रल विस्टा और अन्य परियोजनाओं को पूरा करने के लिए हजारों मजदूर यहां आए हुए हैं। ये सब वापस तो अपने गृह प्रदेशों में जाने वाले नहीं हैं। ये एक प्रोजेक्ट के खत्म होने के बाद अगले प्रोजेक्ट से जुड़ जाते हैं। दिल्ली के पुराने लोगों को याद होगा कि यहां पर 1982 के एशियाई खेलों के समय बहुत बड़ी तादाद में मजदूर आए थे। तब मजदूर बिहार से काफी तादाद में आते थे। अब बिहार से आने वाले मजदूरों की संख्या निश्चित रूप से बहुत घटी है।जब संसद भवन का निर्माण चल रहा था तब शाम के पांच बजे ये श्रमिक चाय पीने के लिए संसद भवन परिसर से बाहर आ जाया करते थे। ये बाहर किसी चाय के ठीये में खड़े होकर चाय पीते हुए मिलते थे। कुछ मोबाइल पर अपने घरों में बतिया भी रहे होते थे। इनके सिरों पर हेल्मेट होते थे। अब इस तरह का नजारा आपको प्रगति भवन के बाहर देखने को मिल सकता है। वहां पर जी-20 शिखर सम्मेलन का कन्वेंशन सेंटर बन रहा है।

खैर, 1927 और 2023 के बीच राजधानी बहुत बदल गई है। यह स्वाभाविक भी है। पहले संसद भवन का उद्घाटन 18 जनवरी, 1927 को तत्कालीन गवर्नर-जनरल लॉर्ड इरविन ने किया था। नए संसद भवन का उद?घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी करेंगे। उन्होंने नई संसद भवन इमारत की 9 दिसंबर, 2020 को आधारशिला रखी थी। सरकार ने टाटा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड को ठेका दिया था कि वह नये संसद भवन को खड़ा करे। इसका डिजाइन तैयार करने की जिम्मेदारी अहमदाबाद की मैसर्स एचसीपी डिज़ाइन, प्लानिंग एण्ड मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड को सौंपी गई थी। इसने मुंबई पोर्ट काम्प्लेक्स, गुजरात राज्य सचिवालय, आईआईएम, अहमदाबाद आदि के बेहतरीन डिज़ाइन तैयार किये हैं।इस बीच, पहले संसद भवन के ठेकेदार सिंध के लछमन दास नाम के सज्जन थे। तब लगभग सभी मजदूर राजस्थान के धौलपुर, जयपुर, जोधपुर, भीलवाड़ा वगैरह से थे। ये सपत्नीक आए थे। इन्हें शुरुआती दिनों में पहाड़ी धीरज और करोल बाग में रहने की जगह मिली थी। खुशवंत सिंह ने अपने निबंध 'रोमांस आफ दिल्ली' में लिखा है, 'लछमन दास सच्चाई और नेक-नीयती की मिसाल थे। उन्होंने संसद भवन के निर्माण में कभी घटिया सामग्री का इस्तेमाल नहीं किया। वे अपने मुलाजिमों को वक्त पर वेतन देते थे।' खुशवंत सिंह ने इतनी प्रशंसा तो अपने पिता सोबा सिंह की या अन्य किसी ठेकेदार की भी नहीं की थी। सबको पता है कि उनके पिता ने नई दिल्ली की अनेक इमारतों को ठेकेदार के रूप में बनाया था।दरअसल लछमन दास बेहद मानवीय संवेदनाओं के व्यक्ति थे। वे संसद भवन के निर्माण में लगे मजदूरों के साथ घुल-मिलकर रहते थे। ये सब अपने गांव-देहातों से पैदल ही दिल्ली आए थे। जरा सोचिए कि कितना बलिदान दिया था उन्होंने संसद भवन को बनाने में। इन सीधे-सरल मजदूरों को रोज एक रुपये और महिला श्रमिकों को अठन्नी मजदूरी के लिए मिलते थे। अगर मजदूर मुख्यरूप से राजस्थान से यहां पर आए थे, तो संगतराश आगरा और मिर्जापुर से थे। कुछ भरतपुर से भी थे। ये सब पत्थरों पर नक्काशी और जालियों को बनाने के काम करने में उस्ताद थे। इनके पूर्वजों ने ही ताजमहल, लालकिला, जामा मस्जिद जैसे महत्वपूर्ण स्मारकों का निर्माण किया था। खुशवंत सिंह बताते थे कि इन राजस्थानी मजदूरों को बागड़ी कहा जाता था।बहरहाल, आजकल जो मजदूर राजधानी में आए हुए हैं, उनमें राजस्थान का रहने वाला शायद ही कोई हो। जो मजदूर तब आए थे वे सब इस दिल्ली का हिस्सा बन गए थे। उनके वंशज अब दिल्ली को समृद्ध कर रहे हैं। बहरहाल, संसद भवन का जब उद?घाटन हुआ था तब वहां पर लछमन दास भी थे। उनका मिशन पूरा हो गया था। उन्हें संतोष था कि उनके काम से सब संतुष्ट हैं। पर वे अब दिल्ली में और कोई प्रोजेक्ट लेना नहीं चाहते थे। वे वापस अपने घर सिंध भी नहीं गए। वे हरिद्वार में जाकर साधु बन गए थे। वहां ही उनका निधन हो गया।बहरहाल, जिन्होंने पहली संसद भवन की इमारत को अपने हाथों से खड़ा किया था उनके बच्चे अब दिल्ली में सामाजिक-आर्थिक रूप से बहुत बेहतर स्थिति में हैं। वे मंत्री तक बने। दिल्ली में मदन लाल खुराना की सरकार में सुरेन्द्र रातावाल मंत्री थे। उनके दादा और कई दूसरे संबंधियों ने संसद भवन को बनाया था। रातावाल को इस बात का गर्व है। बहरहाल, जिन्होंने नई संसद को खड़ा किया है उनकी आने वाली पीढ़ियां भी अपने हिस्से का आसमान छू लेंगी।

ये तय है।देश को कल उसकी नई संसद की शानदार इमारत मिलने जा रही है। सैकड़ों अनाम मजदूरों के दिन-रात के श्रम से खड़ी हुई है यह।इसका निर्माण कार्य तब भी जारी रहा था जब कोरोना की दूसरी लहर से त्राहि-त्राहि मची हुई थी। इसे तामील करने में आधुनिक मशीनों का भी खासा योगदान रहा। जबकि जिस संसद भवन (पहले काउंसिल हाउस) का 1927 में उद?घाटन किया गया था उसे खड़ा करने में मजदूरों का सिर्फ श्रम लगा था। उन्होंने धौलपुर से लाये गये भारी पत्थरों को हाथों से उठा-उठाकर संसद को बनाया था। बहरहाल, नई संसद को बनाने में मुख्य रूप से पश्चिम बंगाल, झारखंड, उड़ीसा और कुछ बिहारी मजदूरों ने पसीना बहाया।ये सब ठेकेदार के मुलाजिम थे और संसद भवन का काम पूरा होने के बाद प्रगति मैदान और मिंटो रोड में चल रहे दूसरे केन्द्र सरकार के निर्माण कामों से जुड़ गए हैं। इनमें से कुछ बिजली और कुछ पलम्बर का काम भी सही से जानते हैं। इन्हें यहां 8 घंटों की शिफ्टों में काम करना पड़ा था। हर महीने 15 हजार रुपये पगार और दोनों वक्त का भोजन। इसके अलावा मेडिकल सुविधा भी। ओवर टाइम भी मिलता रहा।राजधानी में सेंट्रल विस्टा और अन्य परियोजनाओं को पूरा करने के लिए हजारों मजदूर यहां आए हुए हैं। ये सब वापस तो अपने गृह प्रदेशों में जाने वाले नहीं हैं। ये एक प्रोजेक्ट के खत्म होने के बाद अगले प्रोजेक्ट से जुड़ जाते हैं। दिल्ली के पुराने लोगों को याद होगा कि यहां पर 1982 के एशियाई खेलों के समय बहुत बड़ी तादाद में मजदूर आए थे। तब मजदूर बिहार से काफी तादाद में आते थे। अब बिहार से आने वाले मजदूरों की संख्या निश्चित रूप से बहुत घटी है।

आलोचना के लिए एक बंदा ही काफी है

पंकज कुमार मिश्रा (जौनपुर)

याद कीजिए छत्तीसगढ़ में नए विधानसभा भवन का उद्घाटन वहां के कांग्रेस सरकार में होना था और मुख्यमंत्री भूपेश बघेल चाटुकारिता में इतने अंधे हो गए थे की तत्कालीन दलित और वंचित समाज से आने वाली उपराज्यपाल अनुसूइयां उइके का नाम तक शिलापट्ट पर अंकित नहीं करने दिया और उनकी जगह सोनिया गांधी और राहुल गांधी का नाम अंकित करवा के अपनी चापलूसी का बेमिसाल उदाहरण प्रस्तुत किया गया।

प्रधानमंत्री जी ने नए संसद भवन के उद्घाटन की बात क्या कही पूरा का पूरा विपक्ष उछल पड़ा ।शिवसेना के एहसानो तले दबी कांग्रेस खुलकर यह तो नहीं कह पा रही की उनका विरोध वीर सावरकर के जन्मदिन पर होने वाले उद्घाटन के कारण है लेकिन अन्य विपक्षी दलों ने राष्ट्रपति को न बुलाने वाला मुद्दा जोर शोर से सर पर उठा रखा है जो हास्यास्पद और पूरी तरह थोथरही है । याद कीजिए छत्तीसगढ़ में नए विधानसभा भवन का उद्घाटन वहां के कांग्रेस सरकार में होना था और मुख्यमंत्री भूपेश बघेल चाटुकारिता में इतने अंधे हो गए थे की तत्कालीन दलित और वंचित समाज से आने वाली उपराज्यपाल अनुसूइयां उइके का नाम तक शिलापट्ट पर अंकित नहीं करने दिया और उनकी जगह सोनिया गांधी और राहुल गांधी का नाम अंकित करवा के अपनी चापलूसी का बेमिसाल उदाहरण प्रस्तुत किया गया तब तो इतनी उछल कूद नही मचाई सेक्युलर और दलित चिंतकों ने । वैसे यह संविधान की ताकत है कि एक दलित महिला इस देश की राष्ट्रपति, राज्यपाल , उपराज्यपाल बन सकती है लेकिन विपक्ष के तथाकथित सेक्युलरों के किताब में वही 'दलित महिला' नए विधान सभा भवन का उद्घाटन नहीं कर सकती उसके खिलाफ यशवंत सिन्हा को वोट किया जा सकता है और दूसरी तरफ अब ये नौटंकी अब देखिए । दो लाइन की बात है, मगर महत्वपूर्ण बात है, अगर समझ मे आया गया हो तो अपने देश समाज और संविधान के लिए लड़िए ना की धूर्त विपक्ष के एजेंडे के लिए , एक बात याद दिला दूँ, एकलव्य न तो प्रतिभा में कमजोर था और न ही ताकत में मगर उस समय के सामाजिक और राजनीतिक व्यवस्थाओं की गरिमा थी जिसका मान रखते हुए उसे अपना अंगूठा काटना पड़ा पर अबके दलित चिंटू उस व्यवस्था को धता बताकर मनुवाद जैसी उच्च सारगर्भित संस्कृति का अपमान कर रहे । उधर ट्रक पर सवार एक बंदा ही काफी है कांग्रेस का तिया पांचा कराने को जिसे लोग राहुल गांधी के नाम से जानते है । उनके राजनैतिक विचारों से कोई सहमत नही होता और उन्हे माफी मांगने की भी आदत पड़ चुकी है । पहले राफेल पर फिर चौकीदार पर और अब अडानी मामले पर राहुल काफी शर्मिंदा महसूस कर रहे होंगे। आप इस लेख से असहमत हो सकते है पर एक विश्लेषक के तौर पर उक्त बातें सत्यता की कसौटी पर खरी है । उन्हें पसंद या नापसंद किया जा सकता है। लेकिन उनकी राजनीति के तौर-तरीकों पर हैरान हुए बिना नहीं रहा जाता। वे अचानक कोई ऐसा काम कर जाते हैं, जिसे देखकर हसीं आ जाती है और मन में प्रश्न उठता है कि आज के दौर में क्या इस तरह से भी पप्पू गिरी वाली राजनीति हो सकती है ? राहुल गांधी का एक वीडियो खूब वायरल हो रहा है, जिसमें वे ट्रक पर चढ़ते, ट्रक की सवारी करते दिख रहे हैं और उसके बाद ट्रक वालों से बातचीत करते नज़र आ रहे हैं। दरअसल राहुल गांधी अपने परिवार के पास शिमला जा रहे थे। लेकिन इसके लिए सीधे कार से न जाकर, उन्होंने अंबाला से चंडीगढ़ तक का सफर ट्रक से तय किया। अभी कर्नाटक चुनाव में राहुल गांधी ने लोकल बस में सवारी की थी, जिसमें आम महिलाओं से बातचीत कर उनकी वास्तविक स्थिति के बारे में जाना था। कर्नाटक में उन्होंने डिलीवरी करने वाले शख़्स के साथ स्कूटी की सवारी की थी। चुनाव से पहले श्री गांधी जब दिल्ली में थे, तो वे एक दिन मुखर्जी नगर इलाके में पहुंच गए, जहां प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले विद्यार्थी बड़ी संख्या में रहते हैं। राहुल गांधी ने उन लोगों के बीच बैठकर उनसे बातें कीं। इसके कुछ दिन बाद वे दिल्ली विश्वविद्यालय के हॉस्टल पहुंच गए, और वहां छात्रों के साथ दोपहर का भोजन करते हुए उनकी समस्याओं और भावी तैयारियों के बारे में जानकारी ली। दिल्ली विश्वविद्यालय ने इस पर राहुल गांधी को नोटिस भेजकर अपनी आपत्ति भी जतलाई और इसे अनाधिकार प्रवेश करार दिया। कर्नाटक की बस यात्रा में भी कुछ लोगों ने इस बात पर ही आपत्ति जतलाई थी कि राहुल गांधी महिलाओं के लिए आरक्षित सीट पर क्यों बैठे। अच्छा है कि महिलाओं के हक के बारे में इतना सोचने वाले लोग हैं, अन्यथा कभी बस पर, कभी सड़क पर, कभी घर या दफ्तर पर रोजाना महिलाओं के सम्मान और अधिकारों पर चोट होती है और कहीं कोई उफ़् भी नहीं निकलती ।दिल्ली के जंतर-मंतर पर ही महिला पहलवान न्याय के लिए महीने भर से बैठी हैं, राहुल गांधी ने उनके समर्थन में ऐसी तत्परता नहीं दिखाई उल्टे महिलाओं के आरक्षित सीट पर बैठकर चमचों की वाहवाही का मामला बना बैठे । बहरहाल, राहुल गांधी ने इस बार ट्रक की सवारी कर फिर से नए सियासी रास्ते खोल दिए हैं। देश के लोग राजनेताओं को लालबत्ती वाली गाडियों, प्राइवेट विमानों, हेलीकॉप्टरों में देखने के आदी हो चुके हैं। कोई राजनेता वीआईपी संस्कृति दूर करने का ऐलान करता भी है, तो भी उसमें पूरा तामझाम नज़र आ जाता है। प्रधानमंत्री के रोड शो ही याद कर लें, जिसमें करोड़ों रुपए फूंक दिए जाते हैं, सिर्फ इसलिए कि एक व्यक्ति की जय-जयकार होती रही, उस पर फूलों की बौछार होती रहे। कई बार भ्रम हो जाता है कि हम लोकतंत्र में जी रहे हैं या राजशाही में। अभी बतौर विपक्ष मोदी जी के विदेश दौरे पर हैं, तो वहां भी उनके कार्यक्रमों को भव्य बनाने के लिए बेतहाशा ख़र्च हो रहा है।

'सत्यप्रेम की कथा' 29 जून को रिलीज होगी

कार्तिक आर्यन और कियारा आडवाणी स्टारर साजिद नाडियाडवाला और नम: पिक्चर्स की नवीनतम फिल्म 'सत्यप्रेम की कथा' 29 जून को देश के सभी सिनेमाघरों में रिलीज होगी। 'सत्यप्रेम की कथा' का बहुप्रतीक्षित टीजर पिछले दिनों रिलीज कर दिया गया है।निर्माताओं ने वास्तव में टीजर के साथ सिनेदर्शकों के लिए एक बड़ा सरप्राइज दिया है, ये फिल्म कार्तिक आर्यन और कियारा आडवाणी की एक खूबसूरत मार्मिक प्रेम कहानी है, जिसके माध्यम से पर्दे पर रोमांस को नए अंदाज में परिभाषित करने के लिए दोनों एक साथ ब्लॉकबस्टर 'भूल भुलैया 2' के बाद दूसरी बार वापस आ रहे हैं। समीर विद्वांस द्वारा निर्देशित इस फिल्म के स्टार कास्ट में सुप्रिया पाठक कपूर, गजराज राव, सिद्धार्थ रंधेरिया, अनुराधा पटेल, राजपाल यादव, निर्मित सावंत और शिखा तलसानिया शामिल हैं।

प्रस्तुतिः काली दास पाण्डेय

सुनिए जी ! काली कमाई को गुलाबी करने के दिन लद्द गए ! अब बैंक के चक्के लगाईएगा

गोंदिया। भारत में 8 नवंबर 2016 को हैरानी भरा वह पल जब देर शाम 8 बजे का समय सारे देश को याद रहेगा जब 1000 और 500 रुपए का नोट बैन की घोषणा पीएम महोदय द्वारा की गई तो वित्तीय क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल महसूस किया गया था।अब19 मई 2023 की तारीख भी याद ही रहेगी। वो इसलिए क्योंकि भारतीय रिजर्व बैंक ने सबसे बड़ी करेंसी 2000 के नोट को सर्कुलेशन से बाहर करने का ऐलान किया है था हालांकि, ये लीगल टेंडर में बना रहेगा।रिजर्व बैंक के अनुसार, 23 मई से 30 सितंबर के 2000 के नोटों को बैंक में जाकर बदलवाया जा सकता है। एक समय में नोट बदलने की सीमा 20, हज़ार रुपये है। लेकिन तीन साल से 2 हज़ार के नोट छप नहीं रहे थे, इस वजह से इसका सर्कुलेशन कम हो गया था। सूत्रों का कहना है कि 2 हज़ार के नोट वापस लेने का फैसला जाली नोटों पर लगाम लगाने के लिए लिया गया है। ब्लैक मनी के मार्केट को टारगेट करने के लिए ऑपरेशन क्लीन पॉलिसी के तहत ये फैसला लिया गया है।अब चूंकि आज 23 मई 2023 सुबह से ही बैंकों में गुलाबी लेकर कतारों में लोग दिखाई दे रहे हैं, ए अनुमानत: यह नजारा सारे देश में चालू होगा।जब 19 मई 2023 को शाम घोषणा हुई थी जो एक घंटे के अंतराल में ही बाजारों में गुलाबी करेंसी का सरकुलेशन शुरू हो गया था। सोशल मीडिया में प्रतिष्ठानों के मैसेजेस आना शुरू हो गए थे के 2 हज़ार के नोटों को उधारी चुकाने में स्वीकार किया जाएगा, तो ज्वेलरी मार्केट में 2 हजार के नोट तेजी से सर्कुलेट होने लग गए थे परंतु खाद्य पदार्थों की वस्तुओं की दुकानों में यह नोट 19 मई रात्रि से ही लेने से इनकार कर दिया गया था तो कुछ आंशिक मात्रा में ले रहे थेहालांकि इसपर लीगल टेंडर शुरू है।इसपर 20 मई 2023 को एक क्लैरिफिकेशन भी जारी किया गया, कुछ बातें समझाई गई, परंतु विपक्षी नेताओं के हमले और आम जनता के कन्फ्यूजन को ध्यान में रखते हुए आरबीआई गवर्नर को 22 मई 2023 को देर शाम सामने आकर वक्तव्य देना पड़ा। किंतु आज 23 मई को बैंकों में गुलाबीमय का वातावरण दिख रहाहै क्योंकि इस गुलाबीमय माया में अनेकों कन्फ्यूजन पैदा हो रहे हैं इसीलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,हर नगरी के बैंकों में गुलाबी भुनाना शुरू। परंतु भ्रष्टाचार का मुख्य जरिया बड़े नोट, नदी लेन-देन होता है,परंतु बिना आई कार्ड और पैसा जमा करने की पर्ची भरे 20 हज़ार तक के नोट बदलना समझ से परे है।

उन्होंने कहा कि नोट बदलवाने के लिए बैंक की ओर से पर्याप्त समय दिया गया है। साथ ही किसी भी दुकान पर जाकर उस नोट से आसानी से सामान भी खरीद सकते हैं क्योंकि कोई भी दुकानदार इस नोट को लेने से मना नहीं कर सकता। वहीं आरबीआई गवर्नर ने नोट बदलने की प्रक्रिया और नोट एक्सचेंज लिमिट को लेकर कहा है कि जिन लोगों के पास बैंक खाता नहीं है आरबीआई ने उन्हें एक बार में 2000 रुपये के 10 नोट बदलवाने की अनुमति दी है। इसका मतलब है कि एक बार में नोट बदलवाने की लिमिट 20, हज़ार रुपये है।वहीं, जिनके पास इससे अधिक संख्या में 2000 रुपये के नोट हैं, वे उन्हें अपने बैंक अकाउंट में जमा करा सकते हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि आरबीआई 2000 रुपये के नोटों को चलन से वापस ले रहा है लेकिन वे वैध मुद्रा यानी लीगल टेंडर के रूप में जारी हैं। उन्होंने कहा कि आरबीआई बैंक नोटों के आदान-प्रदान के संबंध में लोगों को होने वाली कठिनाइयों के प्रति संवेदनशील होगा। आज जारी एक सर्कुलर में, आरबीआई ने कहा है कि बैंकों को गर्मी के मौसम को देखते हुए पर्याप्त छायादार प्रतीक्षालय और पीने के पानी की व्यवस्था करनी चाहिए। सर्कुलर में आरबीआई ने उल्लेख किया है कि काउंटर पर 2000 रुपये के बैंक नोटों के आदान प्रदान की सुविधा जनता को सामान्य तरीके से प्रदान की जाएगी। इस बार आरबीआई ने साफ किया है, 2000 रुपये के नोट को वापस लेने के निर्णय को आप नोटबंदी न समझें। लोग इस 2000 रुपये के नोट को बाजार में चला सकते हैं। इससे सामान खरीद सकते हैं। किसी के साथ लेन-देन कर सकते हैं। यह पूरी तरह से वैध हैं। 30 सितंबर तक कोई इसे लेने से मना नहीं कर सकता है। इस तारीख से पहले आपको यह नोट अपने बैंक खाते में जमा करना होगा या किसी दूसरी बैंक में जमा करना होगा।लीगल टेंडर सिर्फ 30 सितंबर का है परंतु ऐसा हमने नहीं कहा है कि समाप्ति के बाद भी नोट लेंगे तो तारीख क्यों दी है? तो उन्होंने कहा टाइम लिमिटेशन का इसीलिए फैसला किया है ताकि हमने जो अनाउंसमेंट किया है उसको सीरियस ले लिया जाए किसी भी प्रोसेस में एक डेट नहीं देते, अगर ऐसे ही खुला छोड़ देते हैं फिर उसे सीरियसली नहीं लिया जाता, इसीलिए हमने डेट दिए जाने की ज़रूरत पड़ी।नोटबंदी के फैसले को सही बताते हुए सत्ताधारी पार्टी के नेता ने कहा कि यह काले धन पर दूसरी सर्जिकल स्ट्राइक है। उत्तराखंड के सीएम ने कहा कि किसी को भी परेशान होने की जरूरत नहीं है, इस तरह के निर्णय राष्ट्रहित में होते हैं। जबकि विपक्षी नेताओं ने इसे मनमाना और दुरुपयोग करने लायक बताया जनता को परेशानी में डालने और गर्मी के समय में इस प्रकार की जनता को तकलीफ देने पर सवालिया निशान लगाए।साथियों बात अगर हम दिनांक 22 मई 2023 को दिल्ली हाईकोर्ट में एक प्रसिद्ध वकील द्वारा जनहित याचिका दाखिल करने की करें तो, इस याचिका में मांग की गई है कि बिना पैसे जमा करने की पर्ची और आई कार्ड (पहचान प्रमाण) के 2000 रुपये के नोट को बदलने की अनुमति के नहीं मिलनी चाहिए। साथ ही याचिकाकर्ता ने मांग की है कि नोट को व्यक्ति के संबंधित बैंक खाते में ही जमा किया जाना चाहिए। अपनी याचिका में तर्क दिया कि इस संबंध में आरबीआई और एसबीआई द्वाराअधिसूचनाएं मनमाना, तर्कहीन और भारत के संविधान के अनुच्छेद 14 का उल्लंघन करती हैं। याचिका में इस बात पर प्रकाश डाला गया है ।

एडवोकेट किशन सनमुख़दास भावनानी

अपनी समस्या हमें बतायें

आपके साथ या आपके आस-पास कोई घटना, दुर्घटना, भ्रष्टाचार, जुर्म हुआ है या उत्पीड़न हुआ है अथवा आपके क्षेत्र की समस्या है और आपकी समस्या जायज है तो आपकी समस्याओं के समाधान हेतु सम्बन्धित उच्च अधिकारियों एवं शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के लिये बी पी एस न्यूज आपके साथ है। आपकी खबर शत् प्रतिशत प्रकाशित की जायेगी। एवं आपका नाम व नम्बर आपके अनुसार प्रकाशित या पूर्णतया गुप्त रखा जायेगा।

दिये गये नम्बर पर काल करें या हमें ई मेल करें।

फोन नं.- 9335908846, bps.knp786@gmail.com

आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहकों/विज्ञापनदाताओं को सूचित किया जाता है कि बी.पी.एस. न्यूज समाचार पत्र में नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। कृपया चेक/डी.डी. बी पी एस न्यूज के नाम से ही चेक आदि भेजें। नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। नगद भुगतान करने पर विज्ञापनदाता स्वयं जिम्मेदार होंगे।

-सम्पादक

आवश्यकता है

बी पी एस न्यूज राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक, साप्ताहिक समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) के लिये समस्त तहसीलों एवं ज़्लाक स्तर पर ज़्यूरो चीफ, संवाददाताओं, छायाकार तथा विज्ञापन प्रतिनिधियों युवक-युवतियों की आवश्यकता है।

सम्पर्क करें -:

मो.: 8423454502, 9335908846

email:bps.knp786@gmail.com

हिस्ट्रीशीटर की गोली मारकर हत्या. फोन करके घर से बुलाया और झोंके कई राउंड फायर

वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार,पुलिस ने दी ताबड़तोड़ दबिशें

नगर संवाददाता

कानपुर। कानपुर जेल में बंद सपा विधायक इरफान सोलंकी के करीबी पूर्व पार्षद मन्नू रहमान के भांजे परेड निवासी मो.सैफ उर्फ भोलू उर्फ जबर को शुक्रवार देर रात गोली मार दी गई। वारदात मूलगंज के चौबेगोला में हुई। गोली मारने वाले की पहचान परेड के रहने वाले सलमान कांना के रूप में हुई है। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस ने हिस्ट्रीशीटर को हैलट अस्पताल में भर्ती कराया है। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस और फोरेंसिक टीम ने मौके से अहम साक्ष्य जुटाए हैं।

नवाब इब्राहिम का हाता अस्पताल रोड परेड निवासी मोहम्मद सैफ उर्फ जबर (37) हिस्ट्रीशीटर था। वह जुआ, सट्?टा, चंद्रेश्वर हाता के मर्डर केस और मादक पदार्थ की तस्करी समेत अन्य मामलों में जेल में बंद था। 10 दिन पहले ही जमानत पर जेल से बाहर आया था। मूलगंज थाना प्रभारी अनूप कुमार सिंह ने बताया, मोहम्मद सैफ का लेनदेन को लेकर शुक्रवार दोपहर को साथी सलमान काना से विवाद हुआ था।

पुलिस ने बताया, शुक्रवार रात 10:30 बजे सलमान काना ने सैफ को फोन किया और उसे फैजान इंटर कॉलेज के पास मिलने के लिए बुलाया। सैफ के पहुंचते ही सलमान काना, उसके साथी आतिफ इलाही और अन्य ने गाली-गलौज शुरू कर दी। जब तक सैफ कुछ समझ पाता, सलमान काना ने ताबड़तोड़ कई राउंड गोलियां दागी। सैफ के पेट में गोली लगने से वह वहीं गिर पड़ा। वारदात के बाद बदमाश मौके से फरार हो गया। आस-पास के लोगों की सूचना पर मूलगंज थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। आनन-फानन में सैफ को हैलट अस्पताल में भर्ती कराया और घरवालों को सूचना दी। शनिवार सुबह हैलट के डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर सैफ के पिता मोहम्मद शफीक, पत्नी फातिमा, बेटा अरमान और श्याम समेत परिवार के कई लोग हॉस्पिटल पहुंचे। पिता शफीक ने बताया, शातिर अपराधी चौबेगोला निवासी सलमान काना और बेकनगंज निवासी आतिफ इलाही और उसके गुंडों ने बेटे की हत्या की है। पुलिस और क्राइम ब्रांच की टीम गोली मारने वाले अपराधियों की तलाश में ताबड़तोड़ दबिशें दे रही है।

अपराधियों पर ऐसी कार्रवाई हो कि कोई दोबारा विकास दुबे और अतीक न बन पाएं : डॉ. विश्वकर्मा

बीपीएस न्यूज

कानपुर। ऐसे अपराधी जो बार-बार अपराध करते हुए पकड़े जा रहे हैं। उन पर तत्काल ऐसी कार्रवाई की जाए कि वह विकास दुबे या अतीक अहमद न बन सके। डीजीपी ने बताया कि प्रदेश में हत्या, लूट, डकैती आदि गंभीर अपराधों में काफी कमी आई है। लेकिन साइबर क्राइम से जुड़े अपराध तेजी के साथ बढ़े हैं। गुरुवार को डीजीपी डा. आरके विश्वकर्मा और डीजी लॉ एंड ऑर्डर प्रशांत कुमार कुमार ने कानपुर की कानून व्यवस्था की समीक्षा की ।पुलिस लाइन स्थित सभागार में कमिश्नरेट जोन के एसीपी और एडीसीपी व कानपुर रेंज के 5 जिले के एसपी व कई एडीजी के साथ बैठक की।

डीजीपी ने बताया कि उत्तर प्रदेश में लगातार टूरिस्टों की संख्या बढ़ रही है। इनमें सबसे ज्यादा अयोध्या, मथुरा और काशी में सुरक्षा को लेकर के मुख्यमंत्री के द्वारा विशेष निर्देश जारी किए गए हैं। इन स्थलों पर अयोध्या के लिए 36 करोड़ रुपए का बजट पास किया है। इनमें सीसीटीवी, कमांड सेंटर, वाच टॉवर्स का इंतजाम किया जा रहा है ।इसके अलावा मथुरा और काशी में भी सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं। क्योंकि यूपी में आने वाले टूरिस्टों में सबसे अधिक साउथ इंडियन पहुंच रहे हैं। इसके अलावा दिल्ली, हरियाणा से भी टूरिस्ट आ रहे हैं। उनकी सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए इसके लिए निर्देशित किया गया है। डीजीपी ने बताया कि प्रदेश के तकरीबन 1500 पुलिस स्टेशन में सीसीटीवी लगाए जाने का काम किया जा रहा है। इसका उद्देश्य है कि जन सुनवाई के दौरान पहुंचने वाले लोगों के साथ पुलिस का व्यवहार ठीक रहे। लोगों की सुनवाई समय से पूरी हो। साथ ही महिलाओं और बच्चों के साथ सुनवाई के दौरान बेहतर व्यवहार किया जाए।

डीजीपी ने कहा कि हमारी प्राथमिकता है कि प्रदेश में बेटियों और बच्चियों के साथ शिकायत, जन सुनवाई के दौरान अच्छा व्यवहार किया जाए। आवश्यकता होने पर तत्काल स्न्ब्क्र दर्ज की जाए। इसके लिए सबसे बड़ी गर्व की बात यह है कि पिछले 5 सालों में उत्तर प्रदेश पुलिस में 36,000 महिला कॉन्स्टेबल की भर्ती की गई है। अनुमान की बात की जाए तो हर थाने में एवरेज 10 महिला कांस्टेबल की तैनाती हैं। इससे प्रदेश में महिलाओं की सुरक्षा को सुनिश्चित करने का काम किया जा रहा है।

आंखों में मिर्च डालकर सेल्समैन से लूट

बीपीएस न्यूज

कानपुर। लोहा कारोबारी संजय गौड़ की सरेशाम लूट के दौरान हत्या की घटना का अभी खुलासा भी नहीं हुआ था कि बदमाशों ने फिर से लूट की घटना को अंजाम दे दिया। खास बात यह रही जिस समय लूट हुई उस समय अफसर मुख्यमंत्री आगमन की तैयारियों में जुटे थे। बावजूद इसके बदमाश वारदात को अंजाम देकर भाग निकले। बदमाशों ने चिली स्प्रे डालकर गैस एजेंसी के सेल्समैन से रुपए भरा बैग छीन लिया। सूचना पर चकेरी थाने की पुलिस मौके पर जांच करने पहुंची। आसपास के लोगों और सीसीटीवी फुटेज के जरिए लूट की वारदात कैसे हुई और लुटेरों की शिनाख्त करने का प्रयास किया जा रहा है। चकेरी थाना प्रभारी रत्नेश सिंह ने बताया कि इलाके की अजय गैस एजेंसी के सेल्समैन ने लूट की सूचना दी है। बताया जा रहा है कि आंख में चिली स्प्रे या मिर्च जैसा कुछ डालकर लूट की वारदात को अंजाम दिया गया है। सूचना मिलते ही चकेरी थाने का फोर्स मौके पर भेज दिया गया है। मौके पर सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है। इसके साथ ही पीड़ित से लुटेरों का हुलिया और बाइक समेत अन्य जानकारी ली जा रही है। तहरीर के आधार पर मामले में एफआईआर दर्ज की जाएगी। पूछताछ में कितने की लूट हुई सेल्समैन ने यह नहीं बताया है। आसपास के लोगों से भी पूछताछ की जा रही है।

जलशक्ति मंत्री ने किया सीवेज ट्रीटमेंट प्लांटों का निरीक्षण, दिए निर्देश

बीपीएस न्यूज

कानपुर। जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने जाजमऊ कैंपस में स्थित सीवेज ट्रीटमेंट प्लांटों (एस.टी.पी.) का निरीक्षण किया गया ।निरीक्षण में सर्वप्रथम कानपुर नगर के सीवेज मैनेजमेंट के बारे में जानकारी मांगी गई ।परियोजना प्रबंधक ज्ञानेंद्र चौधरी द्वारा सभी एस. टी.पी. के बारे विस्तार से अवगत कराया गया। इसके पश्चात् मंत्री द्वारा जाजमऊ के 130 तथा 43 एम. एल. डी. एस. टी.पी. का स्थलीय निरीक्षण किया गया। एस. टी.पी. के इनलेट से ट्रीटेड एफल्यूंट तक सभी इकाइयों का गहनता से जानकारी मांगी गई। निरीक्षण के दौरान एस. टी.पी. से निकलने वाला ट्रीटेड एफल्यूएंट भी देखा गया। जो संतोषजनक पाया गया 130 एम. एल. डी. एस. टी.पी. के नए क्लोरिनेशन सिस्टम तथा ट्रीटेड एफल्यूंट पंप हाउस के निर्माण एवम अवशेष नवीनीकरण कार्य की धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त की गई। संबंधित फर्म के परियोजना प्रबंधक को 2 माह में समस्त कार्य पूर्ण करने के लिए निर्देशित भी किए। एनएमसीजी तथा जटेटा द्वारा संयुक्त रूप से वित्तपोषित 20 एम. एल. डी. सीईटीपी के निर्माण के बारे में (जाजमऊ टेनरी एफल्यूएंट ट्रीटमेंट एसोसिएशन) के निदेशक रिजवान नादरी से दूरभाष पर जानकारी ली गई। जल शक्ति मंत्री ने एसटीपी के निरीक्षण के पश्चात इसके 15 कि.मी. लंबे इरिगेशन चैनल का भी निरीक्षण किया ।

मानकों को धता बताकर युद्ध स्तर पर डाले जा रहे हैं अंडरग्राउंड केबल

कानपुर। अंडर ग्राउंड बिजली के डाले जा रहे तारों को लेकर सुजातगंज के पार्षद ने एस डी ओ। डी के अग्रवाल के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है आज पार्षद पुत्र नफीस अहमद ने खोदे गए गड्ढे के मानकों को जब मांगा तो एस डी ओ बगले झांकने लगे उन्होंने कहा कि या सरकारी काम हो रहा है मगर मानकों के कागजों को नहीं दिखा सके बता दें जब भी कोई सरकारी कार्य कराए जाते हैं तो मानको का एक बोर्ड लगाकर उन कार्यों का विवरण लिखा जाता है लेकिन बिना किसी पूर्व सूचना के वार्ड 99 के अंतर्गत केबिल डाले जाने का कार्य युद्ध स्तर पर जारी है एस डी ओ डी के अग्रवाल से बात की गई तो उन्होंने बताया कि या कार्य प्राइवेट कंपनियों द्वारा कराया जा रहा है जो कि केंद्र सरकार से संबंधित है उन्होंने अपने या केस्को द्वारा कराये जाने से पल्ला झाड़ लिया लेकिन यह जरूर कहा कि अंत में क्षेत्रीय रिपोर्ट मेरे द्वारा ही मांगी जाएगी

गड्ढे खोदे जाने से पाइपलाइन व अन्य पड़े जमीन में लाइनों से क्षेत्रीय जनता को परेशानियां हो रही है जिससे ठेकेदार अपनी मनमानी कर रहे हैं और सरकारी कार्य बता रहे हैं ।

शिक्षक ने छात्रा को बेरहमी से पीटा, एनसीआर दर्ज

कानपुर। शहर में बिधनू में एक निजी स्कूल के टीचर ने कक्षा तीन में पढ़ने वाली छात्रा को बेरहमी से पीटा। छात्रा ने घर पहुंचकर परिजनों को आपबीती बताई। परिजनों ने थाने पहुंचकर पुलिस से टीचर के खिलाफ शिकायत की है। पुलिस ने एनसीआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है ।बिधनू थाना क्षेत्र के मिर्जापुर गांव निवासी दारा सिंह ने बिधनू थाने पहुंचकर पुलिस को तहरीर देकर बताया कि मेरी बेटी सात वर्षीय तान्या कक्षा तीन की छात्रा है। वह मझावन स्थित भारती विद्या निकेतन में पढ़ती है। रोज की तरह उनकी बेटी कल स्कूल गई थी। जहां पर टीचर अनिल गुप्ता ने छात्रा तान्या को बेरहमी से पीट दिया। स्कूल से घर वापस लौटी छात्रा ने परिजनों से आपबीती बताई। जिसके बाद परिजनों ने थाने पहुंचकर पुलिस से मामले की शिकायत की है। पुलिस ने छात्रा के पिता की तहरीर पर टीचर अनिल गुप्ता के खिलाफ एनसीआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू की है। बिधनू थाना प्रभारी सतीश चंद्र राठौर ने बताया कि एनसीआर दर्ज कर घटना की जांच की जा रही है। जांच के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

पुरुष नसबंदी अपना कर खुशहाल हुए 10 परिवार

• मिसाल बनीं आशा कार्यकर्ता नीलम सिंह और आशा संगिनी विजय लक्ष्मी

बीपीएस न्यूज

कानपुर। पुरुष नसबंदी से न ही शारीरिक कमज़ोरी आती है और न ही पुरुषत्व का क्षय होता है। दंपति जब भी चाहे इसे अपना सकते हैं। रोज के काम काज पर कोई भी प्रभाव नहीं पड़ता है। पुरुष नसबंदी के बाद शरीर में कोई भी बदलाव नहीं होता है। कुछ ऐसा ही सन्देश देकर जिले के बिल्हौर ब्लॉक क्षेत्र की आशा कार्यकर्ता नीलम सिंह और आशा संगिनी विजय लक्ष्मी पुरुष नसबंदी के क्षेत्र में मिसाल बन चुकी हैं। वित्तीय वर्ष 2022-23 में सर्वाधिक पुरुष नसबंदी करवाकर सम्मानित हुई हैं। इन दोनों कार्यकर्ताओं ने कुल 10 पुरुष नसबंदी करवाई हैं। ब्लॉक के अनई गांव की आशा कार्यकर्ता 38 वर्षीय नीलम सिंह बताती हैं कि वर्ष 2015 में उन्होंने योगदान देना शुरू किया। उनके घर में एक बेटा और बेटी है। नीलम का कहना है कि पुरुष नसबंदी के लिए योग्य दंपति की पहचान बहुत आवश्यक है। 55 वर्षीय आशा संगिनी विजय लक्ष्मी ने बताया कि वर्ष 2006 में आशा कार्यकर्ता के रूप में चयन हुआ था। उनके बेहतर कार्यों को देखते हुए 2013 में आशा संगिनी के पद पर तैनात किया गया। उनका कहना है कि लोगों ने यह मान लिया था कि परिवार नियोजन की जिम्मेदारी सिर्फ महिलाओं की है। पुरुष नसबंदी की कोई बात नहीं करना चाहता। उन्होंने इस भ्रांति को तोड़ने तथा लड़का-लड़की में भेदभाव न करते हुए सर्वप्रथम अपने पति की नसबंदी कराकर नजीर पेश की। उन्होंने बताया कि जिस परिवार में दो बच्चे हो जाते हैं, वह उस परिवार के पुरुष से पहले बात करती हैं। सबसे पहले उन्हें बताती हैं कि पत्नी के स्वास्थ्य व सुखी जीवन के लिए परिवार नियोजन जरूरी है। महिला की अपेक्षा पुरुष नसबंदी काफी सुरक्षित व सरल है। शारीरिक रूप से इसका कोई दुष्प्रभाव नहीं पड़ता है। उनके पति ने भी नसबंदी कराई है। उनकी इन बातों का असर ज्यादातर पुरुषों पर पड़ रहा है ।झिझक की दूर दो बच्चों के बाद पुरुष नसबंदी करवाने वाले 32 वर्षीय विनायक साहू का कहना है कि उनके दो बच्चे हैं। छोटा बच्चा दो साल का है। वह मजदूरी करते हैं। आशा व संगिनी दीदी के समझाने के बाद उन्हें छोटे परिवार का महत्व समझ में आया। झिझक इस बात को लेकर थी कि नसबंदी के बाद शरीर कमजोर हो जाएगी। मजदूरी नहीं कर पाएंगे तो परिवार का खर्च कैसे चलेगा। आशा ने समझाया कि यह सब भ्रम है। सरल और सुरक्षित है पुरुष नसबंदी, चिकित्सक की सलाह भी जरूरी बिल्हौर सीएचसी के अधीक्षक डॉ दिलीप सिंह का कहना है कि पुरुष नसबंदी चंद मिनट में होने वाली आसान शल्य क्रिया है। यह 99.5 फीसदी सफल है। इससे यौन क्षमता पर कोई प्रतिकूल असर नहीं पड़ता है।

ग्लोबल एजुकेशन फेयर का आयोजन

बीपीएस न्यूज

कानपुर। एईसी-एब्रोड एजुकेशन कंसल्टेंट्स 28 मई, को द होटल लैंडमार्क, कानपुर में एक वैश्विक शिक्षा मेला आयोजित हुआ। यूएस, यूके, आयरलैंड, कनाडा, दुबई, ऑस्ट्रेलिया और सिंगापुर के 500+ प्रसिद्ध विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधि इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगे ।इस आयोजन के बारे में मीडिया को विस्तार से जानकारी देने के लिए शुक्रवार को एईसी कार्यालय परिसर 16/80 सिविल आईन्स भारतीय स्टेट बैंक प्रधान कार्यालय के पीछे एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई ।प्रेस कॉन्फेस को निदेशक कानपुर कार्यालय अंजलि अग्रवाल, अनूपा चक्रवर्ती परीक्षा सेवाओं की प्रमुख कृति चड्ढा छात्र संबंध प्रबंधक और दिव्याश लांबा व्यवसाय विकास ने संबोधित किया ।श्रीमती अग्रवाल ने बताया कि विवि के प्रतिनिधि छात्रों और उनके अभिभावकों से बातचीत करेंगे और प्रवेश आवश्यकताओं, ट्यूशन फीस छात्रवृत्ति रहने की लागत बुनियादी ढांचे और विदेशों में उपलब्ध पाठ्येतर सुविधाओं के बारे में बहुमूल्य जानकारी देंगे। प्रतिष्ठित पाक कला स्कूल ले कॉर्डन ब्ल्यू ट्रिनिटी कॉलेज डबलिन, दुबई, मलेशिया और यूके से हैरियट वाट विश्वविद्यालय, कापलान क्यूए समूह कैम्ब्रिज शिक्षा समूह, संयुक्त राज्य अमेरिका से आईएनटीओ शिक्षा, सिंगापुर से सिम और जेसीयू, पोर्ट्समाउथ विश्वविद्यालय सेंट्रल लंकाशायर विश्वविद्यालय यूनिवर्सिटी ऑफ लीड्स यूनिवर्सिटी ऑफ सरे, यूनिवर्सिटी ऑफ वेस्ट ऑफ स्कॉटलैंड क्वीन मैरी यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन, यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थम्प्टन कोवेंट्री यूनिवर्सिटी, नॉर्थ उम्बिया यूनिवर्सिटी लंदन, उल्सेटर यूनिवर्सिटी लंदन आदि यूके से और कनाडा से यूनिवर्सिटी ऑफ निपिसिंग इस अवसर की शोभा बढ़ाने वाले कुछ शीर्ष संस्थान होंगे।

विस्फोट से उड़ गया आतिशबाज का मकान, 300 मीटर दूर तक गिरा मलबा, परिजन बोले- किचन में रखा सिलेंडर फटा

कन्नौज । कन्नौज जिले में जेरीकला मोहल्ले में एक आतिशबाज का मकान संदिग्ध हालत में हुए विस्फोट में उड़ गया। मकान की छत और टीन शेड 300 मीटर दूर तक जाकर गिरा। आसपास के आधा दर्जन मकान भी क्षतिग्रस्त हो गए। पड़ोसी के मकान को भी काफी नुकसान पहुंचा ।गनीमत रही कि हादसे के दौरान परिवार के लोग घर के दूसरे हिस्से में थे। इससे किसी को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। आतिशबाज का परिवार इसे रसोई में रखे सिलेंड के फटने से हादसा बता रहा है। पुलिस इसे घर में रखे विस्फोटक सामग्री में आग लगने से हादसा मान रही है ।मौके पर पहुंची पुलिस और फॉरेंसिक टीम मामले की पड़ताल कर रही है। बताया जा रहा है कि सदर कोतवाली के तहत शहर के जेरकिला मोहल्ले में रहने वाले मोहम्मद अरशद आतिशबाजी के कारोबार से जुड़े हैं। घर के अलग-अलग हिस्सों में उनके तीन भाई अपने-अपने परिवार के साथ रहते हैं ।अरशद के मकान के हिस्से में आंगन के ऊपर टीन शेड रखकर उसे रसोई बनाया गया है। बताया जा रहा है कि शुक्रवार को जुमा की नमाज के लिए अरशद और उसके दूसरे भाई जुमा की नमाज पढ़ने के लिए गए थे। घर में महिलाएं थीं। दोपहर में करीब डेढ़ से दो बजे के बीच अचानक तेज विस्फोट हुआ ।एक के बाद एक करके तीन से चार बार तेज धमाका हुआ। धमाके की आवाज दो किलोमीटर दूर तक सुनाई पड़ी। पहले तो कोई कुछ समझ नहीं सका। तब तक अरशद के मकान के ऊपरी कमरा मलबा में तब्दील हो गया। आसपास के लोगों में चीख पुकार मच गई ।आस पड़ोस के करीब आधा दर्जन मकान की दीवारों में दरारें पड़ गईं। ठीक पड़ोस में रहने वाले लक्ष्मीकांत कुश्वाहा के मकान का काफी हिस्सा भी क्षतिग्रस्त हो गया। देखते ही देखते मौके पर लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा। जानकारी पर पहले सदर कोतवाल अजय अवस्थी अपनी टीम के साथ पहुंचे ।सीओ सदर डॉ. प्रियंका बाजपेई भी दलबल के साथ पहुंचीं और जरूरी जानकारी जुटाई। फोरेंसिक टीम ने भी हादसे वाले मकान में जरूरी साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस तफ्तीश के बाद आगे की कार्रवाई की बात कह रही है। फिलहाल पुलिस विस्फोटक से धमाके की बात मान रही है।

वार्ड ब्याय के वर्चस्व के आगे सीएमएस और विभागध्यक्ष हुए बौने साबित

- डाक्टरों ने भी कई बार प्रकरण को लेकर की थी शिकायत, नजीता रहा सिफर

बीपीएस न्यूज

कानपुर। हैलट जच्चा बचचा अस्पताल में ओटी का वार्ड ब्याय अस्पताल में अपनी सुर्खियों के चलते काफी नामचीन हो गया है। उसके कारनामो की शिकायत करने पर भी विभागध्यक्ष और सीएसएस कागजी खानापूरी कर मामले से पल्ला झाड लेती है। उनके इस रैवेये के चलते वार्ड ब्याय सागर का जलवा कायम है और उच्चाधिकारी बने मुलायम है ।आपको बता दे कि 14 मई ,2023 को दीपिका पत्नी सौरभ सिंह अस्पताल में डा0 रश्मि के देखरेख में भर्ती की गई। डाक्टरो ने दीपिका को आपरेशन के लिए बताया। ओटी से मरीज की दवा लाने का पर्चा सागर ने सौरभ को थमाया गया और उससे कहा कि जन जीवन मेडिकल स्टोर से ही ददवा लाना और किसी भी मेडिकल स्टोर की दवा नही मानी जाएगी। सरकारी अस्पताल में अपने आप को लुटता देख मरीज के तीमारदार पति सौरभ सिंह ने इसकी शिकायत विभागध्यक्ष डा0 नीना गुप्ता ने तुरंत कार्यवाही करने का निर्देश देते हुए प्रार्थना पत्र सीएमएस डा0 रीता गुप्ता को फारवर्ड कर दिया ।,लेकिन शिकायती पत्र मिलने के चार बीत जाने के बाद भी सीएमएस डा0 रीता गुप्ता ने कोई भी कार्यवाही नही की जिससे साफ है कि सागर भईया का जलवा पूरी तरह से कायम है और सीएमएस पडी मुलायम है। इससे पूर्व भी सागर की कई शिकायते की जा चुकी है,लेकिन विभागाध्यक्ष और सीएमएस मिल कर उक्त शिकायतो को दबा देती है जिससे की मामला बाहर प्राचार्य तक न पहुंचे। अब ऐसे में मुख्यमंत्री योगी सरकार द्वारा संचालित योजनाओ के अर्न्तगत गरीब अपना इलाज करा पाने में असमर्थ सा महसूस कर रहा है। अस्पताल परिसर की साजसज्जा कर उसे आधुनिक बनाने का काम तो जोरो पर किया जा रहा है ,लेकिन मानवीय दृष्टिकोण से मानवता का हरण करने में कोई भी कोर कसर नही छोडी जा रही है।

प्रसवकालीन श्वासावरोध से पीड़ित एक नवजात को दिया जीवनदान

कानपुर। बेहद असामान्य और जटिल मामले में नियोनेटल इंटेंसिव केयर यूनिट (एनआईसीयू) के बाल रोग विशेषज्ञों और नियोनेटोलॉजिस्टों ने कानपुर स्थित एक अस्पताल में 34 सप्ताह में समय से पहले पैदा हुए एक बच्चे को नया जीवन दिया। कानपुर में रहने वाले इस दंपति को स्थानीय अस्पताल से पेरिनेटल एस्फिक्सिया (जन्म के समय रोना नहीं) की शिकायत के साथ 60 प्रतिशत के कम ऑक्सीजन स्तर और सांस लेने और जन्म के समय कम वजन (1.8 किग्रा या 1800 ग्राम) के गंभीर समस्याओं से अस्पताल में रेफर किया गया था।

श्वास में अवरोध तब होता है, जब बच्चे के मस्तिष्क और अन्य अंगों को जन्म से पहले, उसके दौरान या जन्म के तुरंत बाद पर्याप्त ऑक्सीजन और पोषक तत्व नहीं मिलते हैं। इसके बारे में अक्सर लोग अनजान ही रहते हैं। नियोनेटोलॉजिस्ट और बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. अंकुर गुप्ता के नेतृत्व में डॉक्टरों की एक टीम ने बच्चे की जांच की और मिरगी-रोधी दवा के साथ 4 दिनों के लिए वेंटिलेटर सपोर्ट दिया ।माता-पिता को बच्चे की स्थिति के बारे में अवगत करा दिया गया और वे वास्तव में सहयोगी थे और बच्चे की स्थिति को समझ रहे थे। समय से पहले पैदा हुए बच्चे को दूध पिलाने के बारे में मां को सिखाया गया। बच्चे को जन्म के 21वें दिन छुट्टी दे दी गई और अब वह शिशु स्वस्थ है।

पशुपालक गर्मी में करें पशुओं हेतु हरे चारे का प्रबंध

बीपीएस न्यूज

कानपुर। आईसीएआर अटारी जोन 3 के वरिष्ठ शोध अध्येता डॉ रामनरेश ने बताया कि दुधारू पशुओं में दूध उत्पादन बनाए रखने एवं विकारों को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक है कि पशुओं को हर मौसम में हरा चारा मिलता रहे। जिससे उनके स्वास्थ्य एवं उत्पादन पर कोई प्रभाव न पड़े। उन्होंने बताया कि पशुओं के रखरखाव में प्राय=60 से 65त्न खर्च पोषण पर ही आता है। उन्होंने बताया कि पशुपालक खेत में वैज्ञानिक फसल चक्र अपनाएं एवं हरे चारे को अधिक से अधिक उत्पादन करें। हरा चारा पशुओं को खिलाने से दूध का उत्पादन बढ़ता है हरे चारे में पशुओं के लिए जरूरी विटामिन का तत्व कैरोटीन काफी मात्रा में होता है। पशुपालक गर्मी के मौसम में ज्वार, मक्का, चरी, बाजरा, लोबिया को उगा कर कम लागत में अधिक उत्पादन ले सकते हैं हरे चारे के लिए पशुपालक दलहनी व अदलहनी वाली फसलों का मिश्रण करके अपने खेतों पर लगाएं। इस प्रकार हरे चारे को पशुओं को खिलाने से पशुओं को विटामिन, कार्बोहाइड्रेट के साथ-साथ प्रोटीन की आपूर्ति भी होती है। उन्होंने बताया कि 15 से 20 किलोग्राम हरा चारा प्रतिदिन खिलाना चाहिए।

दही खाने से पाचन तंत्र होता है, मजबूत : डॉ निमिषा

बीपीएस न्यूज

कानपुर। सीएसए के कुलपति डॉ विजय सिंह के निर्देश के क्रम में कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर की गृह वैज्ञानिक डॉक्टर निमिषा अवस्थी ने गर्मियों में दही का करें सेवन शरीर में कई समस्याओं से मिलता है छुटकारा नामक एडवाइजरी जारी की है उन्होंने कहा कि गर्मियों में दही सेवन अवश्य करना चाहिए। दही खाने से पाचन तंत्र मजबूत होता है। रोजाना दही खाने से पेट की समस्या नहीं होती है और शरीर को भरपूर मात्रा में पोषक तत्व मिलते हैं। जो लोग दूध नहीं पीते, उन्हें दही जरूर खाना चाहिए। दही में कैल्शियम, विटामिन बी-12, विटामिन बी-2, मैग्नीशियम और पोटैशियम जैसे पोषक तत्व होते हैं। अगर दही और चीनी को एक साथ खाया जाए तो इसके कई फायदे होते हैं। गर्मियों में दही और चीनी खाने से पेट स्वस्थ रहता है। दही और चीनी खाने से शरीर को अच्छी मात्रा में ग्लूकोज मिलता है, जिससे तुरंत ऊर्जा मिलती है। दही पचने में भी आसान होता है। दूध की तुलना में दही जल्दी पचता है। नाश्ते में दही या इसके उत्पाद जल्दी पच जाते हैं, दही आपके पेट को भी हल्का रखता है। जिन लोगों को पाचन संबंधी समस्या होती है उन्हें सुबह दही या छाछ का सेवन करना चाहिए ।सुबह दही और शक्कर खाने से पेट ठंडा रहता है। यह सीने में जलन और एसिडिटी को भी कम करता है। चीनी के साथ दही पित्त दोष को कम करता है और आपको पूरे दिन ऊर्जावान रखता है। खाने के बाद दही और चीनी खाने से भी शरीर को फायदा होता है ।दही में अच्छे बैक्टीरिया होते हैं जो पेट के लिए फायदेमंद होते हैं। यह पाचन तंत्र को मजबूत करता है। ये बैक्टीरिया आंतों के लिए भी फायदेमंद होते हैं। दही और चीनी खाने से रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है। दही में मौजूद अच्छे बैक्टीरिया कोलन कैंसर से भी बचाते हैं ।सुबह दही चीनी खाने से शरीर को तुरंत ग्लूकोज मिलता है। दही और चीनी खाने से आप दिन भर एक्टिव रहते हैं। ग्लूकोज आपके मस्तिष्क और शरीर को तत्काल ऊर्जा प्रदान करता है इसलिए जब आप दही खाकर घर से बाहर निकलते हैं तो आप दिन भर एनर्जेटिक रहते हैं ।दही में हृदय रोग, हाई बीपी और किडनी की बीमारियों से बचाव की जबरदस्त शक्ति होती है। यह कोलेस्ट्रॉल को बढ़ने से रोकता है और हृदय गति को उचित बनाए रखता है। दही हृदय में कोरोनरी धमनी रोग को रोक सकता है। दही कैल्शियम से भरपूर होता है, जो हड्डियों के लिए बहुत फायदेमंद होता है। दही खाने से दांत मजबूत होते हैं। दही खाने से मांसपेशियां ठीक से काम करती हैं।

गंगा नहाने गए छह दोस्त डूबे, दो की मौत और चार गंभीर, परिजनों का पोस्टमार्टम से इनकार

बीपीएस न्यूज

कानपुर । कानपुर में जाजमऊ के सिद्धनाथ घाट में शुक्रवार की दोपहर को गंगा नहाने छह बच्चे गए थे। तेज बहाव और गहराई की वजह से अचानक बच्चे डूबने लगे। वहां मौजूद गोताखोरों की जब नजर पड़ी, तो बच्चों को बाहर निकाला। इसमें दो बच्चों के शव मिले बाकी चार बच्चों को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती किया गया।घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने सभी के परिजनों को सूचित किया। वहीं मृतकों के परिजनों को घटना की जानकारी मिलते ही चीख-पुकार मच गई। जानकारी के अनुसार, चकेरी सफीपुर प्रथम निवासी अजय कुमार का बेटा शिवा सिंह (14) कक्षा नौ का छात्र था।इलाके के सर्वेंद्र कुमार का बेटा अदविक उर्फ लक्ष्य (15) हाईस्कूल का छात्र था। दोनों इलाके के सुशील के बेटे रितिक पांडेय (14), संतोष के बेटे निखिल निषाद (14), राजन के बेटे विवेक निषाद(15) और राजाराम के बेटे आर्यन निषाद (15) के साथ सिद्धनाथ घाट नहाने पहुंचे।

आधे घंटे में सभी को बाहर निकाला

यहां पर नहाने के दौरान सभी बीच नदी में जाने से डूबने लगे। शोर सुनकर मौके पर मौजूद गोताखोर सभी को बचाने के लिए नदी में कूदे। गोताखोरों ने करीब आधे घंटे की मशक्कत कर सभी छात्रों को नदी से बाहर निकाला। साथ ही पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी को पास के निजी अस्पताल भेजा।

कांशीराम अस्पताल रेफर किया गया

यहां से शिवा और लक्ष्य को कांशीराम अस्पताल रेफर कर दिया गया, जहां पर डॉक्टर ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। इसके बाद पुलिस ने सभी के परिजनों को सूचना दी। कांशीराम अस्पताल पहुंचे मृतकों के परिजनों का शव देखकर रो-रोकर बुरा हाल हो गया।

परिजनों का पोस्टमार्टम से इनकार

थाना प्रभारी रामबाबू सिंह ने बताया कि सभी किशोर गंगा में नहाने के दौरान डूबने लगे थे। गोताखोरों ने सभी को बाहर निकाला। परिजनों ने मृतका पोस्टमार्टम कराने से मना कर दिया है। लिखित में परिजनों से लेकर शवों को उनके सुपुर्द कर दिया गया है।

भारत गौरव ट्रेन का कानपुर सेंट्रल स्टेशन पर हुआ आगमन

66 श्रद्धालुओं ने कानपुर से पकड़ी भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन , कोलकाता गंगासागर यात्रा भारत गौरव ट्रेन के श्रद्धालुओं का कानपुर सेंट्रल स्टेशन पर ढोल नगाड़े एवं फूल माला से किया गया सत्कार

बीपीएस न्यूज

कानपुर। घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देने एवं सस्ते दर पर आम नागरिकों को भारत की संस्कृति से परिचित कराने के उद्देश्य से आईआरसीटीसी द्वारा आगरा से भारत गौरव ट्रेन का संचालन किया गया, यह ट्रेन आगरा कैंट से आज दिनांक 25 मई को 00.30 बजे अपने गंतव्य के लिये रवाना हुई और 3 जून को 12.00 बजें वापस आएगी ।इसी क्रम में आज दिनांक 25.05.2023 को यह ट्रेन कानपुर सेंट्रल स्टेशन प्रात: 09.40 बजे आई। कानपुर सेंट्रल स्टेशन से इस ट्रेन में 66 यात्रियों ने बोर्ड किया। इस ट्रेन में यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं के स्टेशन पर आने पर टीका लगाकर एवं माला पहनाकर उनका स्वागत किया गया। इसी क्रम में ट्रेन आने पर प्लेटफार्म संख्या 01 से 07 तक ढोल नगाड़ों संग श्रद्धालुओं को ट्रेन तक पहुंचाया गया। अपनी यात्रा के दौरान यह ट्रेन कोलकाता, गंगासागर यात्रा, बैद्यनाथ, गया, पुरी, कोणार्क, वाराणसी और अयोध्या की यात्रा कराएगी।9 रात 10 दिन की यात्रा में शामिल यात्रियों को पैकेज के तहत सेकेंड एसी थर्ड एसी और स्लीपर की सुविधा उपलब्ध है। सेकेंड एसी में 49, थर्ड एसी में 70 व स्लीपर में 648 सीट पर यात्री धार्मिक स्थलों के दर्शन कर सकेंगे। यात्रा के दौरान स्थानीय भ्रमण शामिल है।जिसमे मुख्यत: बैद्यनाथ मंदिर, जसडीह विष्णुपद मंदिर, पुरी स्थित जगन्नाथ मंदिर, कोणार्क सूर्य मंदिर, गंगासागर, काली मंदिर, कोलकाता, काशी विश्वनाथ मंदिर, वाराणसी, रामजन्मभूमि, हनुमान गढ़ी और अयोध्या के दर्शन शामिल हैं। ट्रेन में आगरा कैंट सहित ग्वालियर, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, उरई, कानपुर, लखनऊ, अयोध्या कैंट, काशी बनारस से यात्रियों को बोर्डिंग करने की सुविधा उपलब्ध कराई गई। पैकेज में नाश्ता, दोपहर व रात्रि का शाकाहारी भोजन, एसी/ नान एसी बसों द्वारा पैकेज में नाश्ता, दोपहर व रात्रि का शाकाहारी भोजन की सुविधा उपलब्ध है । इस अवसर पर उप मुख्य यातायात प्रबंधक कानपुर सेंट्रल श्री आशुतोष सिंह, सहायक मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री संतोष त्रिपाठी सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

भतीजे ने अधिवक्ता चाचा पर दर्ज कराया मुकदमा

बीपीएस न्यूज

कानपुर। बार एसोसिएशन के पूर्व महामंत्री अनूप कुमार द्विवेदी के खिलाफ भतीजे ने गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज कराई है। भतीजे का आरोप है कि चाचा 10 से 15 गुंडों के साथ उसके दफ्तर में घुस आए और जबरन कब्जा करने का प्रयास किया। विरोध करने पर मारपीट, लूट और तोड़फोड़ की। शिवाला निवासी अधिवक्ता राघव नारायण तिवारी ने बताया कि मेरे चाचा अनूप कुमार द्विवेदी जो कि बार एसोसिएशन के पूर्व महामंत्री हैं। 25 मई को चाचा अनूप अपने 10-15 गुंडों के साथ दफ्तर में आ धमके। लाठी-डंडों से मारपीट करने के साथ ही दफ्तर में तोड़फोड़ शुरू कर दी। आरोप है कि इस दौरान गुंडों ने दफ्तर में रखे 8 हजार रुपाए भी लूट लिए। राहगीरों ने बीच बचाव कराया और सूचना पर कोतवाली थाने की पुलिस मौके पर पहुंच गई।इसके बाद मौके पर पहुंचे अनूप के भाई अरुण कुमार द्विवेदी ने भी जान से मारने की धमकी देते हुए कहा कि अब तुम्हें अंजाम भुगदना होगा। आरोप लगाया है कि यह वारदात दालमंडी निवासी धर्मराज द्विवेदी के साथ मिलकर पूरी वारदात को अंजाम दिया गया। कोतवाली पुलिस ने अनूप कुमार द्विवेदी, अरुण कुमार द्विवेदी और धर्मराज समेत 5 से 10 अज्ञात गुंडों के खिलाफ मारपीट, लूट, बलवा, जान से मारने की धमकी देने समेत अन्य गंभीर धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की है।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक की मौत

बीपीएस न्यूज

घाटमपुर। सजेती थाना क्षेत्र गुरुवार को सुबह गांव अज्योरी निवासी लालाराम पुत्र रामभजन 45 का शव उसके बड़े भाई रंजीत के घर के सामने बाहर पड़ा मिलने व शव के पास सल्फास की खाली डिबिया मिलने परिवार में कोहराम मच गया मृतक लालाराम ट्रक चालक था पारिवारिक कलह के कारण कई सालों से अपने घर नहीं जाता था बाहर ही घूमता रहता था कभी ट्रक में भी चला जाता था शराब का लती था मृतक लालाराम के बेटे व दो बेटियां हैं,जिसमें दोनों बेटियों की शादी हो चुकी है। सूचना पर मौके पर पहुंचे बीबीपुर चौकी इंचार्ज सूर्य बली ने शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा की कार्यवाही पूरी कर शव को पी एम के लिए भेजा कानपुर। एसओ सजेती पवन कुमार ने बताया कि शव के पी एम रिपोर्ट आने के बाद वैधानिक कार्यवाही की जायगी।

महासंपर्क अभियान में क्षेत्रीय अध्यक्ष ने बैठक कर जिलावार सौंपी जिम्मेदारी

कानपुर। केंद्र सरकार के 9 वर्ष पूर्ण होने पर भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व नें संपूर्ण देश में महा संपर्क अभियान चलाने का निर्णय लिया। अभियान के निमित्त गुरुवार को भाजपा के क्षेत्रीय मुख्यालय पर 30 मई से 30 जून तक संचालित होने वाले महा संपर्क अभियान के संदर्भ में भाजपा क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल की अध्यक्षता में विभिन्न श्रेणियों के पदाधिकारियों की बैठक आहूत हुई। सभी मोर्चा अध्यक्ष एवं महामंत्रीयों की बैठक में तय किया गया कि लोकसभा की 10 सीटों के अंतर्गत 52 विधानसभा सीटों पर मोर्चो के सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। इन प्रस्तावित विधानसभा सम्मेलनों में युवा मोर्चा महिला मोर्चा पिछड़ा मोर्चा अनुसूचित मोर्चा किसान मोर्चा अल्पसंख्यक मोर्चा एवं जनजाति मोर्चा के समस्त पदाधिकारी शामिल होंगे। यह विधानसभा सम्मेलन जून माह के प्रथम एवं द्वितीय सप्ताह में आयोजित किए जाएंगे। अध्यक्ष श्री पाल ने बताया कि 1 माह तक चलने वाले महा संपर्क अभियान के लिए क्षेत्रीय पदाधिकारियों को जिलावार जिम्मेदारी दी गई। भाजपा पिछड़ा मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष जयप्रकाश कुशवाहा को झांसी महानगर ललितपुर, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अनीता गुप्ता को कानपुर उत्तर दक्षिण, क्षेत्रीय मंत्री पवन प्रताप सिंह को औरैया इटावा, मीडिया प्रभारी अनूप अवस्थी को बांदा महोबा हमीरपुर, दीपू पांडे को कन्नौज फर्रुखाबाद, अखिलेश बाजपेई फतेहपुर चित्रकूट, आलोक शुक्ला झांसी जिला जालौन, अनिता दीक्षित को ग्रामीण कानपुर देहात में अभियानों को देखेंगे। महा संपर्क अभियान की बैठकों में मुख्य रूप से सांसद देवेंद्र सिंह भोले, उत्तर प्रदेश सरकार की राज्य मंत्री प्रतिभा शुक्ला, अभिजीत सिंह सांगा, विधान परिषद सदस्य अविनाश सिंह, राहुल बच्चा सोनकर, पूनम द्विवेदी, सुनील तिवारी, पवन प्रताप सिंह, दक्षिण जिला अध्यक्ष वीना आर्या, सुनील बजाज, कृष्ण मुरारी शुक्ला, युवा मोर्चा के क्षेत्रीय अध्यक्ष सुनील साहू, उर्विजा दीक्षित, मनोज राजपूत, अजीत छाबड़ा, विजय प्रताप सिंह आदि उपस्थित रहे ।

डीजीपी ने पुलिस लाइन का निरीक्षण कर मेस को अपडेट दिए निर्देश

बीपीएस न्यूज

कानपुर। गुरुवार सुबह शहर पहुंचे उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) डॉ आर के विश्वकर्मा सर्किट हाउस के बाद निरीक्षण करने पुलिस लाइन पहुंचे। इस दौरान उनके साथ स्पेशल डीजी लॉ एंड आर्डर प्रशांत कुमार, पुलिस आयुक्त बीपी जोगदण्ड भी मौजूद रहे।

डीजीपी डॉ आर के विश्वकर्मा ने पुलिस लाइन में निरीक्षण करते हुए यहां से क्वार्टर गार्ड, स्टोर रूम, आर्मरी, सीपीसी कैन्टीन, मेस, बैरक आदि का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मेस को और अपडेट करने के लिए भी निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान स्पेशल डीजी लॉ एंड आर्डर प्रशांत कुमार, पुलिस आयुक्त बीपी जोगदण्ड, संयुक्त पुलिस आयुक्त आनन्द प्रकाश तिवारी उपस्थित रहे।

सजेती के बिहारेश्वर में दान पात्र के रुपए चोरी

बीपीएस न्यूज

घाटमपुर। सजेती थाना क्षेत्र गांव अज्योरी स्थित बिहारेश्वर मंदिर के दान पात्र को बीती रात अज्ञात चोरों ने दान पात्र का लाकर का ताला तोड़कर दान के रुपए निकाल कर खाली दान पात्र मंदिर दक्षिण दिशा की ओर लगभग 100 मीटर की दूरी पर फेंक दिया। सजेती प्रधान पति विजय शंकर ने बताया कि सुबह चार बजे वह पूजा करने मंदिर पहुंचे तो शिव लिंग के पास हमेशा रखा रहने वाला दान पात्र नहीं मिला तो मंदिर में चार दिन पहले रह रहे मौके पर सोए महावीर प्रजापति निवासी गांव धरछुआ सेवा निवृत बिजली विभाग लाइन मैन को जगाकर पूछा तो यहां का दान पात्र कहां है तो महावीर ने कि हम सोए हुए थे हमें जानकारी नहीं है। तब विजय शंकर ने पुलिस को सूचना दी मौके पर पहुंची पुलिस ने मंदिर के आस पास खोज बीन की तो मंदिर परिसर के दक्षिण दिशा की ओर 100 मीटर दूरी दान पात्र का लाकर टूटा खाली पड़ा मिला जिसे पुलिस ने मंदिर परिसर में रखवा दिया है। चोर बाउंड्री वॉल फांदकर बजरंग बली की मूर्ति के चैनर का ताला तोड़कर दाखिल हुए हैं।

आक्रोशित बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने पुलिस के खिलाफ जमकर की नारेबाजी

कानपुर। जाजमऊ में 12 मई को चुनावी रंजिश में बजरंग दल कार्यकर्ता पर हुए जानलेवा हमले में गिरफ्तारी न होने से आक्रोशित बजरंग दल के कार्यकर्ता गुरुवार सुबह चकेरी थाने के बाहर सड़क पर बैठ गए। इस दौरान उन्होंने पुलिस के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। साथ ही आरोपितों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी किए जाने की मांग की।

नव निर्वाचित पालिका अध्यक्ष सहित 25 पार्षदों में से 24 पार्षदों ने ली शपथ

घाटमपुर। नवनिर्वाचित नगर पालिका अध्यक्ष गजाला तबस्सुम समेत 25 सभासदों में से 24 सभासदो ने अपने पद की शपथ ग्रहण की है। वही वार्ड नंबर -12 के नवनिर्वाचित सभासद अजय सिंह ने बताया कि उन्होंने अपने पद की शपथ अपनी मातृ भाषा संस्कृत में लेने का मन बनाया था। जिसकी जानकारी उन्होंने एक दिन पहले ही अधिकारियो को दी थी। साथ ही उन्होंने अधिकारियो को वाट्सअप के जरिये शिकायत पत्र भी साझा किया था। जिसके बाद जब वह शपथ लेने पहुंचे तो अधिकारियों ने उन्हें संस्कृत में शपथ नहीं लेने दी। इसकी बाद उन्होंने अधिकारियो से कहा की यदि मेरी मातृ भाषा संस्कृत में शपथ नहीं दिलाई जाएगी तो मै अपने पद की शपथ ग्रहण नहीं करूंगा। सभासद की शपथ न लेने की जानकारी पर ज्वाइंट मजिस्ट्रेट हिमांशु गुप्ता ने बताया कि जानकारी है। सभासद को नियमावली के आधार पर ही शपथ दिलाई जाएगी।

मौसम बदला, डायरिया नहीं थमा, एक बच्चे की मौत, ओपीडी में पहुंचे 200 बालरोगी

बीपीएस न्यूज कानपुर । तपिश कम हुई है, लेकिन डायरिया का प्रकोप बना हुआ है। डॉक्टरों का कहना है कि गंदगी की वजह से बच्चों में डायरिया फैल रहा है। जिस बोतल से उन्हें दूध दिया जाता है उसे ढंग से साफ नहीं किया जाता। हैलट के बालरोग अस्पताल के सारे बेड फुल हैं।कानपुर में मौसम बदलने से माहौल में तपिश कम हुई है, लेकिन डायरिया का प्रकोप बना हुआ है। छोटे बच्चे इसकी अधिक चपेट में हैं। कल्याणपुर में एक बच्चे की डायरिया से मौत हो गई। शनिवार को बालरोग विभाग की ओपीडी में दो सौ बालरोगी आए। इनमें सबसे अधिक संख्या डायरिया के रोगियों की थी। 15 रोगियों को डायरिया के बाद फेफड़ों की झिल्ली में पानी भर गया।डॉक्टरों का कहना है कि गंदगी की वजह से बच्चों में डायरिया फैल रहा है। जिस बोतल से उन्हें दूध दिया जाता है उसे ढंग से साफ नहीं किया जाता। हैलट के बालरोग अस्पताल के सारे बेड फुल हैं। पीआईसीयू के भी सभी बेड भरे हुए हैं।

पुराना शिवली रोड के रहने वाले राजेश कुमार दो दिन पहले हरियाणा से लौटा था। बताया कि डेढ़ साल के बच्चे को पहले बुखार आया। फिर उल्टियां हुईं और दस्त आने लगा।क्षेत्र के डॉक्टर को दिखाया। शनिवार सुबह हालत गंभीर हो गई तो नर्सिंगहोम ले जाने के लिए कहा। अस्पताल पहुंचने के पहले ही मौत हो गई। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के बालरोग विभागाध्यक्ष डॉ. अरुण कुमार आर्या ने बताया कि गंदगी और संक्रमित जलजनित बीमारियां अधिक हो रही हैं। बच्चों को जितनी बार दूध पिलाया जाए, बोतल को खौलते पानी में डालकर धोना चाहिए।

माहवारी स्वच्छता प्रबंधन में जनपद का ग्राफ बढ़ा

• शर्म का नहीं बल्कि विस्तृत चर्चा का विषय हो माहवारी - सीएमओ

बीपीएस न्यूज

कानपुर। माहवारी के समय किशोरियों के साथ-साथ महिलाओं के स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना काफी आवश्यक है। पिछले वर्षों में जनपद में इस विषय पर सर्वाधिक चर्चा का नतीजा है की किशोरियों और महिलाओं में माहवारी के दौरान सुरक्षित और स्वच्छ साधन इस्तेमाल करने का ग्राफ बढ़ा है। जहाँ एक ओर नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे 4 (2015-2016) की रिपोर्ट की मानें तो 73.1 प्रतिशत महिलाएं ही सेनेटरी नैपकिन (पैड) का उपयोग करती थी पर नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे 5 (2019-2021) की रिपोर्ट में यह आँकड़ा बढ़कर 87.6 प्रतिशत हो गया है। वहीँ नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे 5 के अनुसार प्रदेश में ग्रामीण इलाकों में 68.4 प्रतिशत महिलाएं सेनेटरी नैपकिन (पैड) का उपयोग करती हैं, जबकि शहरी क्षेत्रों में 86.7 प्रतिशत महिलाएं इसका इस्तेमाल करती हैं। मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ आलोक रंजन ने बताया की माहवारी के दौरान बरती जाने वाली स्वच्छता के बारे में जागरुक करना होगा। पुरानी परपंरागत सोच को बदलना होगा। हालांकि अब माहवारी को लेकर सोच में बदलाव आ रहा है। स्वच्छता बरत रहे है। उन्होंने कहा की शारीरिक व मानसिक बदलावों के बारे में युवाओं को स्वीकार्य तरीकों के माध्यम से जानकारी दिए जाने की ज़रूरत है जिससे उनके अभिभावक, स्कूल और समुदाय स्वीकार कर सकें7 इस तरह दी गयी जानकारी और ज्ञान के शुरू होने से ही महिलाओं और समाज की स्थिति में सुधार की कल्पना की जा सकती है और उनके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी। जिला महिला चिकित्सालय की मुख्य चिकित्सक अधीक्षिका डॉ सीमा श्रीवास्तव बताती हैं की माहवारी के समय स्वच्छता रखना बेहद अहम है, ज़रूरी है कि इस समय सेनेटरी पैड इस्तेमाल किये जाए अगर पैड नहीं है तो साफ़ धुला और धूप में सूखा हुआ कॉटन कपडा भी इस्तेमाल किया जा सकता है। सफाई के साथ ही 2-3 घंटे के अन्तराल पर कपड़ा या पैड बदलना बहुत ही ज़रूरी है। लम्बे समय तक एक ही पैड को लगाने से पसीना और रक्तस्त्राव कि वजह से बदबू के साथ ही यौन संचारी और प्रजनन मार्ग संक्रमण (आरटीआई/एसटीआई) फैलने कि संभावना रहती है। साथ ही उचित साफ सफाई नहीं रखने पर सर्वाइकल कैंसर होने की भी संभवाना होती है। जिला महिला चिकित्सालय में कार्यरत काउंसलर कंचन पांडेय ने बताया कि अनियमित माहवारी एवं अधिक रक्त स्राव के 40 के आसपास केस हर माह काउंसलिंग के लिए आते हैं, ऐसी किशोरी एवं महिलाओ को काउंसलिंग की जाती है, साथ ही उचित सावधानियों और उपचार के बारें में बताया जाता है7 यदि किसी किशोरी या महिला में मासिक धर्म सम्बंधित कोई समस्या है तो वह जिला अस्पताल के कमरा न. 6 में संचालित सुरक्षा क्लिनिक में दिखा सकती है। यह भी जानें हर वर्ष 28 मई को विश्व मासिक धर्म स्वच्छता दिवस महिलाओं व किशोरीयों को जागरूक करने के लिए मनाया जाता है। इस वर्ष की थीम है 'मेकिंग मेंस्ट्रुअल ए नार्मल फैक्ट ऑफ लाइफ बाई 2030' यानि 'वर्ष 2030 तक मासिक धर्म को जीवन का एक सामान्य फैक्ट बनाना' है। इसका लक्ष्य है पीरियड्स के कारण किसी को पीछे नहीं रहना पड़े।

उपचार के दौरान मासूम ने तोड़ा दम, शातिर नाबालिग ने किया था दुष्कर्म का प्रयास

कानपुर। चकेरी के सनिगवां में दुष्कर्म के प्रयास की शिकार तीन साल की मासूम ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक ने पुष्टि करते हुए कहा कि बच्ची कार्डिएक अरेस्ट के बाद दम तोड़ दिया। मासूम बच्ची की मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया है।कानपुर के चकेरी सनिगवां में सोमवार को तीन साल की मासूम के साथ शातिर नाबालिग द्वारा दुष्कर्म का प्रयास किया था। इसमें असफल होने पर शातिर नाबालिग उसे पटक कर भाग निकला था। मामले में शनिवार सुबह हैलट में उपचार के दौरान बच्ची ने दम तोड़ दिया।वहीं मामले में पुलिस ने शुक्रवार को आरोपी को किशोर न्याय बोर्ड में पेशकर कर बाल संप्रेक्षण गृह भेज चुकी है। सनिगवां क्षेत्र के निवासी दलित मजदूर की तीन साल की बेटी सोमवार दोपहर घर के बाहर खेल रही थी। इस दौरान पास की कॉलोनी का दूसरे समुदाय का नाबालिग साइकिल लेकर आया।इसके बाद बच्ची को साइकिल में घुमाने के बहाने बैठा लिया था। फिर कब्रिस्तान के पास एक खाली प्लॉट में ले गया। यहां बच्ची से अश्लील हरकतें कर रहा था। पुलिस के अनुसार इस दौरान रास्ते से गुजर रही एक महिला ने देखा था, तो आरोपी बच्चे को टोका।

असफल होने पर बच्ची को दिया था पटक

इस पर वह बच्ची को फेंककर साइकिल लेकर भाग निकला था, जिससे बच्ची के सिर में चोट आने से वह गंभीर रूप से घायल हो गई थी। वह दोपहर करीब दो बजे से शाम छह बजे तक औंधे मुंह गड्ढे पर पड़ी रही थी। इसके बाद आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने बच्ची को बरामद किया था।

बच्ची बेहोश थी और सांसे फूल रहीं थीं

इस दौरान वह बेहोश थी और उसकी सांसें फूल रही थी। फिर उसे सनिगवां के माही अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां सनिगवां पुलिस ने बवाल की आशंका पर परिजनों को बच्ची को साथ थाने भेज दिया गया था । कहा था कि वहां जाकर रिपोर्ट दर्ज कराएं। शाम सात बजे सभी थाने पहुंच गए थे।इसके बाद रात 9:45 बजे बच्ची को मेडिकल के लिए कांशीराम भेजा गया था, लेकिन यहां ईएमओ डॉ. सतीश ने बच्ची की हालत नाजुक देख उसे प्राथमिक उपचार देकर हैलट के लिए रेफर किया था। डॉ. सतीश ने कहा था कि बच्ची की उल्टियां कर रही थी और उसकी हालत नाजुक है।

ट्रैक्टर ने युवक को रौंदा, मौत

कानपुर। कानपुर के रावतपुर थाना क्षेत्र में देर रात हादसे में एक युवक की मौत हो गई। ट्रैक्टर ने युवक को रौंद दिया। जिससे युवक की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है जिस ट्रैक्टर से सवार होकर होकर युवक जा रहा था। उसी ट्रैक्टर से कुचलने की वजह से उसकी मौत हुई। सूचना पर पहुंची पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस का कहना है कि पीड़ित परिवार से तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।शुक्रवार देर रात रावतपुर क्षेत्र के अंतर्गत बने अनुराग हॉस्पिटल के पास ट्रैक्टर से कुचलकर युवक की मौत हो गई। मृतक हरि शंकर बिधनू थाना क्षेत्र के राजीवपुरवा गांव का रहने वाला था। गांव के ही ट्रैक्टर से सवार होकर जा रहा था। तभी ट्रैक्टर से कुचल कर हादसे में उसकी मौत हुई।

सिपाही को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, पुलिस चौकी के सामने ड्यूटी पर था तैनात, मौत

बीपीएस न्यूज

हमीरपुर। हमीरपुर जिले के सुमेरपुर कस्बे की फैक्टरी एरिया चौकी के सामने ड्यूटी कर रहे एक सिपाही को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल अवस्था में उसे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां से सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया।हालत नाजुक होने पर उसे कानपुर रेफर किया गया, जहां हैलट में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जौनपुर जनपद के सिकरारा थाना क्षेत्र के निवासी सर्वेश कुमार पाल (27) पुत्र हरीनाथ पाल को वर्ष 2018 में पहली तैनाती सुमेरपुर थाने के फैक्टरी एरिया चौकी में तैनाती मिली हुई थी।फैक्टरी एरिया चौकी इंचार्ज राहुल मिश्रा ने बताया कि शुक्रवार की रात करीब एक बजे वह चौकी के सामने ही ड्यूटी दे रहा था। तभी किसी अज्ञात वाहन ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। इससे वह गंभीर रूप से घायल होकर मौके पर ही गिर पड़ा। उसकी चीख सुनकर थाने में मौजूद सिपाही उसे तत्काल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए।यहां प्राथमिक उपचार के बाद सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। हालत नाजुक होने पर चिकित्सकों ने उसे कानपुर रेफर कर दिया, जहां हैलट में सुबह पांच बजे उसकी मौत हो गई। सिपाही अभी अविवाहित था। अचानक हुई इस घटना से उसके परिजनों में कोहराम मच गया है।

चोल साम्राज्य से जुड़ा सेंगोल

अब स्पीकर के आसन के नजदीक होगा स्थापित

बीती28 मई यानी कल नए संसद भवन का उद्घाटन हुआ। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी स्पीकर की सीट के पास सेंगोल नामक एक ऐतिहासिक स्वर्ण राजदंड स्थापित किया।

अंग्रेजों से भारतीयों को सत्ता के हस्तांतरण को चिह्नित करने के लिए इसे देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को सौंप दिया गया था। नेहरू ने तमिलनाडु से सेनगोल प्राप्त किया और इसे पारंपरिक तरीके से सत्ता हस्तांतरण के प्रतीक के रूप में अंग्रेजों से स्वीकार किया। इसे नए संसद भवन में ले जाया जाएगा।

चोल साम्राज्य से जुड़ा सेंगोल

राजदंड चोल साम्राज्य से जुड़ा हुआ है। यह विरासत और परंपरा के प्रतीक के रूप में प्रतिष्ठित है, जो विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों, त्योहारों और महत्वपूर्ण समारोहों के अभिन्न अंग के रूप में कार्य करता है।

माउंटबेटन ने नेहरू को सौंपा

14 अगस्त, 1947 को आजादी के समय नेहरू को सेंगोल सौंप दिया गया था। अंग्रेजों से भारतीयों को सत्ता के हस्तांतरण के समारोह पर चर्चा के दौरान, वायसराय लॉर्ड माउंटबेटन ने प्रतीकात्मक समारोह के बारे में जानकारी ली। इसे इलाहाबाद के एक संग्रहालय में रखा गया था

संस्कृत में 'संकू' से लिया गया 'सेनगोल'

सेंगोल शब्द संस्कृत शब्द **"शंकु"** से लिया गया है, जिसका अर्थ है **"शंख"**। शंख हिंदू धर्म में एक पवित्र वस्तु है और अक्सर इसे **संप्रभुता के प्रतीक** के रूप में इस्तेमाल किया जाता था। यह **सोने या चांदी** से बना था, और कीमती पत्थरों से सजाया गया था।

राष्ट्रपति संसद भवन का उद्घाटन करतीं तब विपक्ष किसी और बहाने से विरोध करता

हिंदी का एक मुहावरा है, मौके पर चौका मारना। अवसर हाथ लगा नहीं कि उसका फायदा उठा लिया जाए। फायदा उठाने का तरीका जायज हो या नाजायज, कम से कम मौजूदा राजनीति इससे प्रभावित नहीं होती। नई संसद भवन के उद्घाटन के अवसर पर बीस विपक्षी दलों ने जो रणनीति अपनाई है, वह मौके पर चौका मारने वाली कहावत का बेहतरीन उदाहरण है। 28 मई को नई बनी संसद के भवन का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करने जा रहे हैं, विपक्ष ने इसे मुद्दा बनाकर इस समारोह के बहिष्कार का ऐलान कर दिया है। विपक्षी दलों की मांग है कि इस भवन का उद्घाटन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से कराया जाना चाहिए। विपक्ष आरोप लगा रहा है कि मोदी सरकार ने ऐसा करके राष्ट्रपति पद की गरिमा और सम्मान को चोट पहुंचाई है।

यह ठीक है कि संविधान के अनुच्छेद 79 के तहत अपनी संसद के दोनों सदनों राज्यसभा और लोकसभा के अलावा एक अंग राष्ट्रपति भी हैं। यह देखते हुए तो विपक्ष की मांग प्रथम दृष्टया वाजिब भी लगती है। लेकिन इस मांग के लिए बाल हठ पकड़ते हुए उद्घाटन कार्यक्रम का बहिष्कार करना भी ठीक नहीं कहा जा सकता। संसदीय लोकतंत्र में संसद ना सिर्फ राष्ट्र की संप्रभुता की गारंटी है, बल्कि वह सबसे पवित्र और सर्वोच्च पंचायत भी है। वह ना सिर्फ देश को दिशा

देती है, बल्कि राष्ट्र की संप्रभुता का संरक्षण भी करती है। इसलिए प्रधानमंत्री के नाम पर उसके उद्घाटन अवसर का बहिष्कार करना एक तरह से संसद की पवित्रता पर शुरुआत में ही आशंका की नींव बनाना है। वैसे भी साल 2014 से जिस तरह विपक्ष राजनीतिक दांवपेंच चल रहा है, जिस तरह से आए दिन विपक्षी राजनीतिक एजेंडे वाले टूलकिट सामने आते रहे हैं, उससे देश में एक धारणा भी पुष्ट हुई है। धारणा यह कि चूंकि देश की कार्यपालिका के सर्वोच्च पद पर विपक्षी नजर में अनचाही शख्सियत नरेंद्र मोदी पहुंच चुकी है, इसलिए उसका विरोध करना है। यह अवधारणा भी स्थापित हुई है कि विपक्षी विरोध का एक मात्र लक्ष्य मोदी के विरोध के लिए विरोध करना है। इससे यह भी स्थापित हुआ है कि विपक्षी दल कार्यपालिका के सर्वोच्च पद पर मोदी के नाम को पचा नहीं पाया है। इसलिए वह अक्सर किसी न किसी बहाने वाजिब कम, गैर वाजिब मुद्दों पर विरोध करता रहता है। तमिलनाडु के किसानों का दिल्ली के जंतर-मंतर पर चले लंबे धरना हो, जिसमें कई बार जुगुप्सा पैदा करने वाले विद्रूप दृश्य भी नजर आए, या फिर नागरिकता संशोधन कानून में बदलाव का देशव्यापी विरोध, अफजल की फांसी का विरोध हो या फिर शिक्षा के कथित भगवाकरण के विरोध में जामिया, जादवपुर और जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में चला विरोध, रोहित वेमुला के नाम पर चला कथित दलित विरोधी मोदी सरकार के रुख के विरोध में चला आंदोलन हो या फिर किसान आंदोलन, ऐसे तमाम आंदोलन रहे, जिनके बारे में मोटे तौर पर देश में यह अवधारणा बनी है कि विपक्ष की शह पर ये सारे विरोधी आंदोलन सिर्फ और सिर्फ मोदी विरोध के लिए किए जा रहे हैं।

भारतीय जनता पार्टी की सरकार द्वारा पहले बिहार, फिर जम्मू-कश्मीर, फिर गोवा और बाद में मिजोरम के राज्यपाल बनाए गए सतपाल मलिक के विरोधी तेवर के पीछे भी अवधारणा यही बनी है कि चूंकि मोदी का विरोध करना है, इसलिए वे भी विरोध कर रहे हैं। पुलवामा हमले के पीछे विपक्षी दल मोदी सरकार की साजिश भी बताने से नहीं हिचके। पाकिस्तान की सीमा के भीतर घुसकर भारतीय सेनाओं ने जब सर्जिकल स्ट्राइक किया तो उसके भी सबूत मांगे गए। और तो और न्यायपालिका में हस्तक्षेप के नाम पर भी मोदी सरकार के खिलाफ मोर्चे खोले गए। इस पूरी प्रक्रिया में खुलकर कुछ यूट्यूबर भी विरोधी हवाबाजी का खेल खेलने लगे। हर विरोध प्रदर्शन और आंदोलन खड़ा करते वक्त विपक्षी दलों और मोदी विरोधी यूट्यूबरों को उम्मीद रही कि इससे मोदी की राष्ट्रीय छवि में दरार पड़ेगी। लेकिन हुआ ठीक उलटा। मोदी ब्रांड पर खास असर नहीं पड़ा। अतीत के ये अनुभव ही हैं कि संसद भवन के उद्घाटन को लेकर मचे सियासी घमासाल को लेकर भी यही माना जा रहा है कि विपक्षी दल हाथ लगे इस मौके का इस्तेमाल मोदी विरोध के लिए जानबूझकर कर रहे हैं।

विपक्षी दलों ने फिलहाल राष्ट्रपति से उद्घाटन ना करने को मुद्दा बनाया है। लेकिन लोक का एक बड़ा हिस्सा यह भी मानता है कि अगर राष्ट्रपति उद्घाटन करतीं, तब भी विपक्ष नई संसद का विरोध करता। तब उसके मुद्दे कुछ और होते। वह इसका तालियां बजाकर स्वागत नहीं करता। आम चौराहे हों, या चायपान की दुकानें या फिर ट्रेन-बस की यात्राएं, यह चर्चा आम है। वैसे अक्टूबर 2020 में नई संसद की जमीन के लिए एजेंसियों ने काम शुरू किया। दस दिसंबर 2020 को प्रधानमंत्री ने इसका शिलान्यास किया। वैसे नई संसद बनाने की योजना भारतीय जनता पार्टी सरकार की है भी नहीं। साल 2010 में लोकसभा की तत्कालीन स्पीकर मीरा कुमार की अध्यक्षता में नए संसद भवन पर विचार करने के लिए एक समिति संसद ने बनाई थी। उसी समिति ने भविष्य की चुनौतियों से निबटने और भविष्य में बढ़ने वाली सांसद संख्या के लिहाज से नई संसद बनाने का प्रस्ताव दिया था। जिसे नरेंद्र मोदी सरकार ने स्वीकार किया। इसी सरकार ने सेंट्रल विस्टा परियोजना शुरू की, जिसमें नया सचिवालय, नई संसद, प्रधानमंत्री और उपराष्ट्रपति के निवास आसपास के परिसर में बनाने का फैसला किया।

अपने राष्ट्रवादी विचारों की बदौलत सावरकर आज भी जिंदा हैं और हर भारतीय की प्रेरणा हैं

सावरकर कहा करते थे- काल स्वयं मुझसे डरा है, मैं काल से नहीं। काले पानी का कालकूट पीकर काल से कराल स्तंभों को झकझोर कर, मैं बार-बार लौट आया हूँ और फिर भी मैं जीवित हूँ, हारी मृत्यु है, मैं नहीं।- ऐसे अदम्य साहस, महान क्रांतिकारी, दृढ़ राजनेता, ओजस्वी वक्ता व समर्पित समाज सुधारक सावरकर से प्रेरणा प्राप्त कर मातृभूमि के लिए न जाने कितने ही यौवन हंसते हंसते बलिदान हो गए। अपने महापुरुषों का स्मरण व सदैव उनके गुणों को आत्मसात करते हुए आगे बढ़ते रहना, यही भारत की श्रेष्ठ परंपरा है। ऐसे ही अकल्पनीय व अनुकरणीय जीवन को याद करने का दिन है सावरकर जयंती।

स्वातंत्र्य विनायक दामोदर सावरकर केवल नाम नहीं, एक प्रेरणा पुंज हैं जो आज भी देशभक्ति के पथ पर चलने वाले मतवालों के लिए जितने प्रासंगिक हैं उतने ही प्रेरणादायी भी। वीर सावरकर अदम्य साहस, इस मातृभूमि के प्रति निश्छल प्रेम करने वाले व स्वाधीनता के लिए अपने प्राणों को न्यौछावर करने वाला अविस्मरणीय नाम है। इंग्लैंड में भारतीय स्वाधीनता हेतु अथक प्रवास, बंदी होने पर भी अथाह समुद्र में छलांग लगाने का अनोखा साहस, कोल्हू में बैल की भांति जोते जाने पर भी प्रसन्नता, देश के लिए परिवार की भी बाजी लगा देना, पल-प्रतिपल देश की स्वाधीनता का चिंतन व मनन, अपनी लेखनी के माध्यम से आमजन में देशभक्ति के प्राण का संचार करना, ऐसा अद्भुत व्यक्तित्व था विनायक सावरकर का। सावरकर ने अपनी नजरबंदी के समय में अंग्रेजी व मराठी के अनेक मौलिक ग्रंथों की रचना की, जिसमें मैजिनी, 1857 स्वातंत्र्य समर, मेरी कारावास कहानी, हिंदुत्व आदि प्रमुख हैं।

सावरकर दुनिया के अकेले स्वातंत्र्य योद्धा थे जिन्हें दो-दो आजीवन कारावास की सजा मिली, सजा को पूरा किया और फिर से राष्ट्र जीवन में सक्रिय हो गए। वे विश्व के ऐसे पहले लेखक थे जिनकी कृति 1857 का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम को दो-दो देशों ने प्रकाशन से पहले ही प्रतिबंधित कर दिया। सावरकर पहले ऐसे भारतीय राजनीतिज्ञ थे जिन्होंने सर्वप्रथम विदेशी वस्त्रों की होली जलाई। वे पहले स्नातक थे जिनकी स्नातक की उपाधि को स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लेने के कारण अंग्रेज सरकार ने वापस ले लिया। वीर सावरकर पहले ऐसे भारतीय विद्यार्थी थे जिन्होंने इंग्लैंड के राजा के प्रति वफादारी की शपथ लेने से मना कर दिया। फलस्वरूप उन्हें वकालत करने से रोक दिया गया। वीर सावरकर ने राष्ट्र ध्वज तिरंगे के बीच में धर्म चक्र लगाने का सुझाव सर्वप्रथम दिया था, जिसे तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने माना। उन्होंने ही सबसे पहले पूर्ण स्वतंत्रता को भारत के स्वतंत्रता आंदोलन का लक्ष्य घोषित किया। वे ऐसे प्रथम राजनैतिक बंदी थे जिन्हें विदेशी (फ्रांस) भूमि पर बंदी बनाने के कारण हेग के अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में मामला पहुँचा। वे पहले क्रांतिकारी थे जिन्होंने राष्ट्र के सर्वांगीण विकास का चिंतन किया तथा बंदी जीवन समाप्त होते ही जिन्होंने अस्पृश्यता आदि कुरीतियों के विरुद्ध आंदोलन शुरू किया। दुनिया के वे ऐसे पहले कवि थे जिन्होंने अंडमान के एकांत कारावास में जेल की दीवारों पर कील और कोयले से कविताएँ लिखीं और फिर उन्हें याद किया। इस प्रकार याद की हुई दस हजार पंक्तियों को उन्होंने जेल से छूटने के बाद पुनः लिखा।

क्या मैं अब अपनी प्यारी मातृभूमि के पुनः दर्शन कर सकूंगा ? 4 जुलाई 1911 को अंडमान के सेलुलर जेल में पहुँचने से पहले सावरकर के मन की व्यथा शायद कुछ ऐसी ही रही होगी। अंडमान की उस काल कोठरी में सावरकर को न जाने कितनी ही शारीरिक यातनाएं सहनी पड़ी होंगी, इसको शब्दों में बता पाना असंभव है।

आईपीएल फाइनल के दिन हो सकता है बड़ा ऐलान

पाकिस्तान के हाइब्रिड मॉडल पर बन गई सहमति!

एक रिपोर्ट के मताबिक बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने कहा कि एशिया कप के आयोजन स्थल का फैसला आईपीएल फाइनल से इतर होने वाली बैठक में किया जाएगा जिसमें एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के शीर्ष पदाधिकारी भाग लेंगे।

पाकिस्तान से आ रही रिपोर्टों में कहा गया है कि एशिया कप 2023 को लेकर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) द्वारा प्रस्तावित हाइब्रिड मॉडल को लागू किया जा सकता है। दावा किया जा रहा है कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि आईपीएल फाइनल के दौरान इस पर एक घोषणा हो सकती है। वहीं, एक रिपोर्ट के मताबिक बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने कहा कि एशिया कप के आयोजन स्थल का फैसला आईपीएल फाइनल से इतर होने वाली बैठक में किया जाएगा जिसमें एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के शीर्ष पदाधिकारी भाग लेंगे। जय शाह एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के अध्यक्ष भी हैं।

जय शाह ने कहा कि बांग्लादेश, अफगानिस्तान और श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड के संबंधित अध्यक्ष 28 मई को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होने वाले टाटा आईपीएल 2023 के फाइनल की शोभा बढ़ाएंगे। हम एशिया कप 2023 के संबंध में भविष्य की कार्रवाई की रूपरेखा तैयार करने के लिए उनके साथ चर्चा करेंगे। हालांकि, रिपोर्ट में दावा किया जा रहा है कि पिछले एक सप्ताह में, एसीसी सदस्यों के बीच कुछ पर्दे के पीछे चर्चा हुई है और ऐसा आभास हुआ है कि पाकिस्तान द्वारा प्रस्तावित हाइब्रिड मॉडल पर आम सहमति बन गई है। विवाद का एकमात्र बिंदु यह है कि भारत के मुकाबले कहां खेले जाएंगे। कौन सा देश होगा - संयुक्त अरब अमीरात या श्रीलंका।

खबर के मुताबिक भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाला मैच श्रीलंका में खेला जा सकता है हालांकि पीसीबी यह मैच दुबई में करवाना चाहता है। इस साल एशिया कप का मेजबान पाकिस्तान है लेकिन भारतीय क्रिकेट टीम केंद्र सरकार की अनुमति के बिना पड़ोसी देश की यात्रा नहीं कर सकती और ऐसे में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) से अध्यक्ष नजम सेठी ने एक 'हाइब्रिड मॉडल' का प्रस्ताव रखा जिससे कि चार मैच का आयोजन उनके देश में हो सकता है। सेठी के इस फार्मूले के अनुसार श्रीलंका, बांग्लादेश, नेपाल और अफगानिस्तान के लीग चरण के चार मैच पाकिस्तान में होंगे जबकि भारत अपने मैच तटस्थ स्थल पर खेलेगा। एशिया कप का आयोजन इस साल एक से 17 सितंबर तक होना है।

कप्तान कुणाल पांड्या की एक गलती से लखनऊ को हुआ बड़ा नुकसान, एलिमिनेटर मुकाबले में मिली मुंबई से हार

आईपीएल 2023 के एलिमिनेटर मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स को मुंबई इंडियंस से 81 रनों से हार का सामना करना पड़ा है। इसके साथ ही लगातार दूसरी बार लखनऊ को प्लेऑफ से बाहर होना पड़ा है। लखनऊ सुपर जायंट्स की कप्तानी केएल राहुल की अनुपस्थिति में क्रुणाल पांड्या कर रहे थे। हालांकि, क्रुणाल पांड्या ने इस मैच में कई गलतियां की लेकिन एक गलती की खूब चर्चा हो रही है। मुंबई इंडियंस इस जीत के बाद क्वालीफायर 2 में गुजरात टाइटंस से भिड़ेगी। क्रुणाल पांड्या ने अपनी टीम से महत्वपूर्ण मुकाबले में क्विंटन डी कॉक जैसे बड़े खिलाड़ी को बाहर रखा। एलएसजी ने डी कॉक को बाहर रखा और शुरुआती एकादश में केवल 3 विदेशी खिलाड़ियों के साथ गई और काइल मेयर्स को उनके बाद में इम्पैक्ट सब के रूप में इस्तेमाल किया।काइल मेयर्स के लिए आईपीएल की शुरूआत अच्छी हुई थी लेकिन बाद में वह फॉर्म से बाहर नजर आए। पिछले पांच मुकाबलों की बात करे तो मेयर्स ने सिर्फ 82 रन बनाए थे, वहीं डी कॉक सिर्फ 4 मैचों में 143 रन बनाए। क्रुणाल पांड्या के इस कदम की खूब आलोचना हो रही है। इसको लेकर उन्होंने अपनी बात भी रखी। उन्होंने कहा कि क्विंटन को बाहर करना हमेशा एक कठिन निर्णय होता है, वह एक विश्व स्तरीय बल्लेबाज है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि यहां काइल (मायर्स) का रिकॉर्ड बेहतर था (डिकॉक की तुलना में)।हमें बस लगा कि हम काइल के साथ जा सकते हैं। पंड्या ने इंडियन प्रीमियर लीग के एलिमिनेटर मुकाबले में मुंबई इंडियन्स के खिलाफ 81 रन की हार की जिम्मेदारी अपने ऊपर ली। सुपरजाइंट्स की टीम दो विकेट पर 69 रन बनाकर अच्छी स्थिति में थी लेकिन इसके बाद कृणाल ने पीयूष चावला की गेंद पर खराब शॉट खेलकर अपना विकेट गंवाया और फिर टीम ने लगातार विकेट गंवाए। कृणाल ने स्वीकार किया कि उन्हें वह शॉट नहीं खेलना चाहिए था। उन्होंने मैच के बाद कहा कि हम वास्तव में अच्छी स्थिति में थे। सब कुछ तब शुरू हुआ जब मैंने वह शॉट खेला था... वह शॉट नहीं खेलना चाहिए था और मैं पूरी तरह से दोष अपने ऊपर लेता हूं। कृणाल ने कहा कि विकेट में कोई समस्या नहीं थी, बस उनकी टीम बेहतर बल्लेबाजी नहीं कर पाई। उन्होंने कहा कि विकेट दोनों पारियों में समान खेला। हमें बस बेहतर बल्लेबाजी करनी थी।

मेसी की मदद से पीएसजी ने जीता रिकॉर्ड 11वां खिताब

मेसी ने 59वें मिनट में काइलियन एम्बाप्पे के पास पर गोल करके पीएसजी को बढ़त दिलाई। पीएसजी के पूर्व स्ट्राइकर केविन गामेरो ने 79वें मिनट में स्ट्रासबर्ग की तरफ से बराबरी का गोल दागा।

पेरिस। पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने लियोनेल मेसी के गोल की मदद से स्ट्रासबर्ग के खिलाफ मैच 1-1 से ड्रॉ खेलकर रिकॉर्ड 11वीं बार फ्रांसीसी फुटबॉल लीग का खिताब जीता। इस जीत से पीएसजी के 37 मैचों में 85 अंक हो गए हैं और वह दूसरे स्थान पर काबिज लेंस से चार अंक आगे हो गया है। लेंस के 37 मैचों में 81 अंक हैं और अब केवल एक दौर के मैच होने बाकी है। मेसी ने 59वें मिनट में काइलियन एम्बाप्पे के पास पर गोल करके पीएसजी को बढ़त दिलाई। पीएसजी के पूर्व स्ट्राइकर केविन गामेरो ने 79वें मिनट में स्ट्रासबर्ग की तरफ से बराबरी का गोल दागा।

मेसी का यह यूरोप में लीग मैचों में 496वां गोल था और इस तरह से उन्होंने यूरोप की शीर्ष पांच लीग में सर्वाधिक गोल करने के क्रिस्टियानो रोनाल्डो का रिकॉर्ड तोड़ा। लेंस ने एक अन्य मैच में अजाशियो को 3-0 से हराकर अपना दूसरा स्थान सुनिश्चित किया। इससे उसने अगले सत्र में होने वाली चैंपियंस लीग में भी अपनी जगह पक्की की। पीएसजी ने फ्रांस की पूर्व दिग्गज टीम सैंट एटीने को पीछे छोड़ा जिसने अपना 10वां और आखिरी खिताब 1981 में जीता था। सैंट एटीने पिछले साल दूसरी डिवीजन में खिसक गया था।

साक्षी मलिक ने महिला सिपाही के पेट पर मारी लात, बेहोश कर्मी अस्पताल में भर्ती

नई दिल्ली। बृजभूषण शरण पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए नए संसद भवन की ओर कूच कर रहे कुछ पहलवानों को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में लिया है। बताया जा रहा है कि इस दौरान साक्षी मलिक ने एक महिला सिपाही के पेट में लात मार दी, जिससे वह बेहोश हो गई।

दिल्ली के जंतर-मंतर में भारतीय पहलवान लंबे समय से डब्ल्यूएफआई के अध्यक्ष बृजभूषण शरण पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। कुश्ती संघ के अध्यक्ष और भाजपा नेता बृजभूषण शरण सिंह पर कई महिला पहलवानों ने मानसिक और यौन शोषण का आरोप लगाया है। पहलवानों ने आज नए संसद भवन की ओर कूच करने के आह्वान के साथ महिला सम्मान महापंचायत की घोषणा की थी, जिसको रोकने के लिए पुलिस की ओर से कड़े बंदोबस्त किए गए थे। जैसे ही पहलवानों ने संसद भवन की ओर मार्च निकाला तो उनकी दिल्ली पुलिस से हाथापाई हुई और पुलिस ने कई पहलवानों को हिरासत में ले लिया। पहलवानों ने अपने समर्थकों के साथ जैसे नए संसद भवन की ओर कूच किया तो पुलिसकर्मियों ने उन्हें हिरासत में ले लिया। जानकारी मिल रही है कि महिला पहलवान साक्षी मलिक से हिरासत में लेते वक्त हाथापाई हुई। इस दौरान साक्षी मलिक ने एक महिला पुलिस कर्मी के पेट में लात मार दी। इससे पुलिसकर्मी वहीं बेहोश हो गई। बताया जा रहा है कि लात लगने के बाद पुलिसकर्मी को इलाज के लिए पास ही के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है।वहीं, पहलवानों का कहना है कि वह शांतिपूर्ण मार्च निकाल रहे थे, लेकिन उसी बीच पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। बताया जा रहा है कि पुलिस ने साक्षी मलिक, बजरंग पूनिया और विनेश फोगाट को हिरासत में लिया है। पूनिया का आरोप था कि पुलिस के अधिकारी बदतमीजी पर उतर आए हैं।

मैं बुमराह का विकल्प नहीं, सिर्फ अपनी जिम्मेदारी निभा रहा था: मधवाल

चेन्नई। इंडियन प्रीमियर लीग के एलिमिनेटर में लखनऊ सुपरजाइंट्स के खिलाफ मुंबई इंडियन्स की 81 रन की आसान जीत में अहम भूमिका निभाने वाले आकाश मधवाल स्वयं को जसप्रीत बुमराह का विकल्प नहीं मानते और टीम द्वारा दी गई जिम्मेदारी को पूरा करके खुश हैं। उत्तराखंड के इंजीनियर मधवाल ने बुधवार रात 3.3 ओवर में पांच रन देकर पांच विकेट चटकाए जिससे मुंबई इंडियन्स की टीम फाइनल में जगह बनाने के एक और कदम करीब पहुंच गई। मधवाल ने मैच के बाद कहा, ''मैं टीम द्वारा दी गई जिम्मेदारी को पूरा करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास कर रहा हूं। मैं बुमराह का विकल्प नहीं हूं लेकिन मैं जो कर सकता हूं उसे करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास कर रहा हूं।'मौजूदा सत्र में चेन्नई में एमए चिदंबरम स्टेडियम की पिच से तेज गेंदबाजों को अधिक मदद नहीं मिली लेकिन मधवाल ने बताया कि क्या चीज उनके पक्ष में रही। मधवाल ने कहा, ''चेपक का विकेट अच्छा था। आपने देखा होगा कि गेंद रुककर नहीं आ रही थी बल्कि तेजी से निकल रही थी। मैं स्विंग गेंदबाज हूं और मुश्किल लेंथ पर गेंदबाजी करके विकेट हासिल करने की कोशिश करता हूं।'' मधवाल ने कहा कि कप्तान रोहित शर्मा को पता है कि उनके मजबूत पक्ष क्या हैं और इनका कैसे इस्तेमाल करना है। उन्होंने कहा, ''रोहित को पता है कि यॉर्कर मेरा मजबूत पक्ष है लेकिन नेट सत्र और अभ्यास मुकाबलों के दौरान उन्हें पता चला कि मैं नई गेंद से भी गेंदबाजी कर सकता हूं।''

मधवाल ने कहा, ''इसलिए उन्हें पता था कि स्थिति की जरूरत के अनुसार मेरा इस्तेमाल कैसे करना है।'' इस बीच सुपरजाइंट्स के तेज गेंदबाज नवीन उल हक ने कहा कि उन्होंने बुधवार को स्टेडियम में 'कोहली, कोहली' के नारों का लुत्फ उठाया क्योंकि इससे उन्हें अपनी टीम के लिए अच्छा करने का जज्बा मिला। मौजूदा आईपीएल के लीग चरण के दौरान नवीन और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के स्टार बल्लेबाज कोहली के बीच तीखी बहस हुई थी।

मुंबई के खिलाफ एलिमिनेटर में 38 रन पर चार विकेट चटकाने वाले नवीन ने कहा, ''मैंने इसका लुत्फ उठाया। मुझे मैदान पर सभी का उसका (विराट कोहली) या किसी अन्य खिलाड़ी का नाम लेना पसंद है। यह मुझे अपनी टीम के लिए अच्छा करने का जज्बा देता है।'' उन्होंने कहा, ''मैं बाहरी चीजों के बारे में नहीं सोचता। मैं सिर्फ अपने क्रिकेट और अपनी प्रक्रिया पर ध्यान लगाता हूं। दर्शकों के नारे लगाने या किसी और के कुछ कहने का मुझे पर कोई असर नहीं होता।'' नवीन ने कहा, ''पेशेवर खिलाड़ी के रूप में आपको इसके साथ चलना होगा। जब आप अपनी टीम के लिए अच्छा नहीं करोगे तो प्रशंसक आपको निशाना बनाएंगे। जब आप अपनी टीम के लिए अच्छा करोगे तो यही लोग आपकी सराहना करेंगे। यह खेल का हिस्सा है।

नए कोच फुल्टन के मार्गदर्शन में प्रो लीग में दबदबा बरकरार रखने उतरेगा भारत

लंदन। उत्साह से भरी भारतीय पुरुष हॉकी टीम एफआईएच प्रो लीग में घरेलू चरण की फॉर्म को शुक्रवार को यहां ओलंपियन बेल्जियम से मुकाबले के साथ शुरू हो रहे यूरोपीय चरण में भी बरकरार रखने की कोशिश करेगी। टूर्नामेंट के यूरोपीय चरण के दौरान भारत आइंडहोवेन में मेजबान नीदरलैंड और अर्जेन्टीना से भी भिड़ेगा। भारत इस साल की शुरुआत में विश्व कप में निराशाजनक प्रदर्शन से उबरकर 2022-23 की प्रो लीग तालिका में शीर्ष पर चल रहा है। टीम इस दौरान विश्व चैंपियन जर्मनी और ऑस्ट्रेलिया की मजबूत टीम के खिलाफ अजेय रही। भारत ने राउरकेला चरण में तीन सीधी जीत दर्ज की जबकि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे मैच में भी शूटआउट जीतकर बोनस अंक जुटाया। भारत आठ मैच में पांच सीधी जीत और दो शूट आउट जीतकर 19 अंक के साथ अभी अंक तालिका में शीर्ष पर है।हरमनप्रीत सिंह की अगुआई वाली टीम शुक्रवार को यहां जब बेल्जियम और शनिवार को ग्रेट ब्रिटेन से भिड़ेगी तो उसकी नजरें जीत की लय को बरकरार रखने पर होगी। मेजबान ग्रेट ब्रिटेन की टीम भी अच्छी फॉर्म में चल रही है। टीम ने क्राइस्टचर्च में न्यूजीलैंड के खिलाफ 5-2 और 6-1 से जीत दर्ज की और आस्ट्रेलिया को भी 2-1 और 3-3 (शूट आउट में 4-2 से जीत) से हराया। ग्रेट ब्रिटेन के भी आठ मैच में चार सीधी जीत और शूटआउट में तीन जीत से 19 अंक हैं।

पुलिस ने प्रदर्शनकारी पहलवानों को हिरासत में लिया, जंतर मंतर पर उखाड़ फेंके गए पदक विजेताओं के तंबू

ओलंपिक पदक विजेता बजरंग पूनिया, साक्षी और एशियाई खेलों की स्वर्ण विजेता विनेश सहित आंदोलनकारी पहलवान डब्ल्यूएफआई के निवर्तमान अध्यक्ष बृजभूषण की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं जिन पर उन्होंने कई महिला पहलवानों का यौन उत्पीड़न करने का आरोप लगाया है।विनेश फोगाट, साक्षी मलिक और बजरंग पूनिया को दिल्ली पुलिस ने रविवार को सुरक्षा घेरा तोड़कर महिला 'महापंचायत' के लिए नए संसद भवन की ओर बढ़ने की कोशिश करने के बाद कानून और व्यवस्था के उल्लंघन के लिए हिरासत में ले लिया जिससे जंतर-मंतर पर पहलवानों के विरोध-प्रदर्शन का अंत हो सकता है। पहलवानों को जबरदस्ती बसों में बैठाकर अज्ञात स्थल पर भेज दिया गया।पुलिस ने इसके बाद पहलवानों के अन्य सामान के साथ चारपाई, गद्दे, कूलर, पंखे और तिरपाल की छत को हटा दिया। शीर्ष पहलवानों ने 23 अप्रैल को भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह को गिरफ्तार करने की मांग को लेकर अपना आंदोलन फिर से शुरू किया था। जंतर-मंतर पर अफरातफरी के बीच पहलवानों और पुलिस अधिकारियों ने एक-दूसरे को धक्का दिया और विनेश फोगाट और उनकी बहन संगीता फोगाट ने बैरिकेड तोड़ने की कोशिश की। विनेश ने हिरासत में लिए जाने के प्रयास के दौरान कड़ा प्रतिरोध किया और संगीता उनसे लिपट कर सड़क पर लेट गई।पुलिस अधिकारियों ने उन्हें कई अन्य पहलवानों और उनके समर्थकों के साथ घसीटते हुए बसों में बैठा दिया। कानून और व्यवस्था के

विशेष पुलिस आयुक्त दीपेंद्र पाठक ने कहा, ''उन्हें कानून और व्यवस्था का उल्लंघन करने के आरोप में हिरासत में लिया गया है। हम जांच के बाद कानूनी कार्रवाई करेंगे।'' पहलवानों के नए संसद भवन के सामने रविवार को 'महिला सम्मान महापंचायत के आह्वान के बाद दिल्ली पुलिस ने जंतर-मंतर पर सुरक्षा कड़ी कर दी थी। संसद भवन की नई इमारत का उद्घाटन रविवार सुबह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया। लुटियंस दिल्ली इलाके में हजारों पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया था और कई जगत बैरिकेड लगाए गए। संसद भवन से करीब दो किलोमीटर दूर बैठकर प्रदर्शन कर रहे पहलवानों ने कहा था कि वे किसी भी कीमत पर नए संसद भवन के पास अपनी 'महापंचायत' करेंगे।हालांकि पुलिस ने कहा कि किसी भी प्रदर्शनकारी को नए भवन की ओर नहीं जाने दिया जाएगा क्योंकि इसके लिए अनुमति नहीं दी गई है और पहलवानों को किसी भी 'राष्ट्र-विरोधी गतिविधि' में शामिल नहीं होना चाहिए। ओलंपिक पदक विजेता बजरंग पूनिया, साक्षी और एशियाई खेलों की स्वर्ण विजेता विनेश सहित आंदोलनकारी पहलवान डब्ल्यूएफआई के निवर्तमान अध्यक्ष बृजभूषण की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं जिन पर उन्होंने कई महिला पहलवानों का यौन उत्पीड़न करने का आरोप लगाया है।पहलवानों ने कहा था कि पुलिस का बल प्रयोग उन्हें शांतिपूर्ण मार्च और महापंचायत से नहीं रोक पाएगा। चलती बस से एक पहलवान के समर्थक द्वारा साझा की गई 'लाइव लोकेशन' के अनुसार उन्हें टिकरी बॉर्डर की ओर ले जाया जा रहा था। पहलवानों द्वारा साझा किए गए एक अन्य वीडियो में जब पुलिस उन्हें वाहन में ले जा रही थी तो साक्षी के पति सत्यव्रत कादियान और जितेंद्र किन्हा को कई अन्य लोगों के साथ 'इंकलाब जिंदाबाद' के नारे लगाते हुए देखा जा सकता है।

कोहली से इतर किसी के बारे में सोचना मुश्किल: माइकल हसी

हसी ने आईसीसी वेबसाइट से कहा,'' कोहली से इतर किसी अन्य खिलाड़ी के बारे में सोचना मुश्किल है। उन्होंने (कोहली) निश्चित रूप से खेल के प्रत्येक प्रारूप में शानदार फॉर्म में वापसी की है तथा उनका और रोहित शर्मा का बल्लेबाजी में प्रदर्शन भारत के लिए काफी महत्वपूर्ण होगा।''

नयी दिल्ली। माइकल हसी का मानना है कि अगर भारत को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सात जून से लंदन के ओवल में शुरू होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का फाइनल जीतना है तो विराट कोहली का प्रदर्शन काफी मायने रखेगा। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज ने कहा कि डब्ल्यूटीसी फाइनल में भारत की जीत की संभावना के लिए कोहली के अलावा कप्तान रोहित शर्मा का प्रदर्शन भी काफी महत्वपूर्ण होगा। हसी ने आईसीसी वेबसाइट से कहा,'' कोहली से इतर किसी अन्य खिलाड़ी के बारे में सोचना मुश्किल है। उन्होंने (कोहली) निश्चित रूप से खेल के प्रत्येक प्रारूप में शानदार फॉर्म में वापसी की है तथा उनका और रोहित शर्मा का बल्लेबाजी में प्रदर्शन भारत के लिए काफी महत्वपूर्ण होगा।''कोहली फिर से अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में लौट आए हैं और उन्होंने हाल में इंडियन प्रीमियर लीग में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर की तरफ से लगातार मैचों में शतक जमाए थे। कोहली अपने साथी खिलाड़ी मोहम्मद सिराज के साथ इंग्लैंड पहुंच चुके हैं और फाइनल से पहले कैंट क्रिकेट ग्राउंड पर अभ्यास कर रहे हैं। भारत ने हाल में आस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में जीत दर्ज की थी लेकिन हसी का मानना है कि डब्ल्यूटीसी फाइनल पूरी तरह से अलग तरह का खेल होगा। उन्होंने कहा,'' यह मैच इंग्लैंड में खेला जाएगा तथा वहां की परिस्थितियां भारत की तुलना में भिन्न होंगी, इसलिए मुझे लगता है कि तेज गेंदबाजों की भूमिका अहम होगी।'' हसी ने कहा,'' ऑस्ट्रेलिया के लिए पैट कमिंस की भूमिका महत्वपूर्ण होगी और जोश हेजलवुड फिर से फिट हो जाते हैं तो यह ऑस्ट्रेलिया के लिए अच्छा होगा।''

उन्होंने कहा,'' लेकिन भारत के पास भी कई अच्छे गेंदबाज हैं।उनके पास मोहम्मद सिराज और मोहम्मद शमी जैसे तेज गेंदबाज तथा रविंद्र जडेजा और रविचंद्रन अश्विन जैसे स्पिनर हैं। यह विश्वस्तरीय आक्रमण है और ऑस्ट्रेलिया को उनसे पार पाने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।'' हसी ने इस मैच में किसी टीम को जीत के दावेदार के रूप में नहीं चुना। दबाव भारत पर होगा जिसने 2013 के बाद आईसीसी का कोई खिताब नहीं जीता है। आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स के सहयोगी स्टाफ में शामिल हसी ने कहा,'' मैं केवल दो श्रेष्ठ टीमों को खेलते हुए देखना चाहता हूं। यह देखना दिलचस्प होगा कौन सी टीम जीत दर्ज करती है। हम केवल अच्छी, कड़ी और निष्पक्ष क्रिकेट देखना चाहते हैं और जो भी टीम अच्छा प्रदर्शन करेगी वह जीत की दावेदार होगी। यह शानदार मैच होना चाहिए।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद में एक और दावा पेश किया गया

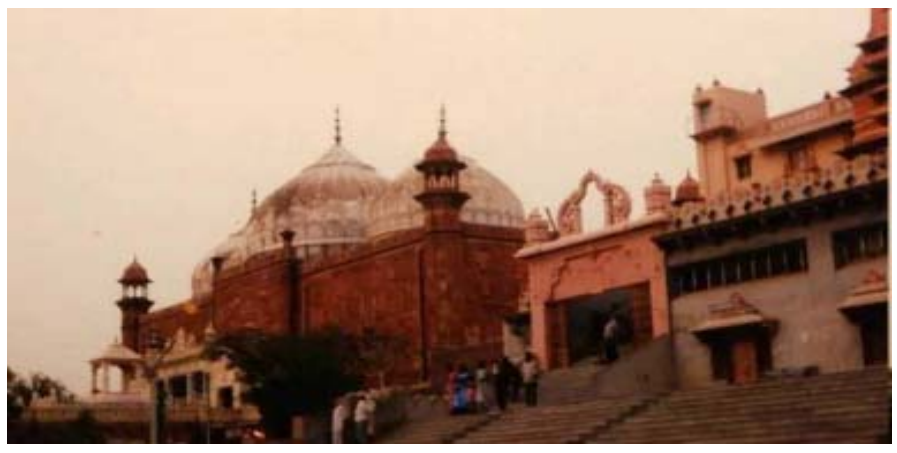

उत्तर प्रदेश के मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद में अब एक और दावा पेश किया गया है। सोमवार को दीवानी न्यायाधीश सीनियर डिवीजन अदालत में पेश किए गए इस दावे में भी कहा गया है कि औरंगजेब ने ठाकुर केशवदेव मंदिर को ढहाकर उसके स्थान पर ही ईदगाह का निर्माण कराया है। ठाकुर केशवदेव एवं श्रीकृष्ण विराजमान के बाद श्रीकृष्ण लला के अनुयायी के रूप में पेश किए दावे की पुष्टि के लिए उन तमाम पुस्तकों का हवाला दिया गया है, जिनमें कहीं भी प्राचीन केशवदेव या केशवराय मंदिर को तोड़कर ईदगाह का निर्माण कराए जाने का जिक्र किया गया है।वादी पक्ष के अधिवक्ता कपिल चतुर्वेदी ने बताया कि पूर्वी दिल्ली निवासी नरेश कुमार यादव एवं समयपाल सिंह का कहना है कि उक्त 13.37 एकड़ क्षेत्र में आने वाली सम्पूर्ण भूमि श्रीकृष्ण लला की है। अधिवक्ता कपिल चतुर्वेदी ने बताया कि उनका कहना है कि सन् 1670 में भले ही औरंगजेब ने मंदिर तुड़वाकर उसके स्थान पर ईदगाह बनवा दी हो, परंतु यह स्थान पहले भी देवस्थान था और अब भी है, इसलिए ईदगाह को वहां से हटवाकर सम्पूर्ण परिसर मंदिर के हवाले किया जाए।

उन्होंने यह बताया कि दावाकर्ताओं ने अपनी प्रार्थना में अनुरोध किया है कि चूंकि प्रतिवादी सुन्नी सेण्ट्रल वक्फ बोर्ड, शाही ईदगाह कमेटी अथवा उस प्रकार की सोच वाले लोगों से मंदिर एवं देवस्थान के विग्रह आदि प्रतिमानों को खतरा है, इसलिए उन सभी को सम्पूर्ण परिसर में प्रवेश करने, अतिक्रमण अथवा किसी भी प्रकार का छोटा या बड़ा निर्माण करने पर रोक लगाई जाए। प्रतिवादी ईदगाह कमेटी के सचिव तौकीर अहमद ने कहा कि पहले भी इस प्रकार के कई दावे अदालत में पेश किए जा चुके हैं, परंतु ये सभी नागरिक प्रक्रिया संहिता की धारा-सात नियम-11 के तहत सुनवाई योग्य ही नहीं हैं। उन्होंने कहा कि साथ ही, इस प्रकार के सभी मामले 1991 के उपासना स्थल अधिनियम के तहत बाधित हैं। उन्होंने कहा, ''अभी हमें दावे की प्रति प्राप्त नहीं हुई है। जब प्रति मिल जाएगी, तब उसका अध्ययन करके जवाब दाखिल कर देंगे।

सरकारी अस्पतालों में उड़ रहीं सरकारी नियमों की धज्जियां, मरीजों को 'ठगा' जा रहा

प्राइवेट अस्पतालज् ये नाम सुनते ही आमतौर पर लोगों के दिमाग में एक ही बात आती है, महंगा इलाज और महंगी दवाइयां. आमतौर पर चर्चाओं में कहा जाता है कि प्राइवेट अस्पताल तो नोट छापने की मशीन बन चुके हैं. लेकिन आज हम सरकारी अस्पतालों में महंगी दवाएं लिखने वाली गैरकानूनी प्रैक्टिस का पर्दाफाश करेंगे और आपको बताएंगे कि कैसे देश के बड़े बड़े सरकारी अस्पतालों में सरकारी नियमों की धज्जियां उड़ाकर मरीजों को महंगी दवाएं खरीदने के लिए मजबूर किया जा रहा है.

हमारे पास भारत सरकार केकेंद्र सरकार के सभी अस्पतालों को इसी 12 मई को लिखा गया है. इस पत्र में ष्ठत्र ।।स ने केंद्र सरकार के सभी सरकारी अस्पतालों को चेतावनी भरे लहजे में बता रहा है कि भारत सरकार बीते कई वर्षो से लगातार केंद्र सरकार के अस्पतालों में काम करने वाले डॉक्टरों को आदेश दे चुकी है कि मरीजों को सिर्फ सस्ती जेनेरिक दवाएं ही लिखी जाएं लेकिन इसके बावजूद केंद्र सरकार के अस्पतालों में काम करने वाले डॉक्टर लगातार मरीजों को सस्ती Generic दवाओं की जगह, महंगी Branded दवाएं लिख रहे हैं.

इस लेटर में केंद्र सरकार के सभी अस्पतालों के प्रमुखों को य करने का निर्देश दे रहा है कि डॉक्टर मरीजों को सिर्फ सस्ती त्वद्गठ्ठद्दह्लद्धड्ढ दवाएं ही लिखें. इस पत्र में ष्ठत्र ।।स ने ये भी साफ किया था कि अगर कोई डॉक्टर केंद्र सरकार के इस आदेश को नहीं मानेगा तो उस पर कठोर कार्रवाई की जाएगी.

यानी भारत सरकार पत्र लिख कर सरकारी अस्पतालों के डॉक्टरों से कह रही है कि वो मरीजों को सस्ती जेनेरिक दवाएं ही लिखें. ना की महंगी ब्रांडेड दवाएं लेकिन भारत सरकार के इस आदेश का सरकारी अस्पतालों के डॉक्टरों पर कोई असर हो भी रहा है या नहीं?

इंडियन मेडिकल काउंसिल रेगुलेशन्स 2002 कहता है कि मरीजों को दवाओं की पर्ची पर सभी डॉक्टर्स सिर्फ दवाओं के जेनरिक नाम लिखेंगे यानी किसी खास ब्रांड का नाम नहीं लिख सकते. The National Medical Commission Act 2019 कहता है कि राज्यों की मेडिकल काउंसिल्स को ये अधिकार है कि अगर कोई डॉक्टर जेनरिक दवाओं के नाम ना लिखने के नियम का पालन नहीं करता तो उसके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है.अब सोचने की बात ये है कि आखिर वो कौन सी वजह है. जो सरकारी अस्पतालों के डॉक्टरों को सरकारी आदेश का पालन ना करने की ताकत दे रही है. जबकि सरकारी अस्पताल तो होते ही इसलिए हैं कि वहां मरीजों को मुफ्त या सस्ता इलाज और दवाइयां मिलें. आखिर क्या वजह है कि सरकारी अस्पतालों के डॉक्टर मरीजों को जेनरिक दवाएं नहीं लिख रहे और आखिर ये क्यों ना माना जाए कि एम्स और सफदरजंग जैसे बड़े अस्पतालों में भी प्राइवेट अस्पतालों की दवा कंपनियों के साथ सांठ-गांठ चल रही है और अगर ऐसा नहीं है तो फिर सरकारी आदेश का पालन क्यों नहीं हो रहा?सफदरजंग अस्पताल के रूस् डॉक्टर बी एल शेरवाल ने कहा कि केंद्र सरकार के आदेश के बाद, सफदरजंग अस्पताल का प्रशासन भी कड़ाई से काम कर रहा है कि अस्पताल में काम करने वाले डॉक्टर सिर्फ Generic दवाएं ही लिखें और ष्ठत्र ।।स के आदेश की किसी भी प्रकार से अवहेलना ना हो सके.इसी तरह AIIMS की प्रवक्ता डॉक्टर रीमा दादा ने हमारी पड़ताल पर अस्पताल का पक्ष रखते हुए कहा कि AIIMS के ज्यादातर डॉक्टर GENERIC दवाएं ही लिख रहे हैं. हो सकता है की ब्रांडेड दवाएं किसी अन्य मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर जो AIIMS में काम कर रहे हैं वो लिख रहे हो लेकिन AIIMS प्रशासन ष्ठत्र ।।स के आदेश का पूरी तरह से पालन करने की कोशिश कर रहा है.

केसरिया कुर्ता पहनने पर इमाम ने धमकाया, नमाज पढ़ने से रोका; पुलिस तक पहुंचा मामला

उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद जिले में एक मस्जिद के 45 वर्षीय इमाम पर भगवा कुर्ते में एक स्थानीय निवासी को मस्जिद में दाखिल होने से रोकने और उसका अपमान करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है. इस मामले के शिकायतकर्ता आसिफ अली खान ने शमशाबाद कोतवाली में शिकायत दर्ज कराते हुए कहा था कि भगवा रंग का कुर्ता पहनने की वजह से उसे मस्जिद से बाहर निकलने के लिए मजबूर करने के साथ दूसरों के सामने उसका अपमान किया गया था.टीओआई में प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक मुहल्ला कोट स्थित जामा मस्जिद के इमाम महताब हाफिज के खिलाफ थाने में मुकदमा दर्ज हुआ है. शिकायतकर्ता आसिफ अली खान ने कहा कि भगवा कपड़ों की वजह से इमाम ने उसे टोका तो उन्होंने कहा कि मजहब का कोई रंग नहीं होता है. इसके बाद इमाम ने कहा दोबारा इन कपड़ों में आने की जरूरत नहीं है. आरोप ये भी है कि इमाम ने शिकायतकर्ता को धमकाते हुए कहा कि मुस्लिम साम्राज्य होता तो दिखा देते कि भगवा कुर्ता पहन कर मस्जिद में आने पर क्या सजा मिलती?

इस मामले को लेकर शमशाबाद पुलिस स्टेशन के थानाध्यक्ष ने कहा कि घटना कुछ दिन पुरानी है. इमाम मेहताब हाफिज जिसने शिकायतकर्ता को प्रताड़ित किया था उसके खिलाफ आईपीसी की धारा 506 (आपराधिक धमकी) के तहत मामला दर्ज किया गया है. अभी इस मामले की जांच जारी है. वहीं कायमगंज के डिप्टी एसपी सोहराब आलम ने कहा, हम यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि इमाम ने व्यक्ति को मस्जिद में प्रवेश करने से क्यों रोका. क्या भगवा कुर्ता ही एकमात्र कारण था या इसके पीछे कोई और वजह थी. कुछ अन्य रिपोर्ट्स के मुताबिक शमसाबाद कस्बा के मुहल्ला काजी टोला निवासी कुंवर आसिफ अली खां मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के जिला संयोजक हैं.

लाउडस्पीकर पर सीएम योगी के सख्त निर्देश, कहा- रोक के बावजूद लगाना बर्दाश्त नहीं

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने धार्मिक स्थलों पर लाउडस्पीकर पर सख्त निर्देश दिए हैं. उन्होंने कहा कि रोक के बावजूद लाउडस्पीकर लगाना बर्दाश्त नहीं है. सीएम योगी ने अधिकारियों से कहा कि अभियान चलाकर धार्मिक स्थलों पर लगे लाउडस्पीकरों की ध्वनि पूर्व की भांति मानक के अनुरुप नियंत्रित कराई जाए.

उन्होंने कहा, कुछ महीने पहले सहज संवाद के माध्यम से धर्मस्थलों से लाउडस्पीकर हटाने की कार्यवाही हुई थी. लोगों ने जनहित को प्राथमिकता देते हुए स्वेच्छा से लाउडस्पीकर हटाए. सीएम योगी ने कहा कि कई जिलों में दौरों के समय उन्होंने अनुभव किया कि कुछ जिलों में फिर से लाउडस्पीकर लगाए जा रहे हैं. ये बर्दाश्त नहीं है. अधिकारी तत्काल संपर्क संवाद कर आदर्श स्थिति स्थापित कराएं.

मुख्यमंत्री ने कहा, ध्वनि प्रदूषण पर सख्ती से रोक लगाई जाए. सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइडन का अनुपालन सुनिश्चित कराया जाए. उन्होंने अधिकारियों से कहा कि मांगलिक कार्यक्रम से पहले डीजे और म्यूजिक सिस्टम संचालकों से संवाद कायम करें. किसी को भी अव्यवस्था फैलाने की छूट नहीं मिलनी चाहिए.बता दें कि यूपी सरकार बड़े पैमाने पर धार्मिक स्थलों से लाउडस्पीकर हटा दिए थे. सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा था कि यूपी में लाखों की संख्या में लाउडस्पीकर हटाए जा चुके हैं और अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि लाउडस्पीकरों को दोबारा न लगाया जाए.

प्रदेश में हाल ही में हुए नगरीय निकाय चुनाव और पर्व त्योहारों के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को एक उच्चस्तरीय बैठक में गृह विभाग की समीक्षा की. इस दौरान उन्होंने शासन स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों तथा जिला, रेंज, जोन व मंडल स्तर पर तैनात वरिष्ठ प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारीगणों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये बैठक कर जरूरी दिशा-निर्देश दिए.

14 साल की लड़की का बलात्कार करता रहा कसाई, प्रेग्नेंट हुई तो कराया अबॉर्शन

लखनऊ के गोसाईगंज में एक चौथी क्लास की लड़की के साथ बलात्कार का चौंका देने वाला मामला सामने आया है. 14 साल की दलित लड़की का उसके पिता की उम्र के एक कसाई ने यौन उत्पीड़न और गर्भपात कराया. आरोपी की क्रूरता जब साने आई तो उसने माफी मांगने के बजाय पीड़ित परिवार को 4-5 लाख रुपये नकद देने की पेशकश कर मामला रफा-दफा करना चाहा. रविवार को पीड़ित परिवार ने शिकायत दर्ज कराई तो पुलिस को घटना का पता चला.

लड़की के साथ रेप की शिकायत मिलते ही पुलिस टीम ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया. आरोपी की पहचान मोहम्मद उमर (40) उर्फ गुड्डा के रूप में हुई है. वह पेशे से कसाई है. पुलिस ने कहा कि आरोपी इलाके में एक दुकान चलाता था और जब उसने लड़की को स्कूल जाते देखा तो उसे पकड़ लिया.

आरोपी उमर ने लड़की के साथ ज़बरदस्ती की और उसे उसके साथ हुए बुरे बर्ताव के बारे में चुप रहने की धमकी दी. उस दुर्भाग्यपूर्ण दिन के बाद से वह उसे रोकता था और उसे किसी जगह ले जाता था और उसके साथ बलात्कार करता था. आरोपी की धमकी के बाद मासूम लड़की मानसिक दबाव में थी और एक दिन वह गर्भवती हो गई. गोसाईगंज के एसएचओ दीपक पांडे ने कहा कि पीड़िता ने जब इसकी शिकायत आरोपी से की तो वह उसे डॉक्टर के पास ले गया और भ्रूण का गर्भपात करा दिया. गर्भपात के कारण लड़की को खून की कमी हो गई और इससे उसके माता-पिता चिंतित हो गए. उन्होंने डॉक्टर से संपर्क किया जहां लड़की के साथ हुई दरिंदगी का खुलासा हुआ.

आरोपियों ने मामले को रफा-दफा करने के लिए पीड़ित परिवार को 4-5 लाख रुपये की पेशकश की थी. लेकिन यह बात ग्रामीणों के बीच लीक हो गई और उन्होंने आरोपियों के सुलह के तरीके पर नाराजगी जताई. बाद में पुलिस हरकत में आई और इस सिलसिले में मामला दर्ज किया गया. पीड़िता के परिजनों ने भी दावा किया कि आरोपी पक्ष के लोगों ने मामले को निपटाने के लिए उन्हें पैसे की पेशकश की. सूत्रों ने कहा कि गर्भपात इलाके में एक निजी चिकित्सक के क्लिनिक में किया गया था.

दिल्ली की श्रद्धा वाकर मर्डर केस जैसा

लिवइन पार्टनर की हत्या, पत्थर काटने वाली मशीन से किए लाश के टुकड़े, फ्रिज में छिपाया

नई दिल्ली। दिल्ली की श्रद्धा वाकर मर्डर केस आपको याद ही होगी। वही जिसमें आफताब नामक शख्स ने दरिंदगी की हदें पार करते हुए लिव इन पार्टनर श्रद्धा की बेरहमी से हत्या की थी। पुलिस अभी भी इस मामले की जांच में जुटी है। इस बीच श्रद्धा जैसी ही एक दिल दहला देने वाली कहानी हैदराबाद से सामने आई है। यहां एक व्यक्ति ने अपनी लिव-इन पार्टनर की हत्या कर दी और उसके शरीर को पत्थर काटने वाली मशीन से टुकड़ों में काटकर फ्रिज में रखा, उसके बाद अलग-अलग जगहों पर फेंक दिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ ने उसने हत्या की बात स्वीकार कर ली है। साथ ही उसने पूरे घटनाक्रम के बारे में भी पुलिस को बताया।

जिसे सुनकर जांच अधिकारियों के भी होश उड़ गए।पति को छोड़ 15 साल से लिव इन में रह रही थी महिलामामले का खुलासा करते हुए दक्षिण-पूर्व जोन के डीसीपी रूपेश चेन्नुरी ने कहा कि पुलिस ने शेयर बाजार में ऑनलाइन ट्रेडिंग करने वाले अविवाहित बी. चंद्र मोहन को लिव इन पार्टनर यारम अनुराधा रेड्डी की हत्या के मामले में गिरफ्तार किया है। 55 वर्षीय आरोपी बी. चंद्र मोहन के 48 साल की यारम अनुराधा रेड्डी के साथ पिछले 15 साल से अवैध संबंध थे।ब्याज पर पैसा देती थी महिला, लिव इन पार्टनर ने भी लिए थे 7 लाख रुपए यारम अनुराधा रेड्डी काफी कुछ समय पहले अपने पति से अलग होकर दिलसुखनगर स्थित चैतन्यपुरी कॉलोनी में रह रही थी। चैतन्यपुरी में आरोपी बी. चंद्र मोहन का घर है। यहीं अनुराधा उसके साथ रह रही थी। पुलिस ने बताया कि महिला 2018 से ब्याज पर जरूरतमंदों को पैसा उधार देती थी। उनके बीच मतभेद तब पैदा हुए, जब मोहन ने उससे ऑनलाइन व्यापार करने के लिए लगभग 7 लाख रुपये लिए थे।पैसा चुकाने में विफल होने पर रची हत्या की साजिशपुलिस की पूछताछ में आरोपी ने बताया कि 7 लाख रुपए देने के लिए अनुराधा बार-बार उसपर दवाब बना रही थी। उसके बार-

लिवइन पार्टनर अनुराधा की हत्या का आरोपी बी. चंद्र मोहन

बार अनुरोध के बावजूद वह चुकाने में विफल रहा। जब महिला ने उस पर पैसों के लिए दवाब बनाया तो वह उससे रंजिश रखने लगा और उसे जान से मारने की योजना बनाई। 12 मई को आरोपी ने अनुराधा के साथ झगड़ा किया और उस पर चाकू से हमला कर दिया। उसने सीने और पेट पर चाकू से वार किया, जिससे उसकी मौत हो गई।

पत्थर काटने वाली मशीन से किए लाश के टुकड़े

अनुराधा की हत्या करने के बाद आरोपी ने शव को टुकड़ों में काटकर ठिकाने लगाने के लिए पत्थर काटने की दो छोटी मशीनें खरीदीं। उसने धड़ से सिर काटकर काले पॉलीथिन के कवर में रख दिया। फिर उसने टांगों और हाथों को धड़ से अलग किया, टांगों और हाथों को रेफ्रिजरेटर में रख दिया और डिस्पोजल के लिए धड़ को एक सूटकेस में रख दिया।

लाश के दुर्गंध को छिपाने के लिए इत्र का किया इस्तेमाल

इसके बाद आरोपी ने पीड़िता के पैर और हाथ अपने घर के एक रेफ्रिजरेटर (फ्रीज) में रख दिए थे। घर में लाश से उठने वाले दुर्गंध से बचने के लिए उस पर इत्र का छिड़काव किया था। पुलिस को मामले की भनक तक लगी जब 17 मई को शहर में मुसी नदी के पास एक कटा हुआ सिर मिला था। बाद में इस मामले की जांच में पुलिस ने इस सनसनीखेज वारदात का खुलासा किया।दक्षिण-पूर्व जोन के डीसीपी रूपेश चेन्नुरी ने कहा कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसने पूछताछ में अपना अपराध कबूल किया है। अब पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है। पुलिस ने यह भी बताया कि महिला के पति का निधन हो गया था, जिसके बाद उसने एक अस्पताल में नर्स के रूप में काम भी किया। इसी दौरान वह आरोपी चंद्र मोहन के करीब आई।

वंदे मातरम् गाने को लेकर कटा बवाल, बीजेपी और AIMIM पार्षदों के बीच जमकर हुई हाथापाई

उत्तर प्रदेश के मेरठ में पार्षदों ने शपथ ग्रहण समारोह में जमकर बवाल काटा है. मामला वंदे मातरम् गाने को लेकर शुरू हुआ. भारतीय जनता पार्टी औरAIMIM के पार्षदों के बीच हंगामा इतना ज्यादा बढ़ गया कि नौबत मारपीट तक आ गई. जिला प्रशासन के आला अधिकारियों ने मौके पर हालात को संभाला और पार्षदों को सभा स्थल से बाहर निकाला. भारतीय जनता पाटी के पार्षदों ने आरोप लगाया है कि जब वंदे मातरम् समारोह में गाया जा रहा था, उस दौरान ओवैसी के पार्षद अपने स्थान से खड़े नहीं हुए.AIMIM के पार्षदों की इस हरकत से बीजेपी के सदस्य नाराज हो गए.

नवनिर्वाचित पार्षदों और मेयर का शपथ ग्रहण समारोह चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय (छ्ष्टस्) के नव प्रेक्षागृह में चल रहा था. शपथ ग्रहण के दौरान बीजेपी के पार्षदों ने वंदे मातरम गाना शुरू किया लेकिन इस दौरान AIMIMके पार्षदों ने इसका विरोध किया और अपनी जगह पर बैठे रह गए. ओवैसी के पार्षदों की इस हरकत पर बीजेपी के सदस्यों ने नाराजगी जाहिर की. मामला धीरे-धीरे बढ़ने लगा और बात तू-तू, मैं-मैं तक आ गई. दोनों पार्टी के सदस्यों के बीच तनाव बढ़ता गया और नौबत मारपीट तक पहुंच गई. इसके बाद शपथ ग्रहण हॉल में मामला बेकाबू हो गया तब प्रशासन को बीच-बचाव के लिए आना पड़ा.शपथ ग्रहण समारोह में शामिल राज्यसभा सदस्य लक्ष्मीकांत वाजपेयी ने कहा कि अगर AIMIMके पार्षदों को वंदे मातरम् से दिक्कत थी तो वह चुप रहते लेकिन बेवजह उन्होंने टिप्पणी की और लोगों को उकसाने का काम किया. अब तक की खबर के मुताबिक ओवैसी के पार्षदों की तरफ से इस शपथ ग्रहण समारोह का बहिष्कार कर दिया गया है. प्रशासन अपना मोर्चा संभाले हुए है. फिलहाल शपथ ग्रहण समारोह पर बड़ी संख्या में फोर्स को तैनात किया गया है.

राजनीतिक मतभेद भुलाकर नए संसद भवन के उद्घाटन को राष्ट्रीय एकता का अवसर बनाएं: कमल हासन

चेन्नई। अभिनेता एवं नेता कमल हासन ने राजनीतिक दलों से अपने मतभेदों को कुछ देर के लिए भुलाकर नए संसद भवन के उद्घाटन कार्यक्रम का बहिष्कार करने के फैसले पर पुनर्विचार करने और इसे राष्ट्रीय एकता का अवसर बनाने की अपील की। हासन ने कहा कि भारत के नए घर में उसके परिवार के सभी सदस्यों के रहने की जरूरत है। हासन ने कहा कि वह सहभागी लोकतंत्र में विश्वास करते हैं, इसलिए इस कार्यक्रम का बहिष्कार करने वाले सभी विपक्षी दलों से फैसले पर पुनर्विचार करने का आह्वान करते हैं।

हासन ने आग्रह किया, ''कार्यक्रम पर आपकी कोई भी असहमति सार्वजनिक मंचों के साथ-साथ संसद के दोनों सदनों में भी उठाई जा सकती है।'' हासन ने यहां एक बयान में कहा कि राजनीतिक दलों को यह याद रखना चाहिए कि ''हमें बांटने के बजाय जोड़ने वाला और भी बहुत कुछ है।'' उन्होंने कहा कि पूरा देश इस कार्यक्रम के लिए उत्सुक है। मक्कल नीधि मय्यम (एमएनएम) के अध्यक्ष हासन ने कहा, ''दुनिया की निगाहें हम पर हैं। अपने राजनीतिक मतभेद को एक दिन परे रखकर आइए नए संसद भवन के उद्घाटन को राष्ट्रीय एकता का अवसर बनाएं।'' अभिनेता ने 2021 के विधानसभा चुनावों में कोयंबटूर दक्षिण निर्वाचन क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष वानती श्रीनिवासन के खिलाफ चुनाव लड़ा था, लेकिन जीत नहीं मिली। हासन ने कहा कि 28 मई को नए संसद भवन का उद्घाटन पूरे देश के लिए उत्सव का क्षण है और इसने गर्व की भावना का संचार किया है।

उन्होंने कहा, ''मैं इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए भारत सरकार को बधाई देता हूं। भारत की राष्ट्रपति को आमंत्रित नहीं करने और उद्घाटन कार्यक्रम की योजना में विपक्षी दलों को शामिल नहीं करने पर अपनी असहमति बनाए रखते हुए, राष्ट्रहित में मैं नए संसद भवन के उद्घाटन का जश्न मनाने का विकल्प चुनता हूं।''

हासन ने कहा, ''लेकिन राष्ट्रीय गौरव का यह क्षण राजनीतिक रूप से विभाजनकारी हो गया है। मैं प्रधानमंत्री से एक सरल प्रश्न पूछता हूं। कृपया देश को बताएं, भारत की राष्ट्रपति को नए संसद भवन के उद्घाटन में क्यों शामिल नहीं होना चाहिए?'' उन्होंने कहा, ''मैं प्रधानमंत्री को सलाह देता हूं कि वे सद्भावना दिखाएं और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को आमंत्रित करें। नया संसद भवन कोई साधारण इमारत नहीं है। यह लंबे समय तक भारतीय लोकतंत्र का घर रहेगा।'' हासन ने कहा, ''मैं प्रधानमंत्री से इस चूक को सुधारने का आह्वान करता हूं,

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया नये एयरपोर्ट ट्रमिनल का उद्घाटन

यात्री विमानों के साथ फाइटर जेट भी एयरपोर्ट पर उड़ान भर सकेंगे

बीपीएस न्यूज

कानपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शहर के नये एयरपोर्ट ट्रमिनल का शुक्रवार को उद्घाटन कर अपनी सरकार के विकास के सकंल्प को और आगे बडाया।उद्घाटन के इस अवसर पर शहर के सभी विधायक, सांसद एवं महापौर मौजूद रही।

चकेरी मे बने इस नये एयरपोर्ट का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री माधवराव सिंधिया ने केन्द्रीय मंत्री वी.के. सिंह की उपस्थिति में फीता काटकर एवं दीप प्रजवल्लित कर जैसे ही उद्घाटन किया पूरा पंडाल बाबा की जय,जय श्रीराम के नारों से गुंज उठा।कानपुर एयरपोर्ट का उक्त टर्मिनल पुराने के मुकाबले 16 गुना बडा बनाया गया है। ये उन चुनिंदा एयरपोर्ट मे से एक है जँहा फाइटर और यात्री विमान उतर सकेंगे।इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश के सबसे बडे औधोगिक नगरी की पहचान कानपुर की थी अब इस टर्मिनल के जरिए कानपुर के औधोगिक पहचान की नयी शुरुआत हो रही है।यूपी में जिन जिन शहरों में एयर कनैक्टिविटी बेहतर हुई हैं वंहा नये उधम आए है।डबल इंजन की सरकार डबल स्पीड से काम कर रही है।उद्घाटन के पहले विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना, विधायक सुरेन्द्र मैथानी, नीलिमा कटियार, अरुण पाठक, महेश त्रिवेदी, अभिजीत सिंह, अविनाश सिंह, प्रतिभा शुक्ला, मंत्री राकेश सचान,सासंद सत्यदेव पचौरी, देवेंद्र सिंह भोले आदि ने शहर को मिली इस सौगात के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया और कहा कि योगी जी के नेतृत्व मे शहर ही नही बल्कि पूरा प्रदेश विकास के नये किर्तिमान स्थापित कर रहा है।प्रदेश की कानून व्यवस्था काफी चुस्त दुरुस्त है।स्वास्थ्य, शिक्षा व रोजगार के क्षेत्र में भी प्रदेश सरकार का कार्य काफी उल्लेखनीय है।इसका कारण बताते हुए कहा गया कि अब मंत्री , विधायक एवं अफसर अपना घर भरने की बजाए जनता के दु:ख दर्द की चिंता कर रहे हैं।उद्घाटन के इस मौके पर शहर भर से भाजपाई भी अपनी कारो के अलावा बसे भी भरकर कार्यक्रम स्थल पहुंचे।नये बने एयरपोर्ट के बगल में ही तिरंगे रंग का भव्य पंडाल बना था।कुर्सियों पर पहले से ही सभी के लिए एक एक बिस्किट का पैकेट एंव पानी की बोतल रखी थी।पंडाल के हर तरफ बडे बडे कूलर रखे थे ताकि लोगों को चिलचिलाती गर्मी में परेशान न होना पडे।भाजपा वरिष्ठ पार्षद नवीन पंडित, प्रकाश वीर आर्य, धीरज त्रिपाठी, अवध बिहारी अवस्थी, अर्चना पांडे, राजेश बाजपेई, एडवोकेट, राजेश श्रीवास्तव, देवेंद्र सब्बरवाल, हरबंस लाल आदि भी मौजूद रहे।

जमीन पर ट्रिपल इंजन की सरकार, आसमान में हवाई जहाज है : सिंधिया

एयरफोर्स ने रनवे पर रात और कोहरे में उतरने के लिए इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम लगाया

कानपुर। कानपुर को 42 महीने के बाद शुक्रवार को नए एयरपोर्ट की सौगात मिल गई। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने इसका उद्घाटन किया। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कानपुर में चकेरी में नए एयरपोर्ट टर्मिनल के उद्घाटन के अवसर पर कहा कि आज कानपुर के लोगों की आंखों में नई चमक दिख रही है। इसका पहला कारण तो ये है कि निकाय चुनाव में डबल इंजन की सरकार, ट्रिपल इंजन की सरकार में बदल चुकी है। दूसरा कारण, कानपुर एयरपोर्ट को आधुनिक बनाना है। एक तरफ जमीन पर ट्रिपल इंजन की सरकार है, दूसरी तरफ आसमान में हवाई जहाज है।उन्होंने कहा कि जिस कानपुर में 2014 में हर हफ्ते केवल 4 विमान आते थे, 600 प्रतिशत बढ़ोतरी के आधार पर 28 विमान आते हैं। आगरा में 34 विमान और गोरखपुर में 800 प्रतिशत बढ़कर 106 विमान प्रति हफ्ते आते जाते हैं। प्रयागराज में 2023 में 154 विमान का आवागमन होता है।6 की जगह 9 एयरपोर्ट बन चुके हैं। जेवर में ऐसा एयरपोर्ट बन रहा है, जो 6 करोड़ जनता के लिए उपयोगी होगा। कानपुर को पंतनगर, श्रावस्ती, अलीगढ़, मुरादाबाद से जोड़ा जाएगा। अगले 3 सालों में यूपी में 11 और हवाई अड्डे शुरू होंगे। यूपी में कुल 22 एयरपोर्ट संचालित होंगे।

67 तरीके से एनवायरमेंट के फीचर दिए गए

एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया चेयरमैन संजीव कुमार ने कहा कि नया एयरपोर्ट 16 गुना बड़ा बनाया गया। 3 एयरबस एक घंटे में यहां से आ-जा सकते हैं। 100 किलोवाट का सोलर पैनल लगाया गया है।67 तरीके से एनवायरमेंट के फीचर दिए गए हैं। भविष्य में इनकी क्षमता को बढ़ाया जा सकता है। नया एयरपोर्ट अयोध्या में निर्माणाधीन है। सहारनपुर में भी एयरपोर्ट जल्द तैयार होगा। यूपी में 9 एयरपोर्ट निर्माणाधीन हैं। प्रयागराज में टर्मिनल विस्तार के लिए टेंडर किए गए हैं। गोरखपुर में भी जल्द एयरपोर्ट बनाया जायेगा। कानपुर एयरपोर्ट का नया टर्मिनल पुराने के मुकाबले 16 गुना बड़ा बनाया गया है। ये उन चुनिंदा एयरपोर्ट में से एक है, जहां फाइटर और यात्री विमान उतर सकेंगे। एयरपोर्ट को महल की तरह तैयार किया गया है। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने खुद इसकी पुरानी डिजाइन में चेंज कर महल जैसी डिजाइन फाइनल की थी। टर्मिनल के निरीक्षण के दौरान वो खुद सीएम योगी को ब्रीफ करते दिखे।

नयी संसद का उद्घाटन देश के प्रधानमंत्री द्वारा किये जाने का स्वागत

बीपीएस न्यूज

कानपुर।मुस्लिम डेमोक्रेटिक फ्रन्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष शाकिर अली उस्मानी ने कहा कि नये संसद भवन का निर्माण देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल में हुआ है । इसलिए नये संसद भवन का उद्घाटन भी नरेन्द्र मोदी द्वारा ही किया जाना चाहिए ।

उस्मानी ने आगे कहा कि देश के कुछ राजनैतिक दल अनावश्यक रूप से इसका विरोध कर रहे हैं जबकि अभी तक की परम्परा रही है कि जिस भी राजनैतिक दल के कार्यकाल में किसी भी चीज़ का निर्माण हुआ, उसी के दल के मंत्रियों द्वारा उद्घाटन किया गया है ।देश के प्रधानमंत्री खुद भी पिछड़े समाज से आते हैं इससे लगता है कि कुछ लोगों को व्यक्तिगत रूप से उद्घाटन का कार्य पसन्द नहीं आ रहा है। मुस्लिम डेमोक्रेटिक फ्रन्ट नरेन्द्र मोदी के द्वारा नये संसद भवन का उद्घाटन का उसका समर्थन करता है। उद्घाटन के दिन शहर में मिष्ठान वितरण करके खुशी का इजहार करेंगे। मुस्लिम डेमोक्रेटिक फ्रन्ट के डा0 हीरा लाल जायसवार, बटेश्वर कुमार कमलापुरी, रेहान अहमद, सिद्धार्थ बंसल, मनोज बाल्मीकि, सन्तोष कुमार %गुडडू, आर. के. सिंह, टोनी गुप्ता, मो. अजमल, रियाजुल रहमान एडवोकेट आदि लोग प्रमुख थे ।

ट्रक ने पीआरवी में मारी टक्कर, सिपाही की मौत, होमगार्ड घायल

घाटमपुर। कोतवाली क्षेत्र के पीआरवी बाइक 4750 में तैनात सिपाही 28 वर्षीय गंगाशरण पुत्र सुरेश जाटव निवासी कुडेसर जिला फिरोजाबाद अपने साथी 46 वर्षीय जहांगीराबाद गांव निवासी होमगार्ड उमाकांत पुत्र देवनारायण के साथ तैनात थे। शुक्रवार दोपहर दोनों पीआरवी बाइक से घाटमपुर से कानपुर की ओर जा रहे थे,नगर के कुष्माडा देवी मंदिर के पास पहुंचते ही पीछे से आए तेज रफ़्तार ट्रक ने पीआरवी कर्मियों को टक्कर मारते हुए कुचल दिया। हादसे में सिपाही गंगाशरण की मौक़े पर ही दर्दनाक मौत हो गई। साथी होमगार्ड उमाकांत गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल अवस्था में होमगार्ड ने थाने में घटना की सूचना दी। जानकारी मिलते मौक़े पर पहुंची पुलिस ने घायल होमगार्ड को घाटमपुर सीएचसी पहुँचाया जहां प्राथमिक उपचार कर गंभीर हालत में कानपुर के हैलट अस्पताल रिफर कर दिया है। जहां होमगार्ड का इलाज जारी है। वही पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लिया है। घाटमपुर सी ओ दिनेश कुमार शुक्ला ने बताया कि सिपाही के परिजनों को सूचना दी गई है।

डॉ आनंद कुमार सिंह बने नए कुलपति

कानपुर। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल/कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक बागवानी डॉ आनंद कुमार सिंह को सीएसए का कुलपति नियुक्त किया है। पूर्व कुलपति डीआर सिंह का कार्यकाल जनवरी माह में समाप्त हो गया था। जिसके बाद आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय फैजाबाद के कुलपति डॉ विजेंद्र सिंह को सीएसए का कार्यवाहक कुलपति नियुक्त किया गया था। डॉ आनंद कुमार सिंह की नियुक्ति कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से 3 साल के लिए की गई है ।उम्मीद जताई जा रही है ।

प्रमिला पाण्डेय ने दूसरी बार महापौर पद की शपथ ली

बीपीएस न्यूज

कानपुर। मोतीझील लान में बीजेपी की नव निर्वाचित महापौर प्रमिला पांडेय समेत 110 पार्षदों को मंडलायुक्त डॉ. राजशेखर ने शपथ दिलाई। प्रमिला पांडेय पहली महापौर हैं, जिन्होंने लगातार दूसरी बार शपथ ली।

प्रमिला ने शहर की 18वीं महापौर के तौर पर शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना और विशिष्ट अतिथि उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक मंच पर रहे। इसके पहले महापौर को गाउन पहनाया गया। इसके बाद नगर आयुक्त शिव शरणप्पा जीएन ने गदा प्रदान की।कानपुर में रिकॉर्ड जीत के साथ प्रमिला पांडेय नगर निगम के इतिहास में पहली ऐसी महापौर बन गईं, जो लगातार दूसरी बार इस पद पर विजयी हुईं। इतना ही नहीं इन्होंने 2017 में अपने जीत के अंतर को भी बढ़ाया है। पिछली बार कांग्रेस प्रत्याशी को उन्होंने एक लाख से अधिक वोट से हराया था। इस बार उन्होंने सपा को पौने दो लाख से अधिक वोटों से शिकस्त दी है। नगर निगम बनने के बाद पहले महापौर का चुनाव 1995 में हुआ था। उस समय भाजपा प्रत्याशी सरला सिंह ने ऊषा रत्नाकर शुक्ला को हराकर पहली मेयर के रूप में शपथ ली थी।तब से लेकर अभी तक भारतीय जनता पार्टी पांच बार महापौर पद पर जीत हासिल कर चुकी है। सिर्फ एक बार वर्ष 2000 में कांग्रेस के अनिल शर्मा को जीत मिली थी।इस मौके पर महापौर ने कहा कि आपने नारा लगाया था कि दिल से अम्मा फिर से।एक बार फिर से नारा लगाओ। इसके बाद कहा कि एक और नारा इसके साथ समारोह में गूंजा जिसके साथ जमाना है उसके साथ महाना है।पार्षदों से कहा अब स्वागत हो गया, माला भी पहन ली है। अब शहर को कल से स्वच्छ करने में जुट जाएं। महापौर ने कहा कि काम किया है काम करुंगी झूठे वादे नहीं करेगी।

उप मुख्यमंत्री ने ग्रीन पार्क विजिटर गैलरी की क्रिकेट बुक कैफे का किया उद्घाटन

बीपीएस न्यूज

कानपुर। विजिटर गैलरी म्यूजिम के प्रथम फेस एवं द्वितीय फेस का उद्घाटन हो चुका था। उसी क्रम में खेल विभाग व स्मार्ट सिटी के साथ मिलकर बने नये क्रिकेट बुक कैफे का उद्घाटन उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक द्वारा किया गया। इस दौरान ग्रीन पार्क स्टेडियम में पुलिस आयुक्त, जिलाधिकारी एवं उप निदेशक, खेल द्वारा उप मुख्यमंत्री का गार्ड आफ ऑनर से स्वागत किया गया।

उन्होने कैफे का उद्घाटन करते हुये कहा कि यहॉ पर जल्द ही अन्तर्राष्ट्रीय मैच की सौगात दी जायेगी। मैच में आने वाली बाधाओं को भी जल्द ही दूर किया जायेगा। ग्रीनपार्क की पहचान सिर्फ क्रिकेट मैच से ही है। यहॉ के क्रिकेट प्रेमियों को देखते हुये यहॉ के उच्चाधिकारियों/यूपीसीए से समन्वय स्थापित कर यहॉ अन्तर्राष्ट्रीय मैच आयोजित कराने हेतु पूरा प्रयास किया जायेगा। कहा कि ग्रीन पार्क के इतिहास की जानकारी इससे अच्छी हासिल हो नहीं सकती और यह विजिटर गैलरी युवा पीढ़ी को समृद्ध क्रिकेट के इतिहास को जानने में अपनी अहम भूमिका निभायेगी। उन्होंने बताया कि स्व. ज्योति बाजपेयी बहुत बड़ा योगदान है और यू0पी0 क्रिकेट उन्हे हमेशा स्मरण रखेगा।मण्डलायुक्त ने उप मुख्यमंत्री को बताया कि यहॉ पर सरकारी, गैर सरकारी सभी बोर्ड के स्कूल के बच्चों का नि:शुल्क म्यूजियम को दिखाया जा रहा है।क्रिकेट बुक कैफे में 250 किताबे, स्पोर्टस मैगजीन, ऑटो बायोग्राफी आदि की किताबे उपलब्ध है।कैफे के शुभारम्भ के दौरान बृजेश पाठक ने शुभकामनाओं सहित स्वयं हस्ताक्षरित बैट आयुक्त को भेंट किया।

मुद्रिका पाठक द्वारा बताया गया कि यहॉ पर नौनीहालों से बड़ो तक विभिन्न प्रकार के खेलो का समर कैम्प के माध्यम से प्रशिक्षण चल रहा है, जिसमें विभिन्न खेलो में लगभग सैकड़ो बच्चे प्रशिक्षण ले रहे है। वातानुकूलित बैडमिन्टन/टी0टी0 हाल स्मार्ट सिटी द्वारा निर्मित हाल में मात्र 335 व 235 वार्षिक रजिस्ट्रेशन लेकर प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है।इस दौरान उप मुख्यमंत्री ने उच्च श्रेणी वातानूकूलित जिम का भी भ्रमण कर एक्ससाईज भी की। उन्होने कहा कि प्रदेश में हो रहे स्मार्ट सिटी के कार्य में यह जिम उच्चकोटि की बनी है। उन्होंने खेल विभाग एवं स्मार्ट सिटी की पूरी टीम को बधाई दी और कहा कि खेलो इण्डिया के तहत चल रहे खेलों में इसका बड़ा योगदान साबित होगा। क्रिकेट बुक कैफे के शुभारम्भ कार्यक्रम के शुभ अवसर पर डॉ. राजशेखर आयुक्त, बीपी जोगदंड पुलिस आयुक्त, विशाख जी. जिलाधिकारी, शिवशरणप्पा नगर आयुक्त,अंकिता सिंह एडीपीसी, मुद्रिका पाठक उपनिदेशक खेल, संजय कपूर चेयरमैन कानपुर क्रिकेट एसोसिशन, सुरेश अवस्थी, यश मल्होत्रा, अमित पाल, उपक्रीड़ाधिकारी, फिजियो स्टेनली ब्राउन, स्मार्टसिटी नोडल आरकेसिंह उपस्थित रहे।

बिठूर पुलिस ने लूटेरों का गैंग पकड़ा

बीपीएस न्यूज

कानपुर। सवारी वाहनों को शिकार बनाने वाले शातिर बदमाशों को बिठूर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। इनके पास से लूट और चोरी का माल बरामद हुआ है। पुलिस मुकदमा दर्ज कर अग्रिम कानूनी कार्रवाई कर रही है। डीसीपी पश्चिम ने गिरफ्तार करने वाली टीम को इनाम का ऐलान किया है। कानपुर की थाना बिठूर पुलिस की टीम ने पांच शातिरों को गिरफ्तार किया।प्रभारी निरीक्षक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि शनिवार सुबह 11 बजे ब्लू वर्ल्ड वाटर पार्क के पास पांच अभियुक्तों को पकड़ा गया। पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि कुछ दिन पूर्व आईआईटी गेट पर ई-रिक्शा लूट और चालक को मारने की घटना को कबूला। पांचों शातिर अभियुक्तों के खिलाफ पिछली कई घटनाओं में अलग-अलग थानों में मुकदमा दर्ज है। पकड़े गए सभी अभियुक्तों की उम्र 20 से 23 वर्ष के बीच में है।गिरफ्तार किए गए 5 अभियुक्तों में रामजी दुबे, शशांक उर्फ छोटू, अभिषेक सिंह उर्फ गोलू,अंकुश दुबे, सुभाष कटियार पकड़े गए है। पकड़े गए अभियुक्तों के पास से चोरी का माल बरामद किया गया है। जिसमें नकद रुपए और बैटरी रिक्शा के कटे हुए पार्ट व कई बैटरी मिले हैं। गिरफ्तार करने वाली टीम को डीसीपी पश्चिम ने रुपए 25000 इनाम देने का ऐलान किया है। बिठूर एसओ अतुल श्रीवस्तव ने बताया कि क्षेत्र में पिछ ले कई दिनों से बदमाशों के सक्रिय होने की जानकारी पर पुलिस लगातार इनकी तलाश में थी, सटीक सूचना पर बदमाशों को धर दबोचा गया है।

संस्थान द्वारा निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का किया गया आयोजन

बीपीएस न्यूज

कानपुर। ओम जन सेवा संस्थान के तत्वावधान में तिवारीपुर बगिया में एक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया।

जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में पार्षद कैलाश पाण्डेय मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित करके किया गया। पार्षद कैलाश पांडे ने अपने सम्बोधन में कहा कि ओम जन सेवा संस्थान कि टीम हमेशा ही ग़रीबों व असहाय जरूरतमंदों की मदद के लिए हमेशा तत्पर रहती हैं चाहे वह स्वास्थ्य शिविर लगाना हो चाहे ब्लड डोनेशन कैम्प लगा कर के जरूरतमंदों की मदद करना चाहे गरीब बस्तियों में जाकर के कॉपी किताब एवं कपड़ों व. खाद्य सामग्री का वितरण करना हो हमेशा ही ओम जन सेवा संस्थान कि टीम मदद के लिए तैयार रहती हैं ।

इस स्वास्थ्य शिविर में वी.पी ,ब्लड शुगर के मरीजो का परीक्षण किया गया।

जिसमें 587 लोगों ने भाग लेकर परीक्षण कराया एवं दवा भी वितरण की गई जिसमें डाक्टर साजिदअली, डाक्टर फहाज सिददकी, योगेश, अर्चना गौताम,प्रवीण आदि लोगो ने परीक्षण किया।

कार्यक्रम का आयोजन ओम जन सेवा संस्थान की अघ्यक्ष शिव देवी अग्रहरि (सीमा) ने किया।

ओम जन सेवा संस्थान की अध्यक्ष शिव देवी अगहरि (सीमा) ने सम्बोधन में कहा कि उपसभापति (पार्षद) कैलाश पाण्डेय जी लगातार 5 सालो से संस्था में लगातार सहयोग कर रहे है। उनके सराहनीय कार्य की जितनी अधिक प्रशंसा की जाये वह कम है।समाज व गरीबों की निशुल्क मदद में हमेशा हमारा निरन्तर सहयोग करते है।आज निशुल्क स्वास्थ्य शिविर में गरीब, असहाय और जरूरतमंदो ने अपनी टेस्टिंग करवा कर निशुल्क परामर्श लेकर निशुल्क दवाई भी वितरण की गई। इस स्वास्थ्य शिविर में प्रमुख रूप से शिव देवी अग्रहरि (सीमा) पार्षद कैलाश पांडे, कृष्ण मुरारी अवस्थी, निर्मला चौहान, धर्मेंद्र चौरसिया, लकी, विशु आदि लोग मौजूद रहे।

किसान मोर्चा बुंदेलखंड क्षेत्र की कार्यसमिति बैठक संपन्न

बीपीएस न्यूज कानपुर। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा बुंदेलखंड क्षेत्र की कार्यसमिति बैठक का शुभारंभ पंडित दीनदयाल उपाध्याय श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्पार्चन एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया।बैठक की अध्यक्षता किसान मोर्चा के क्षेत्रीय अध्यक्ष बालमुकुंद शुक्ला एवं संचालन महामंत्री विकास भदौरिया ने किया।भाजपा क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल ने कार्यसमिति को संबोधित करते हुए कहा कि देश की मोदी जी के नेतृत्व में चल रही सरकार जी कल अपने 9 वर्ष पूर्ण कर चुकी है।राष्ट्रीय नेतृत्व द्वारा 30 मई 30 जून तक चलाये जा रहे महा संपर्क अभियान में भी किसान मोर्चा की भागीदारी क्या हो इसको बिंदुवार बताया, किसान मोर्चा प्रत्येक जिले में ट्रैक्टर रैली, किसान पंचायत मंडी समिति में किसानों से संपर्क के साथ-साथ सभी अभियानों में हिस्सा लेते हुए कार्य करना है आज किसान मोर्चा कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्र के सभी ग्राम सभाओं में अपनी कमेटी बना चुका है। श्री पाल ने बताया कि, 2021 में बुंदेलखंड को सिंचित करने के लिए पीएम नरेंद्र मोदी ने अर्जुन सहायक परियोजना का लोकार्पण किया।जिससे बुंदेलखंड के 500 से अधिक गांव में पानी सुचारू रूप से उपलब्ध हुआ। आम जनमानस को पीने के लिए तो पानी मिला ही किसानों को अपनी फसल के लिए भी पानी की समुचित उपलब्धता प्रारंभ हुई।बैठक में मुख्य रूप से किसान मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष वी के गंगवार श्याम बिहारी गुप्ता भाजपा कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्र मीडिया प्रभारी अनूप अवस्थी, किसान मोर्चा के सोशल मीडिया प्रभारी मंजू अभिषेक वर्मा, शिव प्रकाश सिंह, कल्लू भैया, अजय पटेरिया, जितेंद्र सिंह, आशीष चतुर्वेदी, कृष्ण कुमार बंटी आदि सभी क्षेत्रीय पदाधिकारी एवं 17 जिलों की अध्यक्ष महामंत्री उपस्थित रहे।

दवा व्यापार मंडल द्वारा किया गया सभा का आयोजन

बीपीएस न्यूज

कानपुर। दवा व्यापार मंडल द्वारा ज्ञान भारती इंटर कॉलेज में व्यापार मंडल की एक सभा का आयोजन किया गया। जिसमें संजय मल्होत्रा, नंदकिशोर ओझा, अध्यक्ष राजेंदर सैनी द्वारा संचालन किया गया। इसमें व्यापार के स्थिति का जायजा लेते हुए उन्होंने व्यापार को कैसे बढ़ाया जाए इसके विषय में जानकारी देते हुए सब को संबोधित किया और किस प्रकार दवा का व्यापार का स्तर गिरता जा रहा है इसको किस प्रकार आगे बढ़ाया जाए।व्यापार के संबंध में संजय मल्होत्रा नंदकिशोर ओझा ने व्यापार को बढ़ाने की जानकारी दी इसके पश्चात जो नए पदाधिकारी नियुक्त किए गए थे उनका माल्यार्पण भी किया इसमें शुक्ला मार्केट के अध्यक्ष अरुण कुमार अस्थाना, उपाध्यक्ष करुणेश मिश्रा, संरक्षक प्रमोद दीक्षित, महासचिव सुनील श्रीवास्तव, संगठन मंत्री जय किशन और अन्य पदाधिकारियों का स्वागत एवं माल्यार्पण नंदकिशोर ओझा, संजय मल्होत्रा, राजेंदर सैनी अन्य पदाधिकारियों ने किया।

बी पी एस न्यूज
हिन्दी साप्ताहिक

मुद्रक प्रकाशक स्वात्वाधिकारी बुद्ध प्रकाश साहू द्वारा मां प्रिन्टर्स गार्डेन नं. 6-ए/7 रेल बाजार कानपुर नगर से मुद्रित एवं 344- बगाही भट्ठा टी.पी. नगर कानपुर से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. UPHIN/ 2016/66740, डाक पंजीयन सं. कानपुर सिटी 304/2021-2023, सम्पादक बुद्ध प्रकाश साहू व्हाट्सअप 9335908846 मो.: 8423454502 email:bps.knp786@gmail.com info@bpsnews.in www.bpsnews.in नोट-समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर नगर न्यायालय होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों व संवाददाताओं की होगी।